3 राजधानी
खिली धूप लेकिन ठिठुरन से निजात नहीं

6 अभिमत
आयकर का विकल्प खर्च पर टैक्स

10 विदेश
यूक्रेन संकट से निपटने को तैयार है अमेरिका

11 विविध
कर्म और भाग्य की गतिशीलता

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 82
नई दिल्ली, शुक्रवार, 28 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

कुलदीप के लिए आगे की डगर मुश्किल

स्पोर्ट्स-12

पूरी तरह टाटा की हुई एयर इंडिया

- टाटा एंड संस 70 साल बाद एयरलाइंस के साथ फिर भरेगी सपनों की उड़ान
- राष्ट्रीय एयरलाइंस की दो दशक तक चली विनिवेश प्रक्रिया अब हुई पूरी

राजेश कुमार। नई दिल्ली

नई दिल्ली में टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रेशेखरन का स्वागत करते एयर इंडिया के सीएमडी विक्रम देव दत्त

टाटा समूह ने 70 साल बाद आधिकारिक तौर पर एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर इंडिया एसएटीएस का अधिग्रहण कर लिया। टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुरुवार को मुलाकात के तुरंत बाद सरकार ने टाटा की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टैलेस प्राइवेट लिमिटेड को 100 प्रतिशत शेयर हस्तांतरित कर दिए। सरकार ने कंपनी का प्रबंधन नियंत्रण भी नए मालिकों को हस्तांतरित कर दिया और इसी के साथ कर्ज में डूबी एयरलाइन को टाटा समूह की कंपनी को बेचने की प्रक्रिया पूरी हो गई। चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा समूह एयर इंडिया को वापस पाकर बहुत खुश है और कंपनी इसे विश्व स्तरीय एयरलाइन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रतन एन. टाटा ने भी सरकार का धन्यवाद दिया। बाद में चंद्रशेखरन एयर इंडिया के कर्मचारियों के पास पहुंचे और उनसे उस एयरलाइन को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। एयर इंडिया के कर्मचारियों के स्वागत पत्र में चंद्रशेखरन ने एयरलाइन के शानदार अतीत का जिक्र किया और भविष्य के लिए कहा कि पूरा देश अब यह देखने के लिए इंतजार कर रहा है कि हम एक साथ मिलकर क्या हासिल करेंगे। इससे पहले, प्रबंधन अधिग्रहण को औपचारिक रूप देते हुए नए निदेशक मंडल की बैठक हुई। सरकार द्वारा अपने शेयरों को एयर इंडिया के नए मालिक को हस्तांतरित करने के बाद वित्त मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि एयर इंडिया रणनीतिक विनिवेश लेनदेन गुरुवार को पूरा हो गया है। सरकार को टाटा संस की स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टैलेस प्राइवेट लिमिटेड से 2,700 करोड़ रुपये कंसीड्रेशन मिला है। सरकार ने एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस लिमिटेड (एआईएक्सएल) में 15,300 करोड़ रुपये का कर्ज बरकरार रखा है, जबकि एयर इंडिया, एआईएक्सएल के 100 प्रतिशत शेयर और एआईएसएटीएस में राष्ट्रीय एयरलाइंस की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी भी टैलेस को हस्तांतरित कर दी गई है। केंद्र को अंततः एयर इंडिया के विनिवेश प्रक्रिया पूरी करने में दो दशक का समय लग गया। इससे पहले चंद्रशेखरन ने गुरुवार को एयर इंडिया के टाटा समूह को आधिकारिक रूप से सौंपे जाने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री से मुलाकात के फौरन बाद चंद्रशेखरन एयर इंडिया मुख्यालय पहुंचे। पिछले साल अक्टूबर में टाटा समूह ने 18,000 करोड़ रुपये की बोली लगाकर एयर इंडिया को हासिल किया था। टाटा 2,700 करोड़ रुपये नकद चुकाएगा और एयरलाइन के कर्ज के 15,300 करोड़ रुपये का अधिग्रहण करेगा। टाटा संस की एयर एशिया में 84 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 5.2 फीसदी है। विस्तारा में भी उसकी 51 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 8.3 फीसदी है। एयर इंडिया के स्थिर होने के साथ, टाटा 26.7 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के नियंत्रण में हो सकता है और इंडिगो के बाद दूसरा सबसे बड़ा खिलाड़ी हो सकता है। इस बीच, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व में ऋणदाताओं का एक संघ घाटे में चल रही एयर इंडिया के सुचारू संचालन के लिए टाटा समूह को ऋण प्रदान करने पर सहमत हो गया है। जहांगीर रतनजी दादाभाई (जेआरडी) टाटा ने 1932 में एयरलाइन की स्थापना की थी और इसका नाम टाटा एयरलाइंस रखा था। वर्ष 1946 में टाटा संस के विमानन प्रभाग को एयर इंडिया के रूप में सूचीबद्ध किया गया था और 1948 में यूरोप के लिए उड़ानों के साथ एयर इंडिया इंटरनेशनल को लांच किया गया था।

अब ओमीक्रोन का सब वैरिएंट बीए-2 का खतरा

- देश में कुल सक्रिय मामलों में शीर्ष 10 राज्यों का योगदान 77 फीसदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ओमीक्रोन के उप-वंश (सब-वैरिएंट) बीए.2 का प्रसार भारत में धीरे-धीरे बढ़ रहा है, लेकिन कोविड मामलों में गिरावट के संकेत हैं। देश में कुल सक्रिय मामलों में शीर्ष 10 राज्यों का योगदान 77 फीसदी है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) के निदेशक सुजीत कुमार सिंह ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि ओमीक्रोन का सब-वैरिएंट बीए.2 अब भारत में बीए.1 वैरिएंट की तुलना में अधिक प्रचलित है। हालांकि, भारत में अभी तक बीए.3 के सब-वैरिएंट का पता नहीं चला है।

एनसीडीसी के निदेशक ने कहा कि दिसंबर और जनवरी में अत्यधिक तेजी से फैलने वाले ओमीक्रोन वैरिएंट तेज दर से बढ़ा और हमारे समुदाय में बीए.2 नामक ओमीक्रोन सबवैरिएंट का प्रचलन बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि पहले, यात्रियों से एकत्र किए गए नमूनों में बीए.1 संस्करण प्रमुख था। अब सामुदायिक सेटिंग में, हमने पाया है कि बीए.2 सब-वैरिएंट धीरे-धीरे बढ़ रहा है। ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों के बारे में बात करते हुए सिंह ने कहा कि अब तक प्राप्त कुल जीनोम अनुक्रमण रिपोर्ट में से ओमीक्रोन के बढ़ते मामले जनवरी महीने में पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्राप्त कुल रिपोर्टों में से पिछले साल दिसंबर में 1,292 ओमीक्रोन मामले पाए गए, जबकि डेल्टा मामलों की संख्या 17,000 से अधिक थी। सिंह ने कहा कि जनवरी में अब तक 4,779 डेल्टा मामलों की तुलना 9,672 ओमीक्रोन मामले पाए गए हैं, जिसमें 3,201 एवाईसी वैरिएंट और (शेष पेज 9)

कोविड प्रतिबंध 28 फरवरी तक बढ़े

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को मौजूदा कोविड-19 रोकथाम उपायों को 28 फरवरी तक बढ़ा दिया। मंत्रालय ने वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के कारण संक्रमण में तेजी से वृद्धि और 34 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 407 जिलों में संक्रमण 10 फीसदी से अधिक रहने को लेकर यह फैसला किया है। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को लिखे एक पत्र में कहा कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 22 लाख से अधिक हो गयी है, हालांकि ज्यादातर मरीज जल्दी ठीक हो रहे हैं और कम मरीज अस्पतालों में हैं।

राजधानी में वीकेंड कर्फ्यू और दुकानों का ऑड-ईवन खत्म

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना संक्रमण का प्रसार रोकने के लिए लगाया गया वीकेंड कर्फ्यू और दुकानों को ऑड-ईवन से खोलने की व्यवस्था गुरुवार को खत्म कर दी गई। उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में हुई दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की महत्वपूर्ण में यह फैसला लिया गया।

शनिवार और रविवार का कर्फ्यू तथा अन्य दिनों में दुकानों को ऑड-ईवन से खोलने की व्यवस्था का कारोबारी पुरजोर विरोध कर रहे थे। अब उन्हें खासी राहत मिलेगी। हालांकि अभी स्कूल नहीं खुलेंगे। वीकेंड कर्फ्यू समाप्त होने से सप्ताह के सातों दिन बाजार खुलेंगे और दुकानें भी नंबर से नहीं एक साथ खुलेंगी। शर्त यह है कि ग्राहक और दुकानदार कोरोना दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करें।

बृहस्पतिवार को हुई डीडीएमए की वर्चुअल बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ दिल्ली के अन्य बड़े अधिकारी भी शामिल हुए। राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण में तेजी से कमी आ रही है। गुरुवार को लगभग 4291 केस आए हैं। महीने के शुरू में यह संख्या लगभग 28000 तक पहुंच गई थी। कोरोना से थोड़ी राहत मिलने पर कारोबार और (शेष पेज 9)

सीमा मुद्दे पर भारत के साथ वार्ता का नवीनतम दौर सकारात्मकः चीन

भाषा। बीजिंग

चीन ने भारत के साथ सैन्य-स्तरीय वार्ता के नवीनतम दौर को सकारात्मक और रचनात्मक बताया और कहा कि बीजिंग सीमा मुद्दे को समुचित ढंग से संभालने के लिए नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करेगा। साथ ही चीन ने पड़ोसियों को धमकाने संबंधी अमेरिका के आरोप का खंडन किया है। भारत और चीन के बीच 14वें दौर की सैन्य वार्ता 12 जनवरी को हुई थी जिसमें दोनों पक्ष पूर्वी लद्दाख में गतिरोध के शेष मुद्दों पर पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान पर पहुंचने के लिए सैन्य और राजनयिक माध्यम से बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए थे।

चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल वू कियान ने एक सवाल के जवाब में कहा, चीनी पक्ष का मानना है कि वार्ता का यह दौर सकारात्मक और रचनात्मक रहा और चीन बातचीत के माध्यम से सीमा मुद्दे को समुचित ढंग से संभालने के लिए भारतीय पक्ष के साथ मिलकर काम करेगा। वार्ता से पहले, भारतीय अधिकारियों ने 14वें दौर की वार्ता में पूर्वी लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स पर सैनिकों के पीछे हटने से संबंधित मुद्दों को हल करने की उम्मीद जताई थी।

वरिष्ठ कर्नल वू कियान ने बृहस्पतिवार को प्रेस वार्ता में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी की उन टिप्पणियों की तीखी आलोचना की, जिसमें उन्होंने चीन पर अपने पड़ोसियों को डराने-धमकाने का प्रयास करने का आरोप लगाया था। भारत के साथ सीमा पर चीन के आक्रामक व्यवहार पर एक सवाल के जवाब में, साकी ने 12 जनवरी को कहा था कि अमेरिका स्थिति पर नजर रखे हुए है। साकी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कर्नल वू कियान ने कहा कि कुछ अमेरिकी राजनेता बलपूर्वक शब्द का उपयोग करने के बहुत शौकीन हैं और वे यह भूल गए हैं कि अमेरिका बलपूर्वक कूटनीति का (शेष पेज 9)

अरुणाचल के लापता युवक को चीन ने भारतीय सेना को सौंपा

नई दिल्ली(भाषा)। कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने बृहस्पतिवार को बताया कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने अरुणाचल प्रदेश के लापता युवक को भारतीय सेना को सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि युवक को बृहस्पतिवार को अरुणाचल प्रदेश में वाचा-दमई इंटरेक्शन प्वाइंट पर भारतीय सेना को सौंप दिया गया। अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग जिले से 19 वर्षीय मिराम तारोन 18 जनवरी को लापता हो गया था। मंत्री ने एक ट्वीट में बताया कि लड़के की (शेष पेज 9)

राम मंदिर के निर्माण कार्य का तीसरा चरण आरंभ हुआ, मई तक होगा पूरा

भाषा। नई दिल्ली

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण कार्य का तीसरा चरण शुरू हो गया है और इसके मई तक पूरा हो जाने की संभावना है। मंदिर के ट्रस्ट ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ट्रस्ट ने एक बयान में कहा, मंदिर का निर्माण कार्य तय योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है और दिसंबर 2023 तक भक्तों को भगवान श्रीराम के दर्शन का अवसर मिल सकेगा। मंदिर के निर्माण कार्य के पहले दो चरणों में, नींव आदि तैयार किए गए थे।

ट्रस्ट ने कहा कि तीसरा चरण शुरू हो गया है जिसमें प्लिंथ (चबूतरे)का निर्माण भी शामिल है। बयान के अनुसार मंदिर की मजबूती को ध्यान में रखते हुए दक्षिण भारत के सबसे मजबूत प्राकृतिक ग्रेनाइट पत्थर का इस्तेमाल करने का निर्णय लिया गया है। ग्रेनाइट पत्थर के साथ प्लिंथ का निर्माण कार्य 24 जनवरी को शुरू हो गया। इस प्रकार तीसरे चरण का निर्माण कार्य औपचारिक रूप से शुरू हो गया है। मंदिर भवन के लिए आधार का काम करने वाले चबूतरे पर मंदिर के मुख्य ढांचे का निर्माण किया जाएगा। प्लिंथ के निर्माण में 5 फुट, 2.5 फुट व 3 फुट आकार के करीब 17,000 ग्रेनाइट पत्थरों का उपयोग किया जाएगा।

हर ऐसे पत्थर का वजन करीब ग 2.50 टन है। ग्रेनाइट पत्थर लगाने का काम मई तक पूरा हो जाने की संभावना है। प्लिंथ का काम पूरा होने के बाद मंदिर के मुख्य ढांचे का वास्तविक निर्माण शुरू होगा। लार्सन एंड टुब्रो कंपनी मंदिर का निर्माण कार्य कर रहा है और टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स इस कार्य में उसकी मदद कर री है। उच्चतम न्यायालय के नौ नवंबर, 2019 के फैसले के बाद, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को फरवरी 2020 में मंदिर निर्माण का कार्यभार दिया गया था।

पंजाब चुनाव में सीएम चेहरे के साथ उतरेगी कांग्रेसः राहुल गांधी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

स्वर्ण मंदिर में लंगर चखते नवजोत सिंह सिद्धू, राहुल गांधी और चरणजीत सिंह चन्नी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि पार्टी पंजाब विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री के चेहरे के साथ उतरेगी और पार्टी कार्यकर्ताओं से परामर्श करने के बाद जल्द ही इस पर फैसला लिया जाएगा। गांधी ने यहां डिजिटल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने उन्हें आश्वासन दिया है कि जो भी मुख्यमंत्री का चेहरा होगा, उसका वह समर्थन करेंगे।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि आम तौर पर हम ऐसा नहीं करते हैं, लेकिन यदि कांग्रेस पार्टी, हमारे कार्यकर्ता और पंजाब के लोग ऐसा चाहते हैं तो हम मुख्यमंत्री के चेहरे पर फैसला लेंगे। उन्होंने कहा कि हम अपने कार्यकर्ताओं से सलाह मशविरा करने के बाद यह फैसला करेंगे। बाकी नेता एक टीम के तौर पर काम करेंगे। गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की मांग जल्द से जल्द पूरी की जाएगी।

गांधी ने कहा कि चन्नी और सिद्धू, दोनों ने उनसे कहा कि पंजाब में सबसे बड़ा सवाल यह है कि राज्य में कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व कौन करेगा। उन्होंने कहा कि मीडिया वाले इसे मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कहते हैं। सिद्धू और चन्नी दोनों ने मुझे आश्वासन दिया कि दो लोग नेतृत्व नहीं कर सकते और केवल एक ही नेतृत्व कर सकता है। दोनों ने मुझसे कहा कि जो भी नेतृत्व करेगा, दूसरा अपनी सारी ऊर्जा उन्हें जिताने में लगा देगा। इससे पहले, अपने संबोधन में सिद्धू ने कहा कि लोग स्पष्टता चाहते हैं कि एजेंडा और रोडमैप को कौन लागू करेगा, जिस पर चन्नी ने बाद में कहा कि (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	57,276	↓ 581	
निफ्टी	17,110	↓ 167	
सोना	48,215	↓ 563	/10g
चांदी	62,792	↓ 1186	/kg

क्विक न्यूज

दूरसंचार कंपनियों को 30 दिन वाले प्रीपेड प्लान पेश करने के निर्देश

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि दूरसंचार ऑपरेटरों को प्रीपेड ग्राहकों के लिए 30 दिनों की वैधता वाले रिचार्ज प्लान पेश करने होंगे। इस कदम से ग्राहक द्वारा एक साल में किए गए रिचार्ज की संख्या में कमी आने की उम्मीद है। इस समय दूरसंचार कंपनियां प्रीपेड खंड में 28 दिनों की वैधता वाले रिचार्ज प्लान देती है, जिससे ग्राहकों को एक साल में 13 रिचार्ज करने पड़ते है। ट्राई ने एक अधिसूचना में कहा, प्रत्येक दूरसंचार सेवाप्रदाता 30 दिनों की वैधता वाले कम से कम एक प्लान वाउचर, एक विशेष टैरिफ वाउचर और एक कॉम्बो वाउचर की पेशकश करेगा। दूरसंचार कंपनियों को इस आदेश का अनुपालन अधिसूचना की तारीख से 60 दिन के भीतर करना होगा।

जूही चावला को 5जी केस में हाईकोर्ट से राहत, सिर्फ दो लाख का जुर्माना लगाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बॉलीवुड अभिनेत्री जूही चावला को 5जी केस में दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने गुरुवार को जूही पर लगाये गये 20 लाख के जुर्माने को 90 प्रतिशत कम कर दिया है। अब जूही को दो लाख रुपये जुर्माने के तौर पर जमा करवाने होंगे। जूही के साथ ही दो अन्य पर भी जुर्माने को घटाकर दो लाख रुपये कर दिया है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने 5 जी वायरलेस नेटवर्क स्थापित करने के खिलाफ दायर मुकदमे को खारिज करने के दौरान एकल न्यायाधीश की ओर से की गई टिप्पणियों को भी खारिज कर दिया। विदित हो कि जूही ने 5जी नेटवर्क के खिलाफ ये कहते हुए याचिका दायर की थी कि इससे मनुष्यों के साथ ही पशु पक्षियों पर भी गलत असर पड़ेगा। इस पर हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने मामले को खारिज करते हुए (शेष पेज 9)

भारत और मध्य एशिया के देशों की चिंताएं एक समानः मोदी

भाषा। नई दिल्ली

भारत और मध्य एशियाई देशों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अन्य नेतागण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफगानिस्तान के हालिया घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए क्षेत्रीय सुरक्षा को भारत और मध्य एशिया के देशों के लिए एकसमान चिंता का विषय करार दिया और बृहस्पतिवार को कहा कि सुरक्षा और समृद्धि के उद्देश्य को हासिल करने के लिए भारत और मध्य एशिया के देशों का आपसी सहयोग अनिवार्य है। डिजिटल माध्यम से पहले भारत-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन की मेजबानी करते हुए अपने आरंभिक संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि एक समन्वित और स्थिर विस्तारित पड़ोस के लिए मध्य एशिया, भारत के विजन का केंद्र है।

इस शिखर सम्मेलन में कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम जुमरात तोकाएव, उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोएव, ताजकिस्तान के राष्ट्रपति इमामअली रहमान, तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति गुरबांगुली बर्दीमुहम्मदेवो और किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सद्र जापारोप ने भाग लिया। अफगानिस्तान के हाल के घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए हम सभी की चिंता और उद्देश्य एक समान हैं। अफगानिस्तान के घटनाक्रम से हम सभी चिंतित हैं। इस संदर्भ में भी हमारा आपसी सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए और महत्वपूर्ण हो गया है। ज्ञात हो कि अफगानिस्तान पर तालिबान के नियंत्रण के बाद भारत विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार क्षेत्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठाता रहा है और इस बात पर जोर देता रहा है कि किसी भी कीमत पर अफगानिस्तान की भूमि का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए नहीं होना चाहिए। भारत का जोर अफगानिस्तान में मानवीय सहायता पहुंचाने पर भी रहा है। तालिबान के नियंत्रण के बाद अफगानिस्तान में मानवीय संकट गहरा गया है। समय-समय पर इसकी झलक भी विभिन्न माध्यमों से दुनिया के सामने आती रही हैं। सम्मेलन में मध्य एशिया के देशों के बीच रिश्तों को नई ऊंचाई प्रदान करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों और क्षेत्रीय सुरक्षा के मौजूदा हालात पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और मध्य एशिया के देशों के कूटनीतिक संबंधों ने 30 सार्थक वर्ष पूरे कर लिए हैं और पिछले तीन दशकों में आपसी सहयोग ने कई सफलताएं भी हासिल की है।

उन्होंने कहा कि आज यह रिश्ते अब इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच गए हैं कि सभी को आने वाले सालों के लिए एक महत्वाकांक्षी दूरदृष्टि परिभाषित करनी चाहिए और वह दूरदृष्टि ऐसी हो, जो बदलते विश्व में लोगों की, विशेषकर युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा कर सकें। द्विपक्षीय स्तर पर मध्य एशिया के सभी देशों के साथ भारत के संबंधों की घनिष्ठता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कजाकिस्तान जहां भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार बन गया है, वहीं उज्बेकिस्तान के साथ उनके गृह राज्य गुजरात सहित भारत के विभिन्न राज्यों की सक्रिय भागीदारी भी है। उन्होंने कजाकिस्तान में हाल में हुई जान-माल की (शेष पेज 9)

अफगानिस्तान पर संयुक्त कार्य समूह बनाने का निर्णय लिया गया

नई दिल्ली(भाषा)। भारत और पांच मध्य एशियाई देशों ने बृहस्पतिवार को वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर अफगानिस्तान को लेकर एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का फैसला किया। विदेश मंत्रालय की सचिव (पश्चिम) रीनत संधू ने यह जानकारी दी। संधू ने कहा कि शिखर सम्मेलन में मोदी ने अगले 30 साल के लिए खाका तैयार करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय हुआ कि भारत और मध्य एशियाई देशों के नेता हर दो साल में शिखर सम्मेलन स्तर की बैठक करेंगे और 2024 में अगला शिखर सम्मेलन होने की संभावना है। संधू ने कहा कि बैठक में नेताओं ने अफगानिस्तान पर करीबी परामर्श जारी रखने को लेकर सहमति जताई। वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर अफगानिस्तान के संबंध में एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का भी फैसला किया गया। उन्होंने कहा कि भारत और मध्य एशियाई देश आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के खतरे से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं। संधू ने कहा कि भारत और मध्य एशिया के इच्छुक देशों के बीच आतंकवाद रोधी संयुक्त अभ्यास किया जाएगा।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 28 जनवरी 2022

ग्रेनो में डोर टू डोर वोट मांगने पहुंचे गृहमंत्री

कहा–उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव तय करेगा भविष्य

● बसपा-सपा के 20 वर्ष के शासन ने प्रदेश को गड्ढे में डाला

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यूपी चुनाव के प्रचार के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुरुवार को ग्रेटर नोएडा पहुंचे। ग्रेटर नोएडा के शारदा विश्वविद्यालय में प्रभावी मतदाता संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कल किसी ने मुझसे पूछा कि हर बार कैप्टन को ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश का प्रभारी क्यों बनाते हैं तो मैंने बोला कि वो हमारे लिए शुभ हैं। मेरे सामने जो सूची रखी है उसमें 293 में 278 लोग यहां आये हैं। इसमें जिले के सभी मतदाताओं को यहां बुलाया गया है। उनके सामने 2022 के चुनाव के लिए आज मैं आपको बीजेपी के लिए बात करने आया हूं। तीनों में मुझे उत्तर प्रदेश में काम करने का मौका मिला।

2017 में मैंने 300 पार का नारा दिया था किसी ने पूछा था कैसे आएगी, तो मैंने कहा कि आपने कागज में देखा है हमने जमीन में देखा है। उत्तर प्रदेश में मोदी जी को बहुत दिया। उत्तर प्रदेश बदल रहा है। उत्तरप्रदेश में युवा बढ़ रहा है, उद्योग आ रहे हैं। सुरक्षा अच्छी हुई है। 20 साल के बसपा–सपा के शासन ने उत्तर प्रदेश को गड्ढे में डाल दिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में सिर्फ जाति को आगे बढ़ाया। 5 साल बीजेपी की सरकार चली अखिलेश बाबा भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकते। यहां आए लोगों का काम समाज को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि ये चुनाव उत्तर प्रदेश के भविष्य तय करने का चुनाव है। 20 साल माफियावाद चलता था। वर्ग विशेष का हुआ तो उसका कहना ही क्या। आज आजम खान, मुख्तार सभी जेल में हैं। योगी ने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था ठीक कर दी। सपा के पास लाल, नीली लाइट दोनों है। इसी कड़ी में देश के गृह मंत्री अमित शाह दोपहर गौतमबुद्धनर जिले के तुगलपुर में डोर टू डोर जनसंपर्क अभियान में अपने प्रत्याशी के लिए वोट मांगे।

अमित शाह के सामने डॉ महेश शर्मा के खिलाफ नारेबाजी

नोएडा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुरुवार को दादरी से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार और मौजूदा विधायक मास्टर तेजपाल सिंह नागर के लिए घर–घर जाकर वोट मांग रहे थे। इसी बीच तुगलपुर गांव में बड़ा विवाद पैदा हो गया है। गृहमंत्री के सामने गुर्जर समाज के लोगों ने गौतमबुद्धनगर के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इतना ही नहीं भाजपा किसान मोर्चा के पश्चिम उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष तेजा गुर्जर ने डॉ महेश शर्मा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा है कि डॉ महेश शर्मा ने हमारे बुजुर्गों का अपमान करवाया है। इस घटना से कुल मिलाकर एक बार फिर दादरी क्षेत्र में विवाद पैदा हो गया है। इसी वजह से लोग सांसद के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। तुगलपुर गांव से जब गृहमंत्री अमित शाह गुजर रहे थे तो भीड़ ने नारेबाजी करनी शुरू कर दी। गुर्जर समाज से ताल्लुक रखने वाले युवाओं ने स्थानीय सांसद डॉ महेश शर्मा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

पहली बार भारत ने दुनिया को अपनी शक्ति का अहसास कराया : राजनाथ सिंह

पाकिस्तान की नापाक हरकत का जवाब घर में घुसकर दिया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

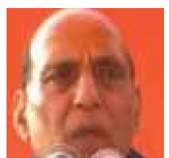

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज यहां कहा कि हमारी सरकार भारत का नए रूप निर्माण करना चाहती है। ऐसा भारत जिसमें जाति, धर्म और मजहब के नाम पर नहीं बल्कि इंसाफ और इंसानियत तथा हिन्दुस्तान और हिंदुस्तानियत की झलक दिखाई दे।

राजनाथ सिंह मोदीनगर में भाजपा प्रत्याशी मंजू शिवाच के समर्थन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जात–पात, धर्म मजहब और तुष्टिकरण के नाम पर पूर्व की सरकार देश को कमजोर कर चुकी हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के कार्यकाल में भारत शक्तिशाली बनकर पहली बार अपनी ताकत का पूरी दुनिया को अहसास करा चुका है। उन्होंने कहा कि अब देश कमजोर नहीं है, बल्कि एक शक्तिशाली भारत है। पाकिस्तान ने उरू व पुलवामा कांड कराया तो भारत ने तगड़ी कार्रवाई करके पाक को बता दिया कि भारत सीमा के अंदर भी उसे धूल चटा सकता है, यदि जरूरत पड़ी तो पाकिस्तान के अंदर घुसकर भी उसकी नापाक हरकतों का जवाब दे सकता है।

रक्षामंत्री ने कहा नरेंद्र मोदी जैसा संवेदनशील प्रधानमंत्री आज तक देश को नहीं मिला। उन्होंने तीन कृषि कानून बनाकर देश के किसानों से सहमति बनाने की कोशिश की। सहमति नहीं बनी तो कानून वापस ले लिया। उसे अपने सम्मान की बात नहीं माना।

कार से 21.23 लाख की बेनामी रकम बरामद

नोएडा। उत्तर प्रदेश में आदर्श चुनाव आचार संहिता का पालन कराने तथा चुनाव में धन, शराब का दुरुपयोग रोकने के लिए बनाई गई एसएसटी (स्थानीय निगरानी समिति) तथा पुलिस ने एक कार से 21.23 लाख रुपये से अधिक की बेनामी रकम बरामद की। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

गौतमबुद्धनगर पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के प्रवक्ता ने बताया कि आदर्श चुनाव आचार संहिता का अनुपालन कराने के लिए पुलिस तथा एसएसटी टीम लगातार जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि बुधवार रात जांच के दौरान टीम ने थाना सेक्टर 58 क्षेत्र में एक कार को जांच के लिए रोका। कार से पुलिस ने 21.23 लाख रुपए की बेनामी रकम बरामद की।

कांग्रेस ने प्रदेश में निभाई मजबूत विपक्ष की भूमिका : पायलट

पार्टी प्रत्याशी के लिए वोट मांगने गाजियाबाद आए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने योगी सरकार पर बोला हमला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

पूर्व केंद्रीय मंत्री व राजस्थान राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गुरुवार को भाजपा के साथ सपा, बसपा को भी घेरते हुए कमजोर विपक्ष बताया। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्ष के दौरान प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कॉंग्रेस ने ही मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि उत्तर–प्रदेश की योगी सरकार ने अपने पांच वर्ष के कार्यकाल के दौरान मध्यमवर्ग, गरीब, किसानों व दलितों का जमकर उत्पीड़न किया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। उन्होंने विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी सुशांत गोयल के लिए गुरुवार को डोर टू डोर जनसम्पर्क कर वोट मांगे।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने समाज के सभी वर्गों का जमकर उत्पीड़न किया है। इस सरकार के कारनामों से जनता परेशान है और उसने इस बार उत्तर प्रदेश में बदलाव का मन बना लिया है। आने वाले विधानसभा चुनाव में चौकाने वाले परिणाम आएंगे।

Piramal Capital & Housing Finance

पंजीकृत कार्यालय पता : यूनिट नंबर 601, छठा तल, पीरामल अमिति बिल्डिंग, पीरामल अगस्त्य कार्पोरेट पार्क, कमानी जंक्शन, फायर स्टेशन के सामने, एलबीएस मार्ग, कुर्ला (वेस्ट), मुंबई – 400 070
सीआईएन : एल65910एमएच1984पीएलसी032639, वेबसाइट : www.piramalfinance.com
शाखा पता : धीरज बाग, बिल्डिंग "ए" भू तल एवं प्रथम तल, ऐक्सिस बैंक के बगल में, मोनालिसा बिल्डिंग के सामने, आगरा रोड, हरि निवास सर्किल, नौपाड़ा, थाने (वेस्ट)–400 602

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3(1) के अधीन। अधोहस्ताक्षरी वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (उक्त अधिनियम) के अधीन पीरामल कैपिटल ऐंड हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड (पीसीएचएफएल) [पूर्वतः दीवान हाउसिंग फाइनैंस कारपोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) के नाम से ज्ञात] का प्राधिकृत अधिकारी है। प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अधीन मांग सूचनाएं जारी की थीं, जिनमें निम्नलिखित कर्जदार(रों) ("उक्त कर्जदार(रों)") से उनको जारी की गई संबंधित मांग सूचना(ओं) में वर्णित राशियां, जो यहां नीचे भी दी गई हैं, चुकाने की मांग की गई थी। उपरोक्त के संबंध में, एतद्द्वारा, उक्त कर्जदार(रों) को, एक बार पुनः, पीसीएचएफएल को यहां नीचे दी गई राशियों का भुगतान, उक्त कर्जदार(रों) द्वारा निष्पादित अन्य दस्तावेज/प्रलेख, यदि कोई, के साथ पठित ऋण अनुबंध के अधीन देय, नीचे वर्णित तिथि(यों) से, भुगतान तथा/अथवा वसूली की तिथि तक, लागू दर पर आगे ब्याज सहित, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने हेतु सूचना दी जाती है। उक्त कर्जदार(रों) द्वारा ऋण की सम्यक वापसी के लिए प्रतिभूति के रूप में निम्नलिखित आस्तियां पीसीएचएफएल के पास बंधक रखी गई हैं।

कर्जदार (रों)/गारंटर (रों) का नाम	मांग सूचना तिथि और राशि एनपीए तिथि सहित	प्रत्याभूत आस्ति (अचल सम्पत्ति) का वर्णन
(आजादपुर एनएसपी शाखा का एलसी नंबर : 00000380) गोविंद बागड़ी (कर्जदार) रवि कुमार (सह–कर्जदार 1) चेत राम (सह–कर्जदार 2)	27–07–2021/ रू. 30,67,996/– (रूपए तीस लाख सड़सठ हजार नौ सौ छियानवे मात्र) एनपीए (09–01–2021)	डी–2/173, तृतीय तल, ब्लॉक–डी–2, केएच नंबर 11/21, ग्राम असालतपुर खादर, जीवन पार्क, उत्तम नगर, दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली– 110059
(नोएडा शाखा का एलसी नंबर : 00003049) पंकज शर्मा (कर्जदार) कुसुम (सह–कर्जदार 1) देवेन्द्र भारद्वाज (सह–कर्जदार 2)	27–07–2021/ रू. 30,87,834/– (रूपए तीस लाख सतासी हजार आठ सौ चौंतीस मात्र) एनपीए (10–12–2020)	प्लॉट नंबर 64, खसरा नंबर 487, ग्राम पीरागढ़ी, वेस्ट दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली– 110085
(दिल्ली – सफदरजंग शाखा का एलसी नंबर : 00043578) बबीता मेहता (कर्जदार) अमरजीत सिंह (सह–कर्जदार 1)	08–10–2021/ रू. 1,49,54,406/– (रूपए एक करोड़ उन्चास लाख चौवन हजार चार सौ छह मात्र) एनपीए (10–07–2021)	फ्लैट नंबर 506, 5वां तल, टावर ई (ब्लॉक ई 2) आइरियो स्काईऑन सेक्टर–60, गुरूग्राम, हरियाणा– 122001
(रोहिणी शाखा का एलसी नंबर : 00002254) निर्मल सिंह (कर्जदार) रछपाल कौर (सह–कर्जदार 1) बलविंदर सिंह (सह–कर्जदार 2) रूपिंदर कौर (गारंटर 1)	22–11–2021/ रू. 76,97,007/– (रूपए छहत्तर लाख सत्तानवे हजार सात मात्र) एनपीए (09–10–2021)	सम्पत्ति सं. 138, सम्पूर्ण सम्पत्ति किला नंबर 16, मुस्टिल नंबर 32, ग्राम ख्याला चांद नगर, कन्हैया पार्क, नई दिल्ली, दिल्ली–110063
(नोएडा 1 राजेन्द्र प्लेस शाखा का एलसी नंबर : 00001763) बीडी बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड (कर्जदार) धीरज मलिक (सह–कर्जदार 1) युधवीर सिंह मलिक (सह–कर्जदार 2)	18–12–2021/ रू. 2,24,62,922/– (रूपए दो करोड़ चौबीस लाख बासठ हजार नौ सौ बाईस मात्र) एनपीए (09–11–2021)	सम्पत्ति सं. एम–30, पुराना नंबर 1/11882, खसरा नंबर 291–294, ग्राम उल्धानपुर, नवीन शाहदरा, निकट श्री राम सत्संग भवन, दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110032
(दिल्ली – सफदरजंग शाखा का एलसी नंबर : 00043787) विवेक चानना (कर्जदार) कलावती चानना (सह–कर्जदार 1) ओम प्रकाश चानना (सह–कर्जदार 2) चानना प्लास्टिक्स प्रा. लि. (गारंटर 1)	18–12–2021/ रू. 99,12,266/– (रूपए निन्यानवे लाख बारह हजार दो सौ छियासठ मात्र) एनपीए (09–10–2021)	प्लॉट नंबर 826, प्रथम तल, छत का अधिकार नहीं, ब्लॉक डी, न्यू फ्रेंड्स कालोनी, नई दिल्ली, दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110065
(गुरूग्राम शाखा का एलसी नंबर : 00002793) तेजविंदर सिंह (कर्जदार) गुरप्रीत कौर (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 79,08,451/– (रूपए उनासी लाख आठ हजार चार सौ इक्यावन मात्र) एनपीए (09–11–2021)	सम्पत्ति सं. एफए–343, पुराना नंबर एफए–91, द्वितीय तल, ग्राम बसई दारापुर, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110015
(दिल्ली – सफदरजंग शाखा का एलसी नंबर : 00044000) विवेक चानना (कर्जदार) कलावती चानना (सह–कर्जदार 1) ओम प्रकाश चानना (सह–कर्जदार 2) चानना प्लास्टिक्स प्रा. लि. (गारंटर 1) हिमानी चानना (गारंटर 2)	18–12–2021/ रू. 40,29,939/– (रूपए चालीस लाख उन्तीस हजार नौ सौ उन्तालीस मात्र) एनपीए (09–10–2021)	प्लॉट नंबर 826, प्रथम तल, छत का अधिकार नहीं, ब्लॉक डी, न्यू फ्रेंड्स कालोनी, नई दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110065
(दिल्ली – जनकपुरी शाखा का एलसी नंबर : 00000433) प्रमोद कुमार श्रीवास्तव (कर्जदार) शोभित कुमार श्रीवास्तव (सह–कर्जदार 1) उषा रानी श्रीवास्तव (सह–कर्जदार 2)	18–12–2021/ रू. 38,27,719/– (रूपए अड़तीस लाख सत्ताईस हजार सात सौ उन्नीस मात्र) एनपीए (09–11–2021)	प्लॉट नंबर 51, प्रथम तल, सिल्वर पार्क, शिवपुरी, दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110051
(रोहिणी शाखा का एलसी नंबर : 00002376) अमय बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड (कर्जदार) वीरेन्द सिंह (सह–कर्जदार 1) मेघना ठाकुर (सह–कर्जदार 2)	18–12–2021/ रू. 37,15,411/– (रूपए सैंतीस लाख पंद्रह हजार चार सौ ग्यारह मात्र) एनपीए (09–11–2021)	फ्लैट नंबर बी 401, चतुर्थ तल, प्लॉट नंबर 1 बी, गुलिस्तां सीजीएचएस लि., सेक्टर–13, द्वारका, नई दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110075
(नोएडा सेक्टर–2 शाखा का एलसी नंबर : 00041313) शील कुमारी (कर्जदार) सतेन्द्र कुमार (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 36,84,135/– (रूपए छत्तीस लाख चौरासी हजार एक सौ पैंतीस मात्र) एनपीए (09–11–2021)	विला नंबर बी–77, ब्लॉक बी, पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्टी, प्लॉट नंबर बी जीएच–ए, सूरजपुर साइट सी, ग्रेटर नोएडा–201308, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश–201308
(दुर्गापुर शाखा का एलसी नंबर : 00001593) राजा मित्रा (कर्जदार) मौसमी मित्रा (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 34,55,884/– (रूपए चौंतीस लाख पचपन हजार आठ सौ चौरासी मात्र) एनपीए (09–11–2021)	फ्लैट नंबर एफ 1102, प्रिंसेस पार्क, सेक्टर–86, पार्कलैंड्स, फरीदाबाद, हरियाणा–121001
(दिल्ली – सफदरजंग शाखा का एलसी नंबर : 00042515) तापस बिस्वास (कर्जदार) सोना बिस्वास (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 32,95,197/– (रूपए बत्तीस लाख पिच्यानवे हजार एक सौ सत्तानवे मात्र) एनपीए (09–11–2021)	एच नंबर एफ–169 ए, सुदर्शन पार्क, प्लॉट नंबर 82, खसरा नंबर 653, निकट सी ब्लॉक, आटा चक्की, नई दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110015
(कनॉट प्लेस शाखा का एलसी नंबर : 00000684) गुरमीत सिंह (कर्जदार) परमजीत कौर (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 30,98,829/– (रूपए तीस लाख अठ्ठानवे हजार आठ सौ उन्तीस मात्र) एनपीए (10–07–2021)	डब्ल्यूजेड–54–ए/5, एफएफ, छत का अधिकार नहीं, चौखंडी एक्स., केएच नंबर 15/11, तिलक नगर, नई दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110018
(कड़कड़डूमा नोएडा शाखा का एलसी नंबर : 00000455) मनोज सांगवान (कर्जदार) अनु रानी (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 28,75,445/– (रूपए अठ्ठाईस लाख पचहत्तर हजार चार सौ पैंतालीस मात्र) एनपीए (10–07–2021)	फ्लैट नंबर 301, तृतीय तल, टावर ई 4, माया गार्डन सिटी, निकट एस्कॉन एरीना जिराकपुर, पंजाब, भारत जिराकपुर, लुधियाना, पंजाब – 141001
(नेताजी सुभाष प्लेस शाखा का एलसी नंबर : 00001749) राजीव (कर्जदार) ज्योति (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 25,28,365/– (रूपए पच्चीस लाख अठ्ठाईस हजार तीन सौ पैंसठ मात्र) एनपीए (09–11–2021)	1/7265, आरएचएस तृतीय तल, छत अधिकार, खसरा नंबर 241, गली नंबर 04, ईस्ट गोरखपार्क, शाहदरा, दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110032
(दिल्ली राजौरी गार्डन शाखा का एलसी नंबर : 00000944) बाला भाटिया (कर्जदार) संजय कुमार भाटिया (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 25,10,535/– (रूपए पच्चीस लाख दस हजार पांच सौ पैंतीस मात्र) एनपीए (10–07–2021)	पुराना नंबर 20/22, नया नंबर डी–20/22, तृतीय तल, रियर साइड, छत के साथ, केएच नंबर 1625/904, ओल्ड गोविंद पुरा, शाहदरा, ग्राम खुरेजी खास, दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110051
(दिल्ली राजौरी गार्डन शाखा का एलसी नंबर : 00000956) हरविंदर सिंह (कर्जदार) हरजीत कौर (सह–कर्जदार 1) गुरमीत सिंह (सह–कर्जदार 2)	18–12–2021/ रू. 23,28,730/– (रूपए तेईस लाख अठ्ठाईस हजार सात सौ तीस मात्र) एनपीए (09–08–2021)	दक्षिण पूर्वी भाग सम्पत्ति सं. के–1 टीएफ छत के साथ, ब्लॉक के, केएच नंबर 18/2/1, ग्राम ख्याला, विष्णु गार्डन, पोर्शन प्लॉट नंबर 1, दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110018
(कड़कड़डूमा नोएडा शाखा का एलसी नंबर : 00000756) दलवीर सिंह रावत (कर्जदार) मंजू रावत (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 22,39,162/– (रूपए बाईस लाख उन्तालीस हजार एक सौ बासठ मात्र) एनपीए (09–11–2021)	यूनिट नंबर 2030, 19वां तल, ब्लॉक एफ, गैलेक्सी नॉर्थ एवेन्यू–II, प्लॉट जीसी–3डी जीएच–03, गौड़ सिटी 2, सेक्टर–16 सी, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश–201308
(नई दिल्ली वेस्ट शाखा का एलसी नंबर : 00001061) चेतन अरोड़ा (कर्जदार) पूजा अरोड़ा (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 21,97,626/– (रूपए इक्कीस लाख सत्तानवे हजार छह सौ छब्बीस मात्र) एनपीए (09–11–2021)	प्लॉट नंबर 321, द्वितीय तल, पाकेट–16, ब्लॉक डी, सेक्टर–3, रोहिणी, दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली – 110085
(नोएडा 1 राजेन्द्र प्लेस शाखा का एलसी नंबर : 00001988) मानसी (कर्जदार) गौरव (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 20,40,895/– (रूपए बीस लाख चालीस हजार आठ सौ पिच्यानवे मात्र) एनपीए (09–11–2021)	सम्पत्ति सं. 37, भू तल, केएच नंबर 56, ब्लॉक–एम–37, गली नंबर 6, ग्राम नांगली जालिब, न्यू महावीर नगर, दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110018
(नई दिल्ली शाखा का एलसी नंबर : 00004800) मनीष कुमार यादव (कर्जदार) विकास यादव (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 17,59,228/– (रूपए सत्रह लाख उनसठ हजार दो सौ अठ्ठाईस मात्र) एनपीए (09–11–2021)	फ्लैट नंबर 107, यूजीएफ, फ्रंट एलएचएस, प्लॉट नंबर 51 ए, 52, केएच नंबर 96, यूनिवन रेजीडेंसी, ग्राम अकबरपुर बहरामपुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201009
(द्वारका शाखा का एलसी नंबर : 00000357) अरूण कुमार सिंह (कर्जदार) अनु कुमारी (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 16,41,016/– (रूपए सोलह लाख इकतालीस हजार सोलह मात्र) एनपीए (09–11–2021)	फ्लैट नंबर यूजीएफ–1, फ्रंट साइड आरएचएस फ्लैट, प्लॉट नंबर एमएम–72, एमएम रोड, डीएलएफ अंकुर विहार, ग्राम सादुल्लाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201010
(नोएडा 1 राजेन्द्र प्लेस शाखा का एलसी नंबर : 00002386) राजू (कर्जदार) पिंकी (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 14,59293/– (रूपए चौदह लाख उनसठ हजार दो सौ तिरानवे मात्र) एनपीए (09–11–2021)	1/3054 (नया) एवं ए–20 (पुराना), द्वितीय तल एलएचएस छत का अधिकार नहीं, गली नंबर 18, ग्राम सिकदरपुर, राम नगर, शाहदरा, दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110032
(गुरूग्राम – सोहना रोड शाखा का एलसी नंबर : 00043598) मानव मौतिया (कर्जदार) रामू (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 14,38,037/– (रूपए चौदह लाख अड़तीस हजार सैंतीस मात्र) एनपीए (09–11–2021)	सम्पत्ति सं. 75, द्वितीय तल, सेक्टर–20, रोहिणी, दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110085
(दिल्ली राजौरी गार्डन शाखा का एलसी नंबर : 00001286) खांग शोंग वानो रवि (कर्जदार) सोमी खांग शोंग वानो (सह–कर्जदार 1) केएसवी अशोक (सह–कर्जदार 2) केएसवी वंदना (गारंटर 1)	18–12–2021/ रू. 12,70,555/– (रूपए बारह लाख सत्तर हजार पांच सौ पचपन मात्र) एनपीए (09–11–2021)	पी. नंबर 23, यूजीएफ, फ्रंट साइड (एलएचएस), केएच नंबर 78/1/3, ग्राम हस्तसाल, गली नंबर 21, ओम विहार फेज–3, उत्तम नगर, दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110059
(करनाल शाखा का एलसी नंबर : 00005447) विवेक ढाका (कर्जदार) इंदु पत्नी विवेक ढाका (सह–कर्जदार 1)	18–12–2021/ रू. 12,53,800/– (रूपए बारह लाख तिरेपन हजार आठ सौ मात्र) एनपीए (09–11–2021)	खेवट नंबर 1609, खाता नंबर 2352, खसरा नंबर देवरू रोड, सोनीपत निकट जेपी जैन स्कूल, देवरू रोड, सोनीपत हरियाणा–131001
(नई दिल्ली शाखा का एलसी नंबर : 00003652) सिक्का प्रमोटर्स प्रा. लि. (कर्जदार) एच एस सिक्का (सह–कर्जदार 1) गुरिंदर सिंह सिक्का (सह–कर्जदार 2) कुसुम कौर (गारंटर 1)	22–12–2021/ रू. 9,10,360/– (रूपए नौ लाख दस हजार तीन सौ साठ मात्र) एनपीए (09–11–2021)	सम्पत्ति सं. सी–1 ए बी.एफ. एवं जी. एफ का लेफ्ट एवं रियर साइड पोर्शन, अरूणा पार्क, लक्ष्मी नगर, दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली–110092

यदि उक्त कर्जदार पीसीएचएफएल को उपरोक्तानुसार भुगतान करने में विफल रहेंगे, पीसीएचएफएल अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के अधीन उपरोक्त प्रतिभूत आस्तियों के विरूद्ध कार्यवाही प्रारंभ करेगी, जिसकी लागत और परिणामों की जोखिम के लिए उक्त कर्जदार पूर्णरूपेण जिम्मेदार होंगे। उपरोक्त आस्तियों का अंतरण पीसीएचएफएल की पूर्व लिखित सहमति के बिना बिक्री, पट्टा या अन्य प्रकार से करने के संबंध में उक्त कर्जदारों पर अधिनियम के तहत रोक लगी है। कोई भी व्यक्ति, जो उक्त अधिनियम अथवा उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है अथवा उस हेतु अभिप्रेरित करता है, अधिनियम के अधीन दी गई व्यवस्था के अनुसार कारावास तथा/अथवा आर्थिक दण्ड का भागी होगा।

तिथि : 28–01–2022
स्थान : छत्तीसगढ़

हस्ता./–
(प्राधिकृत अधिकारी)
पीरामल कैपिटल ऐंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

ICICI Bank | शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली– 110005

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा, आईसीआईसीआई बैंक के आधिकृत अधिकारी द्वारा सूचित किया कि वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत सभी नीलामीयां, जो जनवरी 20, 2022 से फरवरी 28, 2022 तक के बीच की अवधि में आयोजित की जानी निर्धारित थी, कोरोना वायरस (कोविड–19) के अभूतपूर्व प्रसार के कारण, अगली सूचना तक प्रास्थगित की जाती है। प्रास्थगित नीलामी की सूची यहां निचे दिया गया है:

क्र. सं.	मामले का विवरण	आस्ति का विवरण	सुरक्षित मूल्य	धरोहर राशि जमा	नीलामी की निर्धारित तिथि और समय
1.	रविंदर कुमार (कर्जदार), LAROH00035177651	मारुति उद्योग लिमिटेड वैगन आर एलएक्सआई निर्माण वर्ष 2016 पंजीकरण सं. एचआर46ई5117	रू. 80,000/-	रू. 25,000/-	जनवरी 28, 2022 को सु. 11:00 बजे से
2.	दिनेश (कर्जदार), LAROH00034435594	हुंडई मोटर्स लिमिटेड एक्सेंट, निर्माण वर्ष 2016 पंजीकरण सं. एचआर46डी0050	रू. 80,000/-	रू. 25,000/-	जनवरी 28, 2022 को सु. 11:00 बजे से

तिथि : जनवरी 28, 2022
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर –23, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली– 110005

जबकि

आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड ('सुरक्षित लेनदार', जिसमें इसके उत्तराधिकारी और वारिस शामिल होंगे) और निम्नलिखित उधारकर्ता और सह– उधारकर्ता, ('उधारकर्ता', जिसमें उसकी/ उसके/ उनके संबधित (उत्तराधिकारी, उत्तराधिकारी, उत्तरापेक्षी, वारिस,) शामिल होंगे), के बीच एक ऋण समझौते के अनुसार एक आवास ऋण सुविधा के अनुसार दी गई थी। अधोहस्ताक्षरी ('प्राधिकृत अधिकारी') ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 ('अधिनियम') के अंतर्गत सुरक्षित लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 ('नियमावली') के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में अधिनियम की धारा 13 (2) के अन्तर्गत नीचे वर्णित उधारकर्ताओं/ सह उधारकर्ताओं को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमे ऋण समझौते के अनुसार बकाया राशि का भुगतान करने के लिए और जैसा कि विशेष रूप से उक्त संबधित मांग सूचनाओं में उल्लिखित है उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथी से 60 दिनों के अंदर सूचना में विर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

उधारकर्ता / सह उधारकर्ता राशि का प्रतिभुगतन करने में विफल रहे है और अपेक्षा की है अतएव एतद द्वारा उधारकर्ता / सह उधारकर्ता तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है की अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा उक्त अधिनियम धारा 13 (4) के साथ पठित नियमावली के नियम 8 के तहत प्रदत शक्तियों के प्रयोक में संपति का सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है सम्पतियो के सांकेतिक कब्जे की तारीख सहित विवरण निचे वर्णित हैं.

क्र.	कर्जदार/ सह–कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रू.)	शाखा का नाम
1.	मनीष जैन/ कोहिनूर ज्वेल स्टूडियो/ मधु जैन/ रूपल जैन/ LBDEL00001587524	डी– 81, दूसरी मंजिल, वीर नगर, राणा प्रताप बाग जैन कॉलोनी के पास, नई दिल्ली, दिल्ली/ 24 जनवरी, 2022	जून 19, 2021 ₹. 33,06,793/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	अब्दुल करीम वानी/ मेसर्स गुलाम अहमद वानी/ महबूबा अख्तर/ LBDEL00001654457	प्लॉट नंबर– आर– 8, पहली मंजिल, ब्लॉक– आर, साउथ एक्सटेंशन पार्ट– 2, दिल्ली/ 25 जनवरी, 2022	जुलाई 23, 2021 ₹. 74,27,377/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/ जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: सुरक्षित ब्याज़ (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 और 9 के अंतर्गत है।

दिनांक: जनवरी 28, 2022
स्थान: दिल्ली/ एनसीआर

प्रधिकृत अधिकारी
प्रतिभूत लेनदार

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर –23, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली –110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तिय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार/सह–कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह–कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रू.)	शाखा का नाम
1.	रितिका सोइनी/ जितेंद्र सोइनी/ LBDEL00005079693	संपत्ति संख्या 13/42–ए, दूसरी मंजिल, छत के अधिकार के बिना, ब्लॉक– 13 तिलक नगर दिल्ली/ 24 जनवरी, 2022	अक्टूबर 16, 2021 ₹ 37,53,082/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	आशीष ढिंगिया/ ओंकार सिंह ढींगिया/ LBDEL00001101022	फ्लैट नंबर 302, दूसरी मंजिल, जहांगीर पुरी, दिल्ली/ 24 जनवरी, 2022	जून 19, 2021 ₹ 1,86,353/-	दिल्ली/ एनसीआर
3.	ज्योति कुमार/ रमन कुमार/ LBDEL00002400225	फ्लैट नंबर 33, तीसरी मंजिल, ब्लॉक सी8, पॉकेट 3, सेक्टर 34, रोहिणी, दिल्ली/ 24 जनवरी 2022	अक्टूबर 16, 2021 ₹ 11,05,059/-	दिल्ली/ एनसीआर
4.	किशन लाल/ देवेंद्र/ LBDEL00002389726	फ्लैट नंबर 42, पहली मंजिल डीडीए एलआईजी, ब्लॉक– सी3, पॉकेट– 3, सेक्टर–34, रोहिणी, दिल्ली/ 24 जनवरी, 2022	अक्टूबर 16, 2021 ₹ 11,36,068/-	दिल्ली/ एनसीआर
5.	मंजीत कुमार/ शशि यादव/ LBGUR00002364572	फ्लैट नंबर 52, दूसरी मंजिल, ब्लॉक ई6, पॉकेट 3, सेक्टर जी8, नरेला, दिल्ली/ 24 जनवरी, 2022	अक्टूबर 16, 2021 ₹ 10,60,357/-	दिल्ली/ एनसीआर
6.	पंकज जैन/ चंदर सेन जैन/ LBDEL00002377467	फ्लैट नंबर 6, पहली मंजिल, पॉकेट 2, सेक्टर जी2, नरेला, दिल्ली/ 24 जनवरी, 2022	अक्टूबर 16, 2021 ₹ 10,60,949/-	दिल्ली/ एनसीआर
7.	अमित कुमार माथुर/ सुप्रिया माथुर/ सुमित कुमार मालवीय/ विजन इंडिया आयुर्वेद (प्रा.) लिमिटेड/ LBDEL00005201200/ LBDEL00002440117	फ्लैट नंबर 298, टाइप ए, ब्लॉक बी, पॉकेट 3, बिंदापुर, दिल्ली/ 25 जनवरी, 2022	जून 19, 2021 ₹ 21,91,881/-	दिल्ली/ एनसीआर
8.	अनीता शर्मा/ नरेंद्र शर्मा/ LBDEL00004972103	डीडीए फ्लैट 25बी, पहली मंजिल एमआईजी शेख सराय फेज–1 दिल्ली/ 25 जनवरी, 2022	अक्टूबर 16, 2021 ₹ 1,33,76,949/-	दिल्ली/ एनसीआर
9.	धीरज कुमार/ विज़मोर कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड/ रंजीता झा/ LBDEL00002379472	फ्लैट नंबर बी53/II, पहली मंजिल डीडीए एमआईजी ब्लॉक–बी, नरैना विहार दिल्ली/ 25 जनवरी, 2022	अक्टूबर 16, 2021 ₹ 85,43,828/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह–कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: जनवरी 28, 2022
स्थान: दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

फैक्टरी में काम के दौरान महिला की संदिग्ध मौत

● परिजनों ने शव रखकर किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर जिले के थाना सेक्टर 58 क्षेत्र में स्थित एक कंपनी में महिला कर्मी की काम के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला के परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर फैक्टरी के बाहर शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत किया तथा फैक्टरी प्रबंधन के खिलाफ लापरवाही से मौत का मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस आयुक्त के प्रवक्ता ने बताया कि थाना सेक्टर 58 क्षेत्र में स्थित सुपर हाउस नामक कंपनी में कार्यरत मीरा देवी को मंगलवार को काम के दौरान खून की उल्टी हुई। उन्होंने बताया कि गंभीर हालत में मीरा को उपचार के लिए दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। प्रवक्ता ने बताया कि महिला के परिजन बुधवार को उसके शव को लेकर कंपनी पहुंचे, तथा वहां पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंचे पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें समझा–बुझाकर घर भेजा। उनकी शिकायत पर फैक्टरी प्रबंधन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है और पुलिस जांच कर रही है।

दुकान का ताला तोड़कर लाखो रुपए का सामान ले गए चोर

● अज्ञात के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया केस

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना सेक्टर 39 क्षेत्र में स्थित दो दुकानों का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाशों ने लाखों रुपए की कीमत का सामान चोरी कर लिया। वहीं, थाना सेक्टर 20 क्षेत्र के निठारी गांव में स्थित एक दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपए का सामान चोरी कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के प्रवक्ता ने बताया कि छलेरा गांव में हार्डवेयर की दुकान चलाने वाले संदीप चौहान ने बुधवार रात को थाना सेक्टर 39 में रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात चोरों ने उनकी दुकान का ताला तोड़कर वहां रखे लाखों रुपए की कीमत के पीतल के नल, ताले व अन्य कीमती सामान चोरी कर लिए।

थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के ही खजूर कॉलोनी में मोबाइल फोन की दुकान चलाने वाले महावीर पुत्र राधेश्याम ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात चोरों ने उनकी दुकान का ताला तोड़कर वहां रखे कीमती मोबाइल फोन तथा नकदी आदि चोरी कर लिए हैं।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to General Public that the property documents viz. Site Possession Slip and Allotment cum Demand Letter qua property bearing No. 89-C DDA Flats, Gulabi Bagh, Delhi-110007, issued by Delhi Development Authority in the name of Smt. Geeta Devi W/o Sh. OP Rohtagi & D/o Bagwati Devi have been lost. Smt. Geeta Devi had lodge complaint with PS Crime Branch Delhi vide LR No. 55315/2022 dated 19.01.2022 at around 14.34 hrs.

If any person(s) who finds the above said documents are requested to contact either the undersigned or Mr. Dinesh Kumar S/o Sh. OP Rohtagi having mobile 9811160345 and return the same at the address mentioned herein above.

Pranay Trivedi (Advocate)
Ch. No. 638, Saket Courts, New Delhi

सूचना

एतद्द्वारा सेबी (सूचीयन दायित्व एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 29 के साथ पठित विनियम 47 के अनुसरण में सूचना दी जाती है कि कम्पनी के निदेशक मंडल की एक बैठक बृहस्पतिवार, 03 फरवरी, 2022 को आयोजित की जाएगी, जिसमें अन्य के साथ, 31 दिसम्बर 2021 को समाप्त तिमाही हेतु कम्पनी के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम प्रोव. विचारित और अनुमोदित किए जाएंगे। इस सूचना में दी गई जानकारी कम्पनी की वेबसाइट www.cubical90.com पर तथा स्टॉक एक्सचेंज नामत: बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com पर भी उपलब्ध है।

वास्ते क्यूबिकल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड
हस्ता./–
स्थान : नई दिल्ली (अश्वनी कुमार गुप्ता)
तिथि : 27–01–2022 प्रबंध निदेशक

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, Dr. USHA PRASAD am the owner of Flat No. 365,ON SECOND + THIRD FLOOR (DUPLEX) WITH CAR GARAGE NO. 365, MANDAKINI ENCLAVE ALAKNANDA NEW DELHI- 110019, vide DDA's File No. F35(473)81/SFS. My few original documents of the said Property viz. (1) Allocation Letter of the Flat, (2) Possession Letter of the Flat, (3) NOC for Electric & Water connection of the Flat (4) Demand/Allotment Letter of Car Garage and (5) Possession Slip of Car Garage have been misplaced. An Information Report of this effect has been lodge in Police Station Crime Branch, Delhi vide LR No.67856/2022 on 24.01.2022. Any person(s) claiming any right, interest having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above address/phone No. 9870504438 within 15 days from the date of publication of this notice.

Public Notice

To be known to all that I, **Shri Pritpal Singh** S/o Shri. Ragubir Singh R/o 06B Road no 12, East Punjabi Bagh,Delhi-26 owner of **DDA plot no 57 Transport Centre Rohtak Road Delhi** has applied for **conversion** of the aforesaid plot from leasehold to freehold vide application no **LD14419CL/CON/15012022** dated 20.01.22 in DDA.That the original documents i.e. **posession letter,site posession slip,lease deed** & Occupancy certificate of the above property have been lost, An fir vide **LR no. 64159/2022** against this effect has been lodged in crime branch police station delhi. Any person claiming any right, interest,having any objection or found in possession of original documents may write contact with above named person at above address/ph no 9999992243 with in 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property can personally inform or write to Dy. Director (CL) or director (CL), A- block, 2nd Floor,Vikas Sadan, INA, New Delhi-23

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

युवती का यौन शोषण, मुंह काला कर जूतों की माला पहनाई

शाहदरा मे शर्मसार कर देने वाली घटना, चार लोग गिरफ्तार

- पीड़िता को ससुराल से अगवा कर दिया घटना को अंजाम
- सीएम, गंभीर और महिला आयोग ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में एक बार फिर शर्मसार करने देने वाली वारदात सामने आई है। शाहदरा के कस्तूरबा नगर में एक युवती का कथित रूप से अपहरण कर उसका यौन शोषण किया गया।

हमलावरों ने उसके बाल काटकर, चेहरे पर कालिख पोतकर और जूतों की माला पहनाकर शहर के कस्तूरबा नगर इलाके में सड़क पर घुमाया। पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी इलाके में अवैध शराब बेचने वाले बताए जा रहे हैं। पीड़िता की छोटी बहन की शिकायत के बाद पहुंची पुलिस ने उसे बचाया। पुलिस ने इस मामले में चार को गिरफ्तार किया है।

चार महिलाओं के सामने कुछ लोगों की इस घटना को अंजाम दिया है। दिल्ली महिला आयोग ने घटना का संज्ञान लेकर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने इस मामले में उपराज्यपाल से सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने कहा कि घटना बुधवार दोपहर को घटी थी। महिला आनंद विहार में अपने पति के घर पर थी जब आरोपियों ने उसका अपहरण किया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी युवती के मायके के पास रहते हैं और यह मामला निजी दुश्मनी का बताया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि युवती और आरोपियों के परिवार का एक लड़का दोस्त थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लड़के ने पिछले साल नवंबर में आत्महत्या कर ली थी और उसका परिवार अब युवती को इसका जिम्मेदार ठहरा रहा है। उनका आरोप है कि लड़की के कारण ही लड़के ने आत्मघाती कदम उठाया। उससे बदला लेने के लिए उन्होंने कथित तौर पर लड़की को अगवा किया। वे उसे सबक सिखाना चाहते थे।

पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) आर. सत्यसुन्दरम ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है।

चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है जो एक ही परिवार के हैं। पीड़िता की काउंसलिंग की जा रही है।

वायरल वीडियो

घटना से संबंधित कथित वीडियो में युवती को सड़क पर लोगों के साथ चलते देखा जा सकता है। वीडियो में कुछ महिलाएं युवती को अपशब्द कह रही हैं और कुछ लोग पीछे से सीटी बजा रहे हैं।

पीड़िता को कॉउंसलिंग के लिए भेजा: डीसीपी

डीसीपी सत्यसुंदरम ने कहा के दोनों पक्षों की ओर से लगाए गए आरोपों की पड़ताल की जा रही है और जांच जारी है। डीसीपी ने ट्वीट किया, शाहदरा जिले में निजी दुश्मनी के चलते एक महिला के यौन शोषण की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। अधिकारी ने कहा, एक युवती को सड़क पर घुमाने और उसके साथ मारपीट कर रहे कुछ लोगों के बारे में सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पुलिस की टीम भेजी गई। युवती को जबरन जूते चप्पल की माला पहनाई गई थी और उसके मुंह पर कालिख पुती थी। युवती को बचाया, उसे थाने लेकर गए जहां उसकी कॉउंसलिंग की जा रही है।

यह बेहद शर्मनाक है। अपराधियों की इतनी हिम्मत हो कैसे गई? केंद्रीय गृहमंत्री और उपराज्यपाल से मैं आग्रह करता हूं कि पुलिस को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दें, कानून व्यवस्था पर ध्यान दें। दिल्लीवासी इस तरह के जघन्य अपराध और अपराधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। **-अरविंद केजरीवाल**

20 वर्षीय महिला पर बर्बर हमले पर डीसीपी शाहदरा से बात की है, कुछ गिरफ्तारियों की गई हैं और आगे भी होंगी। विश्वास दिलाता हूं कि इन जानवरों (पुरुषों और महिलाओं) को बख्शा नहीं जाएगा, उत्तरजीवी को हर तरह की सहायता प्रदान की जाएगी। **-गौतम गंभीर सांसद**

युवती को चिकित्सकीय सहायता भी दी जा रही है। इस संबंध में कड़ी कार्रवाई करने के लिए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया गया है। युवती को सड़क पर घुमाने के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आयोग ने नोटिस जारी किया। सब अपराधी महिला पुरुषों को गिरफ्तार किया जाए और लड़की और उसके परिवार को सुरक्षा दी जाए। युवती से मुलाकात की, उसके पूरे शरीर पर घाव हैं। **- स्वाति मालिवाल**

राजधानी में धूप खिली ठिठुरन से निजात नहीं

- वायु गुणवत्ता अभी भी खराब श्रेणी में दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार को मौसम सर्द रहने के साथ ही न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 6.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, शहर में पिछले तीन-चार दिन से बारिश होने, कोहरा छाने और धूप कम निकलने के कारण मौसम काफी सर्द है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दिल्ली में मंगलवार को जनवरी का सबसे ठंडा दिन था। अधिकतम तापमान सामान्य से 10 डिग्री कम 12.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इससे पहले, तीन जनवरी 2013 को अधिकतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस रहा था। मंगलवार को लगातार दूसरे दिन अत्यधिक ठंडा दिन रहा, जबकि बुधवार को इसमें कुछ कमी आने से ठंडा दिन रहा। आईएमडी के अनुसार, दिन में न्यूनतम तापमान के 10 डिग्री सेल्सियस से कम होने और अधिकतम तापमान के सामान्य से कम से कम 4.5 डिग्री सेल्सियस कम होने पर उसे ठंडा दिन माना जाता है। अधिकतम तापमान के सामान्य से कम से कम 6.5 डिग्री कम होने पर उसे अत्यधिक ठंडा दिन माना जाता है। आईएमडी के अनुसार दिन में आमतौर पर आसमान साफ रहा।

बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहा है। बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से छह डिग्री कम 16.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। विभाग के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे हवा में नमी का स्तर 97 प्रतिशत रहा।

सरकारी स्कूलों के 20,000 क्लास रूम में लगेंगे स्मार्ट बोर्ड

- पढ़ाई को रोचक बनाने के साथ ही बच्चों को बेहतर ढंग से सीखने में करेंगे मदद : सिसोदिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सरकारी स्कूलों के छात्र भी अब अत्याधुनिक स्मार्ट बोर्ड से पढ़ाई करेंगे। दिल्ली सरकार हर बच्चों को बेहतर शिक्षा मुहैया कराने के मकसद से सरकारी स्कूलों में बनाए गए 20 हजार से अधिक क्लास रूम में स्मार्ट बोर्ड लगाने की योजना बना रही है।

इसकी शुरुआत बृहस्पतिवार को शंकराचार्य मार्ग स्थित शहीद अमीर चंद सर्वोदय विद्यालय से भी की है। इस स्कूल के 16 क्लास रूम में स्मार्ट बोर्ड लगाकर उन्हें स्मार्ट क्लास रूम में तब्दील किया गया है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने इस स्कूल का दौरा कर इसका जायजा लिया और स्मार्ट बोर्ड की कार्य प्रणाली को समझा। मनीष सिसोदिया ने कहा कि यह सभी स्मार्ट बोर्ड अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं, जो न केवल टीचिंग-लर्निंग प्रक्रिया को रोचक व आनंदमय बनायेंगे, बल्कि बच्चों को बेहतर ढंग से सीखने में मदद भी करेंगे। साथ ही हैंड्स-ऑन लर्निंग को बढ़ावा देंगे। इसके माध्यम से टेक्नोलॉजी के इंटीग्रेशन के साथ-साथ बच्चों को सभी ऑनलाइन लर्निंग रिसोर्स तक पहुँच होगी। कुछ क्लास रूम में रिकॉर्डिंग के लिए आधुनिक कैमरा भी लगाए जाएंगे। ताकि क्लास की लाइव रिकॉर्डिंग की जा सके। पिछले कुछ सालों में सरकारी स्कूलों में 20 हजार से ज्यादा नए कमरों का निर्माण किया गया है। चरणबद्ध तरीके से इन सभी क्लास रूम को स्मार्ट क्लास रूम में तब्दील किया जाएगा। जो क्लास रूम निर्माणाधीन हैं, उन्हें भी निर्माण कार्य पूरा होने के बाद स्मार्ट बोर्ड से लैस किया जाएगा। सभी शिक्षक स्मार्ट बोर्ड का बेहतर ढंग से प्रयोग कर सकें, इसके लिए उनको विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि पिछले 5-6 सालों में स्कूलों का इंफ्रास्ट्रक्चर विश्वस्तरीय हो गया है। पहले जहाँ स्कूलों में बेंच और ब्लैक-बोर्ड तक नदारद थे, आज उन स्कूलों को स्मार्ट बना दिया गया है। बाबा साहब का सपना था कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले। इसी सपने को पूरा करते हुए, स्कूलों में पढ़ने वाले एक-एक बच्चे को शानदार शिक्षा देना है और हम प्रतिबद्धता के साथ इस दिशा में काम कर रहे हैं।

निगम के दो शिफ्ट वाले 29 स्कूलों की सिर्फ सुबह में होगी पढ़ाई

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने अपने अधीन आने वाले दो शिफ्ट वाले 29 विद्यालयों को मर्ज कर सुबह की शिफ्ट में चलाने का निर्णय किया है। इन विद्यालयों में सुबह की शिफ्ट में छात्राएं एवम शाम की शिफ्ट में छात्र पढ़ते थे। अब इनके सुबह की शिफ्ट में संचालित होने के बाद ये विद्यालय को-एड हो जायेंगे, जिनमे छात्र-छात्राएं साथ साथ अध्ययन करेंगे। उच्च न्यायालय ने 2011 के अपने आदेश शाम की शिफ्ट में संचालित विद्यालयों को छात्रों के लिए उचित नहीं मानते हुए विद्यालयों को सुबह की शिफ्ट में चलाने पर बल दिया है।

93000 नए छात्रों का नामांकन

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के 568 विद्यालयों में वर्तमान सत्र में 93000 नए छात्रों का नामांकन हुआ है। उपरोक्त 29 विद्यालयों को 1 अप्रैल 2022 से सुबह की एक शिफ्ट में को-एड विद्यालय के रूप में संचालित किया जाएगा। निगम शिक्षा समिति की अध्यक्ष नीतिका शर्मा ने बताया कि बच्चों को दोपहर की गर्मी में विद्यालय जाना और पढ़ाई करना सुविधाजनक नहीं होता है। सुबह की शिफ्ट के बच्चो का शिक्षा के क्षेत्र में प्रदर्शन शाम की शिफ्ट के छात्रों की तुलना में बेहतर होता है। सुबह की शिफ्ट में विद्यार्थी अध्ययन पर अच्छे से ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।

64% मौतें बिना टीका-गंभीर बीमारियों वाले मरीजों की

- जिन लोगों ने टीका नहीं लगवाया वे जल्द वैक्सीनेशन कराएं : डॉ. सिंह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 से करीब 64 फीसदी मौतें ऐसे लोगों की हुई है जिन्होंने वैक्सीन की खुराक नहीं ली थी। साथ ही अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे।

कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए सरकार ने टीकाकरण को कोरोना वायरस के खिलाफ सबसे महत्वपूर्ण हथियारों में से एक करार दिया है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के निदेशक डॉ. एस के सिंह ने कहा कि बिना टीका वाले एवं अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोग उच्च जोखिम समूह में आते हैं। इसलिए, ऐसे लोगों को जल्द वैक्सीनेशन कराना चाहिए। डॉ. एस के सिंह ने कोविड-19 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि जितनी मौतें हुई हैं उनमें 64 फीसद उन लोगों के बीच हुई जिन्होंने टीका नहीं लगवाया है और जिन्हें अन्य गंभीर बीमारियां हैं। इसलिए जिन लोगों ने टीका नहीं करवाया और जिन्हें अन्य गंभीर बीमारियां हैं, वे ही उच्च जोखिम समूह में आते हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने टीकाकरण को कोविड-19 के विरुद्ध सबसे महत्वपूर्ण हथियारों में से एक बताया। भार्गव ने उन राज्यों से टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाने की अपील की जहां टीकाकरण की दर कम है। वह देश में 95 प्रतिशत पहली खुराक तक और वयस्कों के बीच 74 फीसद पूर्ण टीकाकरण तक पहुंच गये हैं।

24 घंटे में 4291 नए मामले

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण का ग्राफी तेजी से नीचे आ रहा है। चौबीस घंटे में 4291 नए मामले आए हैं। संक्रमण दर भी गिरकर दस फीसदी के नीचे यानी 9.56 फीसदी पर पहुंच गई। दुःखद बात यह है कि इस दौरान 34 और मरीजों की मौत भी है।

'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' के विज्ञापनों पर 10.46 करोड़ खर्च

- आरटीआई में दो साल में हुए खर्च की दी गईं जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने पिछले दो वर्ष में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान से संबंधित विज्ञापनों पर 10.46 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। एक आरटीआई से यह जानकारी मिली। दिल्ली सरकार द्वारा 16 अक्टूबर 2020 को शुरू किए गए अभियान के तहत, चालकों को लाल बत्ती पर अपने वाहनों को बंद करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। सामाजिक कार्यकर्ता अमित गुप्ता द्वारा दायर सूचना का अधिकार (आरटीआई) आवेदन के तहत प्राप्त जवाब के अनुसार, दिल्ली सरकार ने वर्ष 2020-21 में अभियान से जुड़े विज्ञापनों पर 10.46 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। शहर सरकार की विज्ञापन एजेंसी 'शब्दार्थ' के अनुसार, उनसे वर्ष 2021-22 में अभियान से संबंधित विज्ञापनों पर हुए खर्च के संबंध में कोई जानकारी नहीं मांगी गई।

संक्षिप्त समाचार

परेड समारोह में वंदे भारतम सांस्कृतिक नृत्य उत्सव में हिस्सा लेते छात्र।

विवेक कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने परेड में लिया भाग

नई दिल्ली। विवेक कॉलेज ऑफ कॉमर्स, गोरेगांव, मुंबई के लिए 26 जनवरी 2022 का दिन ऐतिहासिक रहा। विवेक कॉलेज ऑफ कॉमर्स मुंबई टीम ने महाराष्ट्र प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए 26 जनवरी 2022 के दिन नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड समारोह में वंदे भारतम सांस्कृतिक नृत्य उत्सव में हिस्सा लिया। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, अनेकों कैबिनेट मंत्रियों के साथ-साथ वहां पर उपस्थित हजारों गणमान्य लोगों ने वंदे भारतम नृत्य प्रस्तुति की सराहना की तथा देश-विदेश के करोड़ों लोगों ने दूरदर्शन के माध्यम से इस सांस्कृतिक प्रस्तुति का सजीव प्रसारण देखा। विवेक कॉलेज की टीम संस्कृति और रक्षा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 75वें अमृत महोत्सव के राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया था और महाराष्ट्र प्रदेश से विजयी होने के पश्चात नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम वंदे भारतम में सम्मिलित होने का गौरव प्राप्त किया।

पश्चाताप के रूप में श्री अखंड पाठ साहिब के भोग डाले गए

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा अंतरिम बोर्ड के चुनाव के समय जनरल हाउस में श्रीगुरु ग्रंथ साहिब जी का सरना बंधुओं व मनजीत सिंह के गुट द्वारा निरादर करने के मामले में गुरुवार को पश्चाताप के रूप में रकाबगंज साहिब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के अखंड पाठ साहिब के भोग डाले गए। इस अवसर पर सरदार हरमीत सिंह कालका व महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि जनरल हाउस में सरना बंधुओं ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब की मौजूदगी में गालियां निकाली तथा अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कर हुड़दंगबाज़ी अपमान किया था। लेकिन प्रबंधक होने के नाते हमने पश्चाताप के रूप में श्री अखंड पाठ साहिब रखवाये गये जिनके आज भोग डाले गये। इस मौके पर समागम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरविंदर सिंह के.पी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष आत्मा सिंह लुबाणा, संयुक्त सचिव जसमेन सिंह नोनी सहित कमेटी की कार्यकारिणी टीम के सदस्य व अन्य संगत बड़ी संख्या में मौजूद रही।

मुफ्त यूनानी जांच चिकित्सा शिविर का आयोजन

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस अवसर पर ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस दिल्ली प्रदेश और अल्लामा रफीक ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में सुई वाला स्थित समुदाय भवन में मुफ्त यूनानी जांच चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मोहम्मद ओवैस और गुलजार अहमद को सम्मानित भी किया गया। ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस के मानद महासचिव डॉ सैयद अहमद खान ने कहा कि शिविर में बड़ी तादाद में लोगों ने हिस्सा लिया। सीसी आरयूएम के पूर्व उपनिदेशक डॉ जकाउद्दीन ने कहा कि यूनानी चिकित्सा पद्धति में लोगों का बहुत अधिक विश्वास है। अल्लामा रफीक ट्रस्ट के अध्यक्ष मकसूद अहमद और उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शिविर में डॉक्टर हबीबुल्लाह, डॉक्टर अब्दुल कादिर, हकीम अतउर्रहमान अजमल, हकीम मोहम्मद नौशाद, हकीम मुर्तजा देहलवी, हकीम जस्सी बाजवा आदि ने मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें मुफ्त दवाएं दी हैं।

गोगी हत्या मामले में वांटेड नीरज बवाना का शूटर नवीन गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कुख्यात गैंगस्टर नवीन उर्फ भांजा उर्फ विक्की को गिर तार किया है। पिछले साल रोहिणी कोर्ट शूटआउट में मारे गए गैंगस्टर जितेंद्र गोगी की हत्या के मामले में नवीन मु य आरोपी है।

वारदात के बाद विक्की पर 50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। वह हत्या, डकैती, फिरौती कई मामलों में शामिल रहा है। पुलिस उपायुक्त संजीव यादव के मुताबिक स्पेशल सेल को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि नीरज बवानिया गैंग का गैंगस्टर और शार्प शूटर नवीन उर्फ भांजा उर्फ विक्की 22 जनवरी की देर रात को मेरठ-मुज फरनगर टोल गेट पर आने वाला है। नवीन के खिलाफ हत्या, डकैती, फिरौती के कई मामलें पहले से दर्ज हैं। पुलिस ने जाल बिछाया, मुज्फरनगर नगर की तरफ से आ रही कार रोकी तो उन्हेंने फायरिंग की।

बीटिंग रिट्रीट समारोह में एक हजार ड्रोन बढ़ाएंगे शोभा

नई दिल्ली। विजय चौक पर होने वाला बीटिंग रिट्रीट समारोह इस बार काफी खास और अद्भुत होगा। 29 जनवरी को इस बार 1000 ड्रोन 10 मिनट के लिए आसमान की शोभा बढ़ाएंगे। इस तरह का शो संचालित करने वाला भारत चौथा देश होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा समर्थित और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में निर्मित एक स्टार्ट-अप यह ड्रोन शो संचालित करेगा। चीन, रूस और ब्रिटेन के बाद 1,000 ड्रोन के साथ इतने बड़े पैमाने पर शो आयोजित करने वाला भारत चौथा देश होगा।

राजपथ का सुंदर नजारा। फोटो रंजन डिमरी

राजधानी में 75 जगहों पर लहराया 115 फुट तिरंगा

सीएम अरविंद केजरीवाल ने तिमारपुर क्रॉसिंग, रिंग रोड पर रिमोट से किया ध्वजारोहण

- विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्र में झंडा फहराया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव में दिल्ली में 115 फुट ऊंचे और 75 तिरंगा गुरुवार को लहराने के साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की शान बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तिमारपुर विधानसभा क्षेत्र में 115 फीट ऊंचा तिरंगा फहराया। तिमारपुर विधानसभा क्षेत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर के पास आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि स्वतंत्रता के 75वें वर्ष को चिह्नित करने के लिए दिल्ली में इतने ऊंचे ध्वज-स्तंभों पर 75 तिरंगे लगाए गए हैं। केजरीवाल ने कहा कि यह देश के लिए गर्व की बात है कि हमारी आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में आज दिल्ली में 115 फीट ऊंचे ध्वज-स्तंभों पर 75 तिरंगे लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसे 500 तिरंगे लगाने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे बताया गया है कि किसी भी शहर में इतने ऊंचे स्तंभों पर इतनी संख्या में तिरंगे नहीं लगाए गए हैं। हम पता लगाएंगे कि क्या इसे 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज किया जा सकता है। ऊंचे ध्वज-स्तंभों पर ये तिरंगे सार्वजनिक स्थानों जैसे पार्क, बड़े सामुदायिक भवनों, बाजार परिसरों, आवासीय परिसरों, मैदानों, सड़क के चौराहों आदि पर लगाए जा रहे हैं।

इनमें से कुछ ध्वज एम्स गोल चक्कर, सिग्नेचर ब्रिज के पास, धौला कुआं एन्क्लेव-2, माल रोड, आउटर रिंग रोड, पीतमपुरा, दिल्ली छावनी, राजीव गांधी स्टेडियम, आजादपुर मेट्रो स्टेशन के पास आदि स्थानों पर लगाए गए हैं। लोक कल्याण विभाग ने 15 अगस्त, 2021 तक शहर में पांच स्थानों पूर्वी किदवई नगर, रानी बाग, पूर्वी विनोद नगर, कालकाजी और द्वारका में ऐसे उच्च ध्वज-स्तंभों पर तिरंगे लगाए थे। शहर में अब ऐसे 80 ध्वज-स्तंभों पर तिरंगे लगे हैं। प्रत्येक नागरिक जब काम के लिए बाहर निकले तो दिन में दो से तीन बार राष्ट्रीय ध्वज उन्हें दिखाई दे। कई बार, हम अपने दैनिक जीवन में इस हद तक उलझ जाते हैं कि हम अपने देश और समाज को भूल जाते हैं।

दिल्ली बजट में की गई थी घोषणा

दिल्ली सरकार ने पिछले साल मार्च में देशभक्ति पर आधारित अपने वार्षिक बजट की घोषणा की थी और उसे देशभक्ति बजट नाम दिया था, 500 स्थानों पर ऊंचे ध्वज-स्तंभों पर राष्ट्रीय ध्वज लगाने के लिए 45 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया था। पिछले साल सितंबर में सरकार ने इस परियोजना के लिए बजट को बढ़ाकर 104.37 करोड़ कर दिया था।

कालकाजी कंपोस्टिंग साइट पर 15 मिट्रिक टन गीले कूड़े का निपटारा

नई दिल्ली। दक्षिणी निगम कालकाजी कंपोस्टिंग साइट का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है। कालकाजी कंपोस्टिंग साइट दिल्ली की सबसे बड़ी कंपोस्टिंग साइट में से एक है। कालकाजी कंपोस्टिंग साइट पर 50 वायरमेश कंपोस्टर द्वारा प्रतिदिन 15 मिट्रिक टन गीले कूड़े का निष्पादन होता है। इन वायरमेश कंपोस्ट बॉक्स द्वारा जैविक खाद बनाई जाती है। कंपोस्ट साइट से उत्पादित जैविक खाद का उपयोग दक्षिणी निगम के विभिन्न विद्यालयों, पार्कों, नर्सरियों, और आरडब्ल्यू में भी किया जा रहा है। कालकाजी कंपोस्टिंग साइट में स्रोत पर ही कूड़े का पृथक्करण होता है जिससे लैंडफिल साइट पर कम कचरा जाता है। कंपोस्ट साइट को मिट्टी और भूजल में लीचेट के प्रवेश को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है।

गणतंत्र दिवस पर प्रधानाचार्य राजेश मित्तल सम्मानित

शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्यों पर परिवहन मंत्री ने दिया सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में गणतंत्र दिवस समारोह में प्रधानाचार्य राजेश कुमार मित्तल को सम्मानित करते परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा।

जिले के बास पदमका गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य को गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने उनके द्वारा किए गए कार्यों पर उनको बधाई दी।

बतौर प्रधानाचार्य राजेश कुमार मित्तल ने शिक्षा के क्षेत्र में, लीगल लिटरेसी कार्यक्रमों के साथ कोरोना काल में बेहतरीन कार्य किए हैं। सरकारी स्कूल में शिक्षा के गुणवत्ता में सुधार के लिए श्री मित्तल सदैव प्रयासरत रहते हैं। प्रधानाचार्य राजेश कुमार मित्तल ने बातचीत में कहा कि बच्चों में शिक्षा और संस्कार का समावेश करके उन्हें देश-समाज में जिम्मेदारी नागरिक बनाना ही हम सबकी जिम्मेदारी होनी चाहिए। हमें शिक्षा की नींव को मजबूत करना चाहिए, ताकि आगे की इमारत मजबूत बनें। उन्होंने कहा कि यह हम सबका कर्तव्य है कि हम अपने बच्चों की तरह स्कूलों में आने वाले हर बच्चे को अच्छी शिक्षा दें। उनका हर शिक्षक से यही कहना है कि उनका शिक्षक होना तभी साकार हो सकता है, जब उनसे शिक्षा लेने वाले बच्चे जीवन में कामयाब हों। कमजोर बच्चों को भी मुख्यधारा में लाकर उन्हें कामयाब बनाने में हमें कोई कमी नहीं छोड़नी चाहिए। अपने अधीन शिक्षकों को सदैव उनकी यही प्रेरणा रहती है कि वे बच्चों को पूरी जिम्मेदारी के साथ पढ़ाएं। कोरोना महामारी काल में वर्चुअली पढ़ाई कराने में भी राजेश कुमार मित्तल ने पूरी तैयारी के साथ काम किया। इसके साथ ही विद्यार्थियों को कानूनी जागरुकता के बारे में भी सदैव जागरुक किया है।

12 मार्च को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

गुरुग्राम। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 12 मार्च को जिला गुरुग्राम में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। वादकारी उपरोक्त अदालत में सुलह समझौते के लिए स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने केसों का निस्तारण करा सकते हैं।

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव ललिता पटवर्धन ने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 12 मार्च को जिला गुरुग्राम में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में सभी तरह के सुलहनीय मामलों का समझौता के आधार पर निष्पादन किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन से संबंधित मामले, मोटर एक्सीडेंट, एनआईएक्ट, फौजदारी, रेवेन्यू, वैवाहिक विवाद का निपटारा किया जाएगा।

देश के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनें: यादव

गुरुग्राम की पिरामीड सोसायटी में गणतंत्र दिवस समारोह में बोलते पंचायती राज प्रकोष्ठ भाजपा के जिला संयोजक सुंदर लाल यादव।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गांव सिकंदरपुर के राजकीय उच्च विद्यालय सिकंदरपुर बढ़ा व पिरामीड अर्बन होम-2 सोसायटी सेक्टर-86 में गणतंत्र दिवस समारोह में पंचायती राज प्रकोष्ठ भाजपा के जिला संयोजक सुंदर लाल यादव ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर सतप्रकाश यादव, राहुल सोनी, सूबेदार धर्म सिंह, संदीप यादव, प्रीतम चौहान, ईश्वर यादव, सतीश डाबोदा, धर्मबीर यादव, राजेश यादव आदि उपस्थित रहे।

समारोह में अपने संबोधन में सुंदर लाल यादव ने कहा कि आज ही के दिन हमारा भारत एक गणतंत्र देश बना था और संविधान लागू हुआ था। सुबह 10:18 बजे गणतंत्र बनने के बाद 10:24 बजे डा. राजेंद्र प्रसाद ने भारत के पहले राष्ट्रपति की शपथ ली थी।

उन्होंने कहा कि हम सबको अपने देश के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनना है। हमें समाज, देश सेवा में सदैव आगे रहना चाहिए। देश हमें सब कुछ देता है, हमें भी देश को कुछ देना चाहिए। श्री यादव ने कहा कि समाज के हर नागरिक को अपनी भावी पीढ़ियों को देश के लिए सकारात्मक काम करने की प्रेरणा देनी चाहिए। स्कूल के शिक्षकों से उन्होंने अनुरोध किया कि उनके जिम्मे बच्चों को शिक्षित करने अच्छे नागरिक बनाने का कार्यभार है।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम विवि में कुलपति ने फहराया तिरंगा

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह में एनसीसी कैडेट्स व स्टाफ के साथ कुलपति।

गुरुग्राम। 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर गुरुग्राम विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। साथ ही सुरक्षा कर्मियों, एनएसएस, एनसीसी कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट की सलामी ली। गणत्रंत दिवस समारोह का शुभारंभ राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। कुलपति दिनेश कुमार ने सभी छात्रों और कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने एकल व सामूहिक गीत गाकर देश प्रेम की भावना व्यक्त की। छात्रा उर्वशी और करिश्मा के देशभक्ति गीतों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कुलपति दिनेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस हमारी शान और हमारा गर्व है। भारत को 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिली थी, लेकिन तब देश के पास अपना कोई संविधान नहीं था। 26 जनवरी 1950 को हमारे देश को अपना संविधान मिला और इस प्रकार हमारा देश संसदीय रूप के साथ लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में सामने आया। उन्होंने देश के अमर बलिदानियों को याद करते हुए कहा कि युवाओं को महान स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने हमें आजादी का उपहार दिया और साथ ही, ऐसे संविधान का निर्माण किया, जो हमें धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और गणतंत्र के रूप में कार्य करने में मार्गदर्शन करता है।

पातली गांव के स्कूल में बेटी इशा ने फहराया तिरंगा

गांव पातली के रावमावि में गणतंत्र दिवस समारोह में अतिथियों का स्वागत करती प्राचार्या।

गुरुग्राम। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पातली स्टेशन प्रांगण में 73वां गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस समारोह की अध्यक्षता प्राचार्या सुशीला धनखड़ ने की। यह समारोह राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पातली, राजकीय प्राथमिक विद्यालय पातली व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पातली स्टेशन ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर हाजीपुर के सरपंच धर्मपाल, पातली के सरपंच पति सतबीर धनखड़, श्याम समिति के सदस्य नंबरदार व अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। गांव की बेटी इशा पुत्र प्रदीप ने ध्वजारोहण किया। ज्योति पुत्री दिनेश ने भी सहभागिता की। विद्यालय की प्राचार्या सुशीला धनखड़ ने सभी मौजिज व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। उन्होंने अनुरोध किया कि गांव के इस विद्यालय की तरक्की, प्रगति में सभी का सहयोग जरूरी है। इस अवसर पर समस्त स्टाफ व कर्मचारी मौजूद रहे। प्रवक्ता विनोद कुमार ने विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर सुरेश, सुनील कुमार, राजकुमार, सरिता, सुनीता, सुमन, रेनू, बिजेंद्र, मुख्याध्यापक जितेंद्र, संदीप, ओमप्रकाश शास्त्री, सभ्यता, अनिल कुमार, संजय भारद्वाज, रामबीर, सीमा, संजय कुमार, पवन कुमार आदि उपस्थित रहे। समारोह में सभी बच्चों को वर्चुअल तरीके से जोड़ा गया।

जनजागरुकता के लिए परिवर्तन-एक प्रयास सम्मानित

परिवर्तन एक प्रयास संस्था के सदस्यों को सम्मानित करते परिवहन मंत्री।

गुरुग्राम। पिछले कई वर्षों लगातार देशहित में प्रयास कर रही संस्था परिवर्तन-एक प्रयास को गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने सम्मानित किया। लगातार दूसरी बार उन्हें यह सम्मान मिला है। संस्था की चेयरपर्सन रितु कटारिया ने बताया कि उनकी संस्था कई वर्षों से लगातार समाज मे सकारत्मक योगदान दे रही है। भाविका हिंदुस्तानी और पार्थ हिंदुस्तानी ने बताया कि वे लगातार पिछले 3-4 सालों से जनता को सड़क सुरक्षा, स्वच्छता को लेकर जागरुक करते आ रहे हैं। साथ वे अपने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से चुनाव जागरूकता और प्रशासन को भी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हैं। परिवर्तन-एक प्रयास के संस्थापक धर्मवीर हिंदुस्तानी ने बताया कि वे 2008 से लगातार देशहित में प्रयासरत है। उन्हें पहले ही गुरुग्राम प्रशासन सम्मानित कर चुका है व अन्य बहुत सी संस्थाओं द्वारा उन्हें और उनके ट्रस्ट को सम्मानित किया जा चुका है। ट्रस्ट में सभी सदस्य राहुल भारद्वाज, अंकित सिंह, राजेश बोहरा, नमन भारद्वाज, कमलजीत कटारिया व अन्य महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

डाकघर से सेवानिवृत हुए सुखवीर को किया सम्मानित

गुरुग्राम के सिकंदरपुर बढ़ा गांव के डाकघर से सेवानिवृत सुखवीर सिंह को सम्मानित करते सुंदर लाल यादव सरपंच सिकंदरपुर व अन्य ग्रामीण।

गुरुग्राम। पिछले 39 वर्षों से लगातार गांव सिकंदरपुर बढ़ा के डाकघर में कार्य करने वाले सुखवीर सिंह सेवानिवृत हो गए। गांव के पंचायत घर में पूरे गांव के मौजिज लोगों ने मिलकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर सुंदर लाल यादव सरपंच सिकंदरपुर, महेश राघव सरपंच बढ़ा, रोहतास यादव, अजीत यादव, सुंदरलाल, मीर सिंह यादव, ओमप्रकाश मेम्बर सहित दोनों गांव के गणमान्य लोगों ने बताया कि वर्ष 1982 से लेकर अभी तक सुखबीर सिंह ने लगातार सिकंदरपुर बढ़ा डाकघर के अंतर्गत आने वाले गांव सिकंदरपुर बढ़ा नवादा बामडोली सिही और नए गुरुग्राम के कुछ सेक्टर्स में बहुत बेहतरीन कार्य किया।

श्रीगणेश अपार्टमेंट में मनाया गणतंत्र दिवस समारोह

लक्ष्मण विहार स्थित श्रीगणेश अपार्टमेंट में गणतंत्र दिवस समारोह में कपड़े के थैले उपयोग करने का आह्वान करते नवीन गोयल।

गुरुग्राम। श्रीराम सोसाइटी लक्ष्मण विहार के श्रीगणेश अपार्टमेंट में धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। सभी परिवारों ने एकता के साथ 73वें गणतंत्र दिवस में शिरकत की।

इस अवसर पर अतिथि के रूप में पहुंचे पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने कहा कि गणतंत्र दिवस स्वाधीनता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान का स्मरण कराता है। यह राष्ट्रीय पर्व हमें आत्मचिंतन करने तथा महान देशभक्तों के सपनों एवं लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध होने का अवसर प्रदान करता है। नो प्लास्टिक अभियान के तहत उन्होंने लोगों को कपड़े के थैले आवंटित किए। उन्होंने लोगों से निवेदन किया कि इन थैलों को अपने दैनिक कार्यों में उपयोग करें और प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग बंद करें।

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डा. अश्वनी कालरा सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए बिजली निगम के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अश्वनी कालरा को सम्मानित करते परिवहन मंत्री।

हरियाणा बिजली निगमो के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अश्वनी कालरा को गणतंत्र दिवस समारोह में परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने सम्मानित किया गया।

हरियाणा बिजली निगमों के महरौली रोड पावर हाउस स्थित स्वास्थ्य केंद्र (हेल्थ सेंटर) के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अश्वनी कालरा को ताऊ देवी लाल स्टेडियम में संपन्न हुए। उन्होंने कोरोना के दौरान गुरुग्राम में बिजली निगमों के लगभग 2200 कार्यरत व सेवानिवृत कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं दी। कोरोना से बचाव के उपायों को अपनाने एवं कर्मचारियों के उत्साहवर्धन में योगदान दिया। उन्होंने निरंतर कर्मचारियों से संपर्क बनाए रखा और जरूरत अनुसार सभी को कोरोना काल में ऑक्सीजन, एंबुलेंस उपलब्ध करवाने में सहयोग दिया। डॉ. कॉलरा 24 घंटे डिजिटल माध्यम से भी कर्मचारियों के संपर्क में रहे।

रेडक्रॉस सोसायटी के साथ जुड़ें संस्थाएं: डा. यश गर्ग

गुरुग्राम। विराज कदम संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर द्वारा डोनाल्डसन इण्डिया फिल्टर सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड की ओर से कम्बल , सर्जिकल मास्क एवं एन-95 मास्क तथा सैनेटाइजर उपायुक्त एवं रेडक्रॉस सोसायटी के प्रधान डा. यश गर्ग को भेंट किए गए।

डा.गर्ग के द्वारा कम्बल गरीब, जरूरतमंद को ठंड से बचाव के लिए तथा मास्क व सैनिटाइजर महामारी से बचाव के लिए जरूरतमंद लोगों में वितरित करने के लिए दिए गए है। उन्होंने उपायुक्त को बुके भेंट कर जरूरतमंदों के लिए ये सामग्री प्रदान की। उपायुक्त ने डोनाल्डसन इण्डिया फिल्टर सिस्टम प्राइवेट लि. का आभार व्यक्त किया।

ऑस्ट्रेलिया के ब्लैकमोर्स ने डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनरशिप की घोषणा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया स्थित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पसंद की जाने वाली प्राकृतिक स्वास्थ्य और आहार पूरक कंपनी, ब्लैकमोर्स ने आज भारत में अपने मल्टीविटामिंस प्रोडक्ट्स की श्रृंखला के लिए डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनरशिप (वितरण साझेदारी) की घोषणा की। इस पार्टनरशिप के रूप में ब्लैकमोर्स की प्रीमियम मल्टीविटामिंस प्रोडक्ट्स की रेंज भारत के सबसे बड़े बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म 'उड़ान' के माध्यम से भारत में स्वतंत्र फार्मेसियों के लिए उपलब्ध होगी।

ब्लैकमोर्स, जो पहले से ही एशिया-पैसिफिक में 12 अन्य बाजारों में कार्यरत है, के लिए भारत एक फोकस ग्रोथ मार्केट है। यह वर्ष 2025 तक 100 करोड़ उपभोक्ताओं को प्रकृति की उपचार शक्ति से रूबरू कराने की महत्वाकांक्षा लिए हुए है।

भारतीय उपभोक्ताओं के लिए शुरुआती लॉन्च प्रोडक्ट्स में हड्डियों की मजबूती और प्रतिरक्षा के लिए ब्लैकमोर्स शाइन पॉवरन् डी3, जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए ब्लैकमोर्स ग्लूकोसोग्रीन 1500, आंखों के स्वास्थ्य के लिए ब्लैकमोर्स ब्लू लाइट डिफेंस, हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए ब्लैकमोर्स बायो कैल्शियम और हृदय के स्वास्थ्य के लिए ब्लैकमोर्स सीओक्यू10 150उह शामिल हैं। आगामी महीनों में कंपनी अतिरिक्त अनुरूप और भी नए प्रोडक्ट्स पेश करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उड़ान प्लेटफॉर्म पर फार्मा श्रेणी स्वतंत्र फार्मेसियों को 25 से अधिक शहरों को जोड़ने वाले अपने व्यापक डिस्ट्रीब्यूशन फुटप्रिंट के माध्यम से ब्लैकमोर्स के प्रोडक्ट्स तक सहज पहुंच प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त, ब्लैकमोर्स इंस्टीट्यूट द्वारा फार्मासिस और मेडिकल स्टोर्स में प्रोडक्ट्स की जागरूकता बढ़ाने के लिए सेल्स टीम को प्रशिक्षित किया जाएगा।

ब्लैकमोर्स लिमिटेड की एकेडमिक और प्रोफेशनल शाखा, 'ब्लैकमोर्स इंस्टिट्यूट' को वर्ष 2012 में रिसर्च तथा एडुकेशन पर ध्यान देने की प्रतिबद्धता के साथ स्थापित किया गया था। इसकी टीम में रिसर्चर्स, एकेडमिक्स, हैल्थकेयर प्रोफेशनल्स और एजुकेटर्स आदि शामिल हैं, जो साक्ष्य-आधार को व्यावहारिक हैल्थकेयर एडुकेशन और रिसोर्सेज में अनुवाद करते हैं।

ब्लैकमोर्स ग्रुप के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर एलेस्टेयर सिमिंगटन ने कहा, ''ब्लैकमोर्स लोगों को प्रकृति की उपचार शक्ति से रूबरू कराने के लिए प्रतिबद्ध है। यह सुनिश्चित करने के लिए हम पोषक तत्वों से युक्त सामग्री चुनते हैं।

अपस्किलिंग की ग्लोबल मांग पूर्ति को अपग्रेड एडब्लूएस पर संचालित होगा

इस ग्लोबल एजुकेशन टेक्नॉलॉजी प्रदाता ने एडब्लूएस के साथ आठ महीनों में अपने लर्नर्स की संख्या दोगुनी बढ़ाकर दो मिलियन से ज्यादा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आज एमेजॉन.कॉम की कंपनी, एमेजॉन वेब सर्विसेस (एडब्लूएस) ने घोषणा की कि ग्लोबल उच्च शिक्षा टेक्नॉलॉजी (एडटेक) प्रदाता, अपग्रैड अब पूरी तरह से एडब्लूएस पर संचालित होगा। अपग्रैड ने अपने इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलॉजी (आईटी) इन्फ्रास्ट्रक्चर को दुनिया के अग्रणी क्लाउड में स्थापित कर दिया है, ताकि 100 से ज्यादा देशों में लोगों को ऑनलाईन लर्निंग प्रदान करने में मदद मिल सके। अपग्रेड एनालिटिक्स, सिक्योरिटी, एवं कंप्यूट सहित एडब्लूएस की क्षमताओं का विस्तृत व गहन उपयोग करेगा, ताकि अपस्किलिंग द्वारा लोगों के करियर का विकास हो तथा ज्यादा प्रशिक्षित एवं उत्पादक कार्यबल द्वारा आर्थिक वृद्धि हासिल करने में मदद मिले। एडब्लूएस के साथ अपग्रैड ने कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाईन शिक्षा की मांग को पूरा करने के लिए अपने लर्निंग के अनुभव का तेजी से विस्तार किया। कंपनी ने केवल आठ महीनों में ही अपने लर्नर्स की संख्या दोगुनी बढ़ाकर दो मिलियन से ज्यादा कर ली तथा इतने ही समय अंतराल की पिछली अवधि की तुलना में लर्नर्स द्वारा अपस्किलिंग के लिए इस प्लेटफॉर्म पर बिताए गए समय में चार गुना बढ़ोत्तरी हुई।

ऑनलाईन लर्निंग की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपग्रैड को, खासकर कोर्स रजिस्ट्रेशन एवं असाईनमेंट सबमिशन जैसी पीक अवधि में, दुनिया में अपनी सेवाओं का विस्तार कर एक सुगम, भरोसेमंद ग्राहक अनुभव प्रदान करने की जरूरत थी।

कंपनी को डेमोग्राफिक्स एवं कोर्स अपटेक सहित लर्नर डेटा का विश्लेषण करने के लिए मजबूत एनालिटिक्स क्षमताओं और लर्नर की सफलता के लिए व्यक्तिगत कॅरियर सेवाएं प्रदान करने की जरूरत थी। एडब्लूएस पर एक कस्टमाईजेबल एवं गहन लर्निंग सिस्टम का विकास करके, अपग्रैड नए लर्नर की जरूरतों को समझकर उन्हें सेवाएं देने, लर्नर द्वारा अपना पसंदीदा कोर्स तलाशकर उसके एनरोलमेंट में मदद करने, और फिर, ग्रेजुएशन के बाद, लर्नर के करियर का विकास करने के लिए इनोवेटिव डिजिटल सेवाओं द्वारा मदद देने में समर्थ बनेगा। लर्नर्स को समझने और गुणवत्तायुक्त कस्टमाईज्ड लर्निंग सामग्री प्रदान करने के लिए, अपग्रैड एमेजॉन रेडशिफ्ट का इस्तेमाल करता है। यह एक क्लाउड डेटा वेयरहाउस सेवा है।

खाद्य विविधता के विस्तार के लिए जीन एडिटिंग टेक्नॉलॉजी की उपलब्धता

डॉ. रत्ना कुमरिया, डायरेक्टर बायोटेक्नॉलॉजी - अलायंस फॉर एग्री इनोवेशन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कृषि, दुनिया की 45 फीसदी आबादी का न केवल मुख्य व्यवसाय है, बल्कि उन लोगों की आजीविका का एकमात्र साधन भी है। यह न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था का, बल्कि संस्कृति एवं परंपराओं का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। दुनिया को पहनने और खाने की सामग्री कृषि से ही मिलती है, लेकिन फिर भी अपने मौजूदा स्वरूप में यह एक स्थायी गतिविधि नहीं है।

दुनिया में 26 फीसदी उपजाऊ जमीन और 70 फीसदी ताजा जल का उपयोग कृषि के लिए होता है। ऐसा अनुमान है कि 2050 में भोजन और बायो ईंधन सहित आहार की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए दुनिया में कृषि उत्पादन को मौजूदा स्तर से 60 से 70 प्रतिशत ज्यादा बढ़ाना होगा। मौजूदा समय में, दुनिया की 55 फीसदी आबादी शहरी इलाकों में निवास करती है। 2050 तक यह आबादी बढ़कर 70 फीसदी हो जाएगी और खाद्य उत्पादन एवं उपभोग पर बड़ा असर डालेगी।

कृषि के लिए सबसे विनाशकारी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। अप्रत्याशित मौसम न केवल फसल की पैदावार को प्रभावित करता है, बल्कि इससे प्राकृतिक संसाधन भी सीमित हो जाते हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण उत्पन्न गर्मी, अस्थिर मौसम, सूखा, कठोर मौसम और बाढ़ के चलते पैदावार में अनुमानत: 5 फीसदी की कमी आई है। सघन खेती और खेती की खराब विधियों ने मिट्टी एवं जल निकायों की सेहत पर बुरा असर डाला है। पिछले 40 सालों में लगभग एक-तिहाई उपजाऊ जमीन को कटाव एवं मिट्टी की खराब होती सेहत का खतरा रहा है। प्राकृतिक परिवेशों के अविवेकपूर्ण विनाश ने कीटों और बीमारियों का दबाव बढ़ा दिया है। किसान एवं पौध उत्पादक खेती की अक्षय विधियों को अपनाकर एवं फसल के बीजों में सुधार करके इन समस्याओं को संबोधित कर रहे हैं, क्योंकि अक्षय तरीके से फसल की उत्पादकता में बढ़ोत्तरी करना ही खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने का एकमात्र रास्ता प्रतीत होता है। बीज की बेहतर किस्मों का विकास करने में लगने वाले समय के कारण पौध उत्पादकों को कई साल पहले ही संशोधित गुणों की योजना बनाने की जरूरत होती है। कृषि में मौजूदा एवं अपेक्षित संघर्षों द्वारा पौध उत्पादकों की दूरदर्शिता को गंभीर चुनौती मिल रही है। इसलिए वो गुणों में आवश्यक सुधार तीव्र गति से प्राप्त करने के लिए आधुनिक टेक्नॉलॉजी के साथ फसल के बारे में अपने गहरे ज्ञान पर भरोसा कर रहे हैं।

मिट्टी उठाकर एक आवाज ने मनाया गणतंत्र दिवस

भीम नगर चौक पर काफी समय से पड़ी मिट्टी उठाते एक आवाज संस्था के सदस्य।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कोई तिरंगे फहराकर गणतंत्र दिवस समारोह मना रहा था तो शहर की संस्था एक आवाज के सदस्य आमजन की समस्या का समाधान करके गणतंत्र दिवस पर जयकारे लगा रहे थे।

यहां भीम नगर चौक पर पिछले करीब तीन माह से सड़क के बीच काफी मात्रा में मिट्टी पड़ी थी। यहां बड़ी पाइप लाइन डाली गई थी, लेकिन मिट्टी को नहीं उठाया गया। आमजन के लिए यह मिट्टी काफी परेशान का सबब बन रही थी। इसके कारण रात के समय अक्सर दोपहिया वाहन चालक चोटिल होते थे। एक आवाज संस्था की ओर से कई बार शिकायत भी की, लेकिन अधिकारियों ने इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया।

इस मिट्टी को उठाने में कोई जहमत नहीं उठाई। एक आवाज संस्था की ओर से गणतंत्र दिवस के अवसर पर इस मिट्टी को उठाया और दूसरी जगह गड्ढों में डाला गया। पूरी सफाई करने के बाद सदस्यों ने तिरंगा भी वहां फहराया।

सोशल और गेमिंग ऐप का है क्रेज तो डाउनलोड करें डब्ल्यूएएफ मोबाइल ऐप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अगर आपको सोशल गेमिंग ऐप पसंद है तो वफा ऐप आपके लिए शानदार विकल्प है। यह एक ऑनलाइन कम्युनिटी है, जिसमें आपको वॉयस चौट, ऑनलाइन लूडो गेमिंग जैसी सुविधाएं मिलती हैं। इस ऐप पर आप अपने दोस्तों के साथ ऑनलाइन रियल टाइम में लूडो खेल सकते हैं. खास बात ये है कि इस दौरान अपने दोस्तों से सीधा-सीधा बात भी कर सकते हैं. इसके अलावा वॉयस चौट रूम की भी सुविधा दी गई है। इसमें अपने दोस्तों के साथ प्राइवेट बातचीत कर सकते हैं. उनके साथ ऑनलाइन पार्टी भी कर सकते हैं. आप किसी ग्रुप वॉयस चौटिंग में शामिल हो सकते हैं, साथ ही खुद लाइव चौट ग्रुप भी बना सकते हैं।

वफा ऐप वॉयस आधारित सोशल और एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म है. यह वॉयस चौट और वर्चुअल यूनिवर्स को एकसाथ जोड़ने का काम करता है. यह ऐप आपको ऑनलाइन चौट रूम में पार्टिसिपेट करने का मौका देता है. सबसे खास बात ये है कि यह लोकलाइज्ड कस्टमाइज्ड यूजर एक्सपीरियंस देता है. मतलब, वर्चुअल दुनिया में आप जिनसे संपर्क करते हैं वे ज्यादातर लोकल होते हैं। इससे सोशल इंटरेक्शन बढ़ता है. इसमें आप अलग-अलग लैंग्वेज का सलेक्शन कर सकते हैं। इससे यूजर्स का अनुभव बेहतर होता है। इस मोबाइल ऐप के प्रीमियम फीचर्स की बात करें तो आप वर्चुअली गिफ्ट खरीद सकते हैं. यह वर्चुअल गिफ्ट होगा जिसे आप अपने दोस्तों को शेयर कर सकते हैं. कई सेलिब्रिटी, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर इस ऐप पर मौजूद हैं जिससे यूजर्स का अनुभव बेहतर होता है.

इस ऐप को भारत में और भारतीयों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। महाराष्ट्र, दिल्ली, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, गुजरात, कर्नाटक जैसे राज्यों में इस मोबाइल ऐप का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है. सबसे खास बात ये है कि इस प्लैटफॉर्म पर आपको अपने जैसे यूजर्स आसानी से मिल जाते हैं जिसके कारण दोस्ती आसानी से हो जाती है. इससे वर्चुअल दुनिया में आपका खूब मन लगता है. इस मोबाइल ऐप को 4.59 रेटिंग मिली हुई है. पिछले एक साल में इसे 30 लाख से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है. इस ऐप को टॉप-20 ग्रॉसिंग अंडर एंटरटेनमेंट कैटिगरी में शामिल किया गया है। यह ऐप गूगल के प्ले स्टोर और ऐप्पल के ऐप स्टोर, दोनों पर उपलब्ध है. इसे मुफ्त में डाउनलोड किया जा सकता है।

इस ऐप के महत्वपूर्ण फीचर्स की बात करें तो

चौट रूम: इस चौट रूम में आप सभी यूजर्स को जान सकते हैं। ये यूजर्स पूरे देश के होते हैं।

मैसेजिंग: मैसेजिंग सर्विस की मदद से ऑनलाइन अपने दोस्तों के साथ टेक्स्ट और वॉयस कंवर्सेशन कर सकते हैं।

वर्चुअल गिफ्ट: यहां आपको अलग-अलग तरह का एनिमेटेड गिफ्ट मिलेगा जिसे खरीद कर दोस्तों को भेजा जा सकता है।

गेम्स: इस प्लैटफॉर्म पर गेमिंग की भी सुविधा है. यहां अपने दोस्तों के साथ ऑनलाइन गेमिंग खेल सकते हैं।

गणतंत्र भारत ने सभी को दिया बराबरी का अधिकार

सेक्टर 16 ए स्थित राज्य महिला महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करते कर्मचारी ।

फरीदाबाद। सेक्टर-16ए स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय एवं राजकीय कन्या महाविद्यालय नचौली ने संयुक्त रूप से आजादी के अमृत महोत्सव के अंर्तगत 73वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर ध्वजारोहण महाविद्यालय के कर्मचारी कुसुम एव लालाराम ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने महाविद्यालय द्वारा दिए गए इस सम्मान के प्रति अपना आभार प्रकट किया। प्राचार्या डा. सुनिधि ने कहा कि हम 15 अगस्त 1947 को आजाद तो हो गए, लेकिन सही मायनों में आजादी हमे संविधान ने प्रदान की है। हमारे संविधान ने देश के सभी नागरिकों को समानता का अधिकार है। इसलिए देश का कोई भी नागरिक या कर्मचारी छोटा या बड़ा नही है। अपनी संस्कृति एवं सभ्यता के कारण हमारा देश विश्वभर में प्रसिद्ध है। इस अवसर पर संगीत विभाग के प्राध्यापक डा. रामनिवास एवं प्रभाकर पांडेय ने कई देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर सभी के ह्रदय में देशभक्ति की भावना जागृत की।

आज भी आवाज उठाने से कतराती हैं पीड़िताएं

दुष्कर्म पीड़िता महिला ने दिया ऑपरेशन से बच्चे को जन्म

कविता। फरीदाबाद

शहर में अब भी दुष्कर्म पीड़िताएं न्याय के लिए आवाज उठाने से कतराती हैं। यहां तक कि माता-पिता से घटना छिपाने को मजबूर हो रही हैं। ऐसा ही एक मामला 20 वर्षीय युवती का सामने आया है। बार-बार बेहोश होने की शिकायत के कारण युवती के परिजन उसे यहां से वहां लेकर अस्पतालों के चक्कर काटते रहे। गर्भवती के सात माह पूरे होने पर गर्भवती होने का पता चला।

माता-पिता के पूछने पर पीड़िता ने आरोपी के बारे में सबकुछ बता दिया। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। लेकिन पीड़िता का दर्द इतना बढ़ गया कि ऑपरेशन के माध्यम से युवती की डिलीवरी करवानी पड़ गई।

यह है पूरा मामला : संजय कालोनी निवासी 20 वर्षीय युवती की मां ने बताया कि वह और उसके पति ड्यूटी करते हैं, पीड़िता घर पर ही रहती है। ऐसे में उसके पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने उसके घर में घुसकर युवती के साथ जबरन दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर बदनाम करने की धमकी दे डाली। वह आए दिन मौका मिलने पर युवती के साथ दुष्कर्म करने लगा।

जिस कारण युवती परेशान रहने लगी और उसकी मानसिक हालत खराब होने लगी। वह घर पर ही बार-बार बेहोश होने लगी। जिस पर परिजन उसे यहां से वहां अस्पतालों में लेकर जाने लगे। सात माह पूरे होने पर किसी चिकित्सक ने परिजनों को उसके गर्भवती होने की जानकारी दी तो वह चौंक गए और युवती से प्यार से पूछताछ की। जिस पर युवती ने पूरी बात बता दी। युवती के परिजनों ने आरोपी पड़ोसी युवक के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी और आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। जिस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

आ गई परेशानी : युवती की मां की माने तो उसे करीब तीन दिन से प्रसव पीडा होने लगी। जिस पर वह उसे शहर के सिविल अस्पताल में लेकर पहुंची। यहां उसकी नॉर्मल डिलीवरी का चिकित्सकों ने काफी प्रयास किया। लेकिन पीड़िता का बीपी हाई हो गया और उसकी नार्मल डिलीवरी करवाना भारी पड़ गया। चिकित्सकों ने युवती की खराब होती हालत को देखते हुए ऑपरेशन के माध्यम से उसकी डिलीवरी करवाई। फिलहाल युवती और उसका बच्चे को चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। बच्चे को नर्सरी में तो वहीं युवती को हाई रिस्क युनिट में भर्ती किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

ब्राह्मण सभा ने किया ध्वजारोहण

फरीदाबाद। अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा ने बाढ़ मोहल्ला ओल्ड फरीदाबाद में गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया और तिरंगा को सेल्यूट कर सुरेन्द्र शर्मा बबली राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा हमें गर्व है हम विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के नागरिक है। हम सभी भारतीय संविधान का पालन करना चाहिए। हमारी शान तिरंगा है। हमारे पूर्वजों ने अपने प्राणों की आहुति देकर इस सपने को साकार किया। उनके चरणों में वन्दन इस अवसर पर राजू, कैलाश, हरीश पाराशर एडवोकेट, कृष्ण पाराशर एडवोकेट, कर्ण पाराशर इंजिनियर, चन्द्रशेखर, लोकेश, कमल, रवि, अस्मित, आशीष, निटटू सहित अन्य उपस्थित रहे।

बल्लभगढ़ के टॉपर विद्यार्थी किये गए सम्मानित

बल्लभगढ़। बल्लभगढ़ के ऐतिहासिक दशहरा मैदान में 73वां गणतंत्र दिवस बड़े शानदार तरीके से मनाया गया। बल्लभगढ़ सब डिवीजन मजिस्ट्रेट त्रिलोक चंद ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया तथा सलामी दी। इस अवसर पर एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद ने उन सभी अमर शहीदों को नमन किया। जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व हंसते-हंसते न्यौछावर कर दिया। बल्लभगढ़ की जनता को अपने संबोधन में गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा हरियाणा सरकार द्वारा राज्य में किये गए विकास कार्यों की सराहना की। हरियाणा राज्य के उन खिलाड़ियों को भी शुभकामनाएं दीं। जिन्होंने ओलंपिक गेम्स में देश तथा राज्य का नाम दुनिया भर में रोशन किया। इस अवसर पर उन विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। जिन्होंने सीबीएसई की दसवीं तथा बारहवीं की परीक्षा में बल्लभगढ़ सब डिवीजन में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये। शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए रावल शिक्षण संस्था द्वारा संचालित स्कूलों के प्राचार्य प्रीति. एन. सिंह, डॉ सी. वी. सिंह तथा राखी वर्मा को भी एस. डीएम बल्लभगढ़, संयुक्त आयुक्त, नगर निगम बल्लभगढ़ अनिल कुमार तथा समाज सेवी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता टिपर चन्द शर्मा ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग एवं नगर निगम के अनेक कर्मचारियों को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

संत सिंह हुड्डा को किया सम्मानित

फरीदाबाद। सामाजिक कार्यो व उत्कृष्ट सेवाओं के लिए संस्कृत अध्यापक दयालपुर निवासी संत सिंह हुड्डा को गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर बल्लभगढ़ उप मंडल अधिकारी त्रिलोकचंद ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। हुड्डा को पांचवीं बार यह पुरस्कार मिला है। हुड्डा जनहित सेवा संस्था परिवार के अध्यक्ष हैं एवं अन्य अनेक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। सामाजिक कार्यो के लिए जनहित सेवा संस्था फरीदाबाद को भी उपमंडल व जिला स्तर पर अनेक बार सम्मानित किया गया है। हुड्डा को पुरस्कार मिलने से पूरी टीम में खुशी की लहर है। उप मंडल अधिकारी ने संत सिंह हुड्डा के कार्यों की सराहना करते हुए संस्था की पूरी टीम को बधाई दी साथ ही संस्था की टीम को भी निरंतर बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। संस्था के महासचिव सुभाष गहलोत को भी प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। टीम को अच्छे कार्यों के लिए बधाई दी। इस मौके पर संत सिंह हुड्डा ने भी उप मंडल अधिकारी को पूरा आश्वासन दिया कि भविष्य में भी संस्था अनेक जनहित कार्य निरंतर करती रहेगी। इस मौके पर मुख्य रूप से संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉक्टर प्रवेश लांबा, उपाध्यक्ष ओम दत्त शास्त्री, कोषाध्यक्ष लोकेश शास्त्री मुख्य सचिव देवी चरण, लकी वर्मा, दीपक गर्ग, बबलू छाबड़ा, सुंदर तेवतिया, मास्टर विक्रम तेवतिया, सुरेंद्र बांकुरा राजकुमार फोगाट विशेष रूप से मौजूद थे।

सीएमए फाउंडेशन परिणाम घोषित हुआ

फरीदाबाद। दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एकाउंटेंस ऑफ इंडिया की परीक्षा सीएमए फाउण्डेशन का रिजल्ट जारी हुआ। फरीदाबाद चैप्टर ने आज टॉप 10 विद्यार्थियों को सम्मानित किया। जिसमें उनके अभिभावकों ने भी भाग लिया। सीएमए फरीदाबाद चेप्टर के चेयरमैन सीएमए वरूण सुखीजा ने बताया कि चैप्टर से प्रथम स्थान वर्षा ने 350 अंक व द्वितीय स्थान पर दीक्षा रावत ने 348 अंक तथा तृतीय स्थान पर नितिन 332 अंक के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्तमान में कॉस्ट एकाउंट की कॉर्पोरटस और इंडस्ट्री में काफी मांग है। हाल ही में हुए कैम्पस प्लेसमेंट में सर्वाधिक 22 लाख तक का पैकेज मिला है। सीएमए फरीदाबाद चैप्टर का रिजल्ट 86 प्रतिशत रहा। एग्जीक्यूटिव मैम्बर सीएमए बृजेश उपाध्यक्ष ने बताया कि सीएमए कोर्स में तीन लेवल होते है। जिसमें जून 2022 में होने वाली परीक्षा के फाउण्डेशन, इंटर और फाईनल लेवल में एडमिशन लेने की अंतिम तारीख 31 जनवरी है। उपाध्यक्ष सीएमए गिरीश गखर ने छात्रों को प्रेरित किया और कुछ शिक्षा से संबंधित सुझाव दिए और उनको उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस मौके पर फरीदाबाद चैप्टर समिति से सीएमए वरूण सुखीजा, सीएमए गिरीश गखर, सीएमए बृजेश उपाध्याय उपस्थित रहे।

अज्ञात लोगों ने गोली मारकर की युवक की हत्या

घर से 50 मीटर दूर पड़ा था मृत युवक का शव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शोकाकुल मृत युवक सुरेश के परिजन। इनसेट में सुरेश का फाइल फोटो

बल्लभगढ़ के मुजेड़ी गांव में बुधवार रात को 38 वर्षीय व्यक्ति के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। शव मृतक के घर से करीब 50 मीटर की दूरी पर मुजेड़ी-नवादा रोड पर मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल भेज दिया। हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

मुजेड़ी गांव निवासी राम सिंह ने बृहस्पतिवार सुबह करीब पांच बजे पुलिस को सूचना देकर बताया कि उसके भाई सुरेश भाटी की किसी ने गोली मारकर हत्या कर दी है। जिसका शव मुजेड़ी-नवादा रोड पर पड़ा हुआ है। सदर थाना प्रभारी रामबीर पुलिस बल के साथ मुजेड़ी गांव में पहुंच गए। जिसके माथे से खून बह रहा था। राम सिंह ने पुलिस को वह बताया कि उनका परिवार मूलरूप से यूपी का रहने वाला है। करीब 50 साल पहले उनके पिता मंगतराम यहां पर आकर बस गए। मंगतराम के परिवार में चार बेटे व एक बेटी है। सबसे छोटे सुरेश को छोड़कर सभी शादीशुदा हैं। सुरेश उसके साथ ही रहता है। वे दोनों आईएमटी स्थित एक कंपनी के सामने चाय की दुकान चलाते हैं। बुधवार रात को दोनों भाई दुकान से घर आ गए थे। राम सिंह का कहना है कि रात को घर के बाहर बनी बैठक में सोए थे। रात को करीब साढ़े 11 बजे वह और सुरेश आपस में बात करते रहे। बातों के दौरान राम सिंह को नींद आ गई और वह सो गया। राम सिंह का कहना है कि गुरुवार सुबह पांच बजे गांव में ही सब्जी उगाने का काम करने वाले कुलदीप ने उसके घर आकर आवाज दी। कुलदीप ने बताया कि सुरेश नवादा गांव की ओर जाने वाले रोड पर श्यामवीर के मकान के निकट रोड पर मृत पड़ा हुआ है। जिस पर राम सिंह वहां पर पहुंच गया। जहां पर पाया कि सुरेश की किसी ने गोली मारकर हत्या की हुई है।

नव प्रयास ने लगाया रक्तदान शिविर

फरीदाबाद। सामाजिक संस्था नवप्रयास सेवा संगठन द्वारा कपड़ा कॉलोनी स्थित सनातन शिव मंदिर परिसर में अपने 65वां रक्त दान शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष भगवान सिंह, वार्ड नंबर 8 की पार्षद ममता चौधरी, वरिष्ठ भाजपा नेता सतीश फागना तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी मुनेश शर्मा, योगी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजपाल योगी मौजूद रहे। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सुनील यादव, चेयरमैन राकेश खटाना सहित अन्य सदस्यों ने आए हुए सभी अतिथियों का फूल माला एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इस अवसर पर 31 रक्तवीरों ने शिविर में रक्तदान किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि भगवान सिंह ने उपस्थित रक्त दाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके द्वारा दिया गया रक्त 3 व्यक्तियों के काम आता है प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को कम से कम 3 बार साल में रक्तदान करना चाहिए। संस्था के अध्यक्ष सुनील यादव ने आए हुए अतिथियों को बताया कि उनकी संस्था प्रयास सेवा संगठन ने अब तक 65 बार रक्तदान शिविरों का आयोजन किया है।

प्रेमी संग ससुर की हत्या करने वाली महिला गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ससुर की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार गीता।

बल्लभगढ़ न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में गोली मारकर भरत सिंह नामक युवक की हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच डीएलएफ ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में आरोपित पुत्रवधू को गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर बदरपुर बॉर्डर एरिया से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी महिला को अदालत में पेश करके 1 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था।

गिरफ्तार की गई आरोपित महिला का नाम गीता है जो मृतक भरत सिंह की पुत्रवधू है। आरोपित महिला के खिलाफ थाना सिटी बल्लभगढ़ में हत्या की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था जिसमें आरोपित महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ससुर भरत सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के पीछे का कारण प्रॉपर्टी विवाद था। मृतक भरत सिंह आरोपित महिला गीता के पति विनोद का सौतेला बाप था। भरत सिंह का बेटा सूरज पिछले साल ट्रेन दुर्घटना में जान कहां बैठा था उसके पश्चात उनकी पुत्रवधू सूरज की पत्नी अपने मायके चली गई इधर विनोद की पत्नी गीता ससुर पर सारी प्रॉपर्टी अपने नाम करने के लिए दबाव डाल रही थी। सारी जायदाद महिला के ससुर भरत सिंह के नाम है। गीता अपने ससुर भरत सिंह पर प्रॉपर्टी अपने नाम करवाने पर दबाव बना रही थी परंतु मृतक भरत सिहं द्वारा बार-बार इंकार करने पर पुत्रवधू ने अपने ससुर हो जान से मारने की योजना बनाई।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि इस मामले में आरोपी महिला के साथ उसका प्रेमी दलीप उर्फ सैंडी उर्फ कालिया भी शामिल है जो गुरुग्राम का रहने वाला है और गीता को करीब 6-7 साल से जानता था और उसके खिलाफ हत्या की धाराओं के तहत पहले भी कई मुकदमे दर्ज है और वह जेल में भी सजा काट चुका है।

निगम ने नौ इकाईयों को किया सील

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम फरीदाबाद द्वारा संपति कर के बकायाजात की वसूली के लिए पिछले कई महीनों से ईकाइयों को सील किया जा रहा है। जिसमें से उन इकाइयो को डीसील किया गया है जिनके बकायाजात जमा हो गये है और जिन बकायादारो ने अभी तक नगर निगम मे बकायाजात जमा नही कराये वह अभी तक सील है।

इसी श्रृंखला में 27-01-2022 को ओल्ड फरीदाबाद जोन-1 मे 03 ईकाइयों को सील किया गया। जिन पर करीब 05.49 लाख रुपये बकाया है, एनआईटी जोन-2 ने 03 इकाईयों को सील किया गया जिस पर करीब 02.55 लाख रूपए बकाया है व एनआईटी जोन-3 ने 03 इकाईयों को सील किया गया। जिस पर करीब 02.78 लाख रूपए बकाया है। इस तरह कुल 09 इकाइयों को सील किया गया है, जिन पर कुल 10.83 लाख रूपये बकाया है।

निगमायुक्त यशपाल यादव ने कहा कि जिन ईकाइयो को सील किया जा चुका है और उनकी ओर से बकाया संपत्ति कर की राशि प्राप्त नहीं हुई है उन सभी ईकाइयों की निगम द्वारा नीलामी करने की कार्यवाही की जायेगी।

मैकलॉरेन स्ट्रेटजिक वेंचर्स ने बनाया एएसआईसी डिजाइन वर्टीकल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लक्ष्य 2025 तक 300 मिलियन डॉलर का व्यवसाय करने का

मैकलॉरेन स्ट्रेटजिक वेंचर्स (एमएसवी) ने एटलस सिलिकॉन, एआय (आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस) पहली कस्टमाइज्ड चिप डिजाइन वेंचर्स की शुरुआत की है, ताकि वैश्विक सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में क्रांति लाई जा सके। एटलस सिलिकॉन एक व्यापक इकोसिस्टम है जो एक छत के नीचे अवधारणा, डिजाइन, आईपी और उत्पादन को लाने के लिए डिजिटल सामंजस्य लाएगा। इस इकाई के पास चिप डिजाइन में विशिष्ट क्षमताएं होगी और अनेक क्षेत्रो में वैश्विक विशालकाय के साथ काम करेगी। समूह की भारत ग्रोथ योजना को बढ़ाने के लिए एमएसवी ने भारत में इस क्षेत्र में भारी निवेश करने की घोषणा की है और इसका लक्ष्य 2025 तक 300 मिलियन डॉलर का व्यवसाय करने की है।

एमएसवी ने भारत में 100 एएसआईसी इंजीनियर्स को शामिल करने के लिए एक आक्रामक भर्ती मुहिम शुरू की है, साथ ही देश की सर्वोच्च टेक्नोलॉजी संस्थाओं के साथ बातचीत कर रही है ताकि बेंच को और विस्तार देने के लिए होनहार फ्रेशर्स को लिए जा सके।

एमएसवी डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी और यूएसटी के पूर्व सीईओ साजन पिल्लई की कैलिफोर्निया स्थित निवेश प्रबंधन एवं व्यवसाय विस्तार पहल है। एमएसवी की निवेश इकाई की भारत में पहले से ही टेक सेगमेंट में कई महत्वपूर्ण निवेश है और चिप डिजाइन वर्टीकल में हाल के इसके निवेश का इरादा इस सेगमेंट की व्यापक अवसरों का दोहन करने का है ताकि कस्टमाइज्ड माइक्रोचिप की बढ़ती वैश्विक मांग पूरी की जाए।

माइक्रोचिप इंडस्ट्री का वैश्विक बाजार आकर 2025 तक 24.7 अरब डॉलर पहुंचने की संभावना है, अनुमानित अवधि के दौरान इसका मार्केट 8.2 सीएजीआर प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है।

जरूरतमंदों को कंबल वितरित

फरीदाबाद। आजादी का अमृत महोत्सव व गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में केनरा बैंक की क्षेत्रीय कार्यालय फरीदाबाद की तरफ से कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत गरीब व जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया गया।

केनरा बैंक की प्रबंधक मेघा बंसल ने बताया कि कार्यालय प्रमुख अभय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कड़कड़ाती ठंड से बचने के लिए गांधी कालोनी स्थित भारत माता कुष्ठ आश्रम में जरूरतमंद परिवारों को बैंक अधिकारियों द्वारा कंबल वितरित किया गया। जहां पर 110 से अधिक गरीब महिलाओं को कंबल बांटा गया। प्रबंधक मेघा बंसल ने बताया कि बढ़ती सर्दी से बचाव को लेकर गरीबों की मदद करना हम सभी का कर्तव्य बनता है। इस अवसर पर बैंक अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग ने सुनीं कर्मचारियों की समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम के सभागार में अधिकारियों की बैठक को संबोधित करती राट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की सदस्य अंजना पंवार।

भारत सरकार राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की सदस्य अंजना पवार ने फरीदाबाद नगर निगम मुख्यालय में बैठक का आयोजन किया। जिसमें उन्होंने वहां मौजूद सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को सुना। उन्होंने कहा कि हमारे देश के विभिन्न क्षेत्रों में फैले हुए सफाई कर्मचारी जो कि अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति हैं। इस कर्मचारी वर्ग की जो भी समस्याएं हैं हम उन्हें दूर करेंगे। उनके पुनर्वास के लिए राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग काम करता है और हम इनको आर्थिक सामाजिक और शैक्षणिक जो भी समस्याएं होती हैं उन समस्याओं से छुटकारा दिलाएंगे।

उन्होंने कहा कि मैं देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को धन्यवाद देना चाहती हूं। जिन्होंने अपने सर्वोच्च पद की शुरूआत ही स्वच्छ भारत मिशन से की। उनकी सोच है जोकि इन कर्मचारी वर्ग समाज के लिए अपने मन में संवेदनशीलता रखी हुई है। उन्होंने बताया कि बनारस में कोरिडोर के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी जी ने सफाई कर्मचारियों के साथ बैठकर भोजन किया जोकि उनकी उच्च मानसिकता का परिचायक है। कुंभ के मेले में भी उन्होंने सफाई कर्मचारियों का बहुत मान सम्मान बढ़ाया जिससे समाज में एक बहुत अच्छा संदेश जाता है। हमारे प्रधानमंत्री इन कर्मचारी वर्ग के लिए बहुत संवेदनशील है उनका मुझे यही निर्देश है कि अपने अधिकार क्षेत्र में जाकर सभी सफाई कर्मचारियों की समस्याएं सुनकर जहां तक उनका निदान हो सके निदान करो। उन्होंने कहा कि अंतिम पंक्ति में बैठा यह समाज जिसकी ज्यादा समस्याएं नहीं होती बहुत ही छोटी-छोटी मूलभूत समस्याएं होती हैं जो कि अधिकारी अपने स्तर से हल कर सकता है सरकार के पॉलिसी मैटर को बदलने में काफी वक्त लगता है इसलिए अधिकारी हड़ताल जैसी नौबत नहीं आने दे ऐसे में अधिकारियों को निर्देश देना चाहूंगी कि मन से काम करने और समस्याओं को हल करने के लिए सोचेंगे तो समस्याएं ही नहीं रहेंगे।

ईवीगेटवे ने भारत में शुरू किया परिचालन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

टर्न-की इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) इन्फ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशन प्रदान करने वाली अग्रणी अमेरिकी कंपनी ईवीगेटवे ने भारत में परिचालन शुरू करने का एलान किया है। अमेरिका, लैटिन अमेरिका, यूरोप, एशिया और पश्चिम एशिया के कई बड़े बाजारों में कंपनी की उपस्थिति है। अब कंपनी भारत के ईवी मार्केटप्लेस में नए सॉल्यूशन प्रदान करेगी और ड्राइवर एवं चार्जर मालिकों के लिए बेहतर सॉल्यूशन प्रदान करते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

ईवीगेटवे सभी उद्योगों एवं चार्जिंग की जरूरतों के अनुरूप इंटेलीजेंट एवं एडवांस्ड ईवी चार्जिंग मैनेजमेंट सर्विस उपलब्ध कराती है। चार्जर मैनेजमेंट फीचर जैसे वेब पोर्टल, ड्राइवर फेसिंग मोबाइल एप, स्मार्ट चार्जिंग आदि के साथ ही ईवी व्हीकल, एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम के साथ इंटीग्रेट करने की क्षमता के साथ ईवीगेटवे भारतीय बाजार में सबसे दक्ष एवं इनोवेटिव ईवी सॉल्यूशन प्रदान करेगी। ईवीगेटवे के प्रेसिडेंट श्री रेड्डी मैरी ने कहा, 'अपने एसएएएस प्लेटफॉर्म में टेलीमैटिक्स, वी2जी, सीआरएम जैसी विभिन्न टेक्नोलॉजी को इंटीग्रेट करने के हमारे अनुभव की मदद से हम चार्जिंग की सभी प्रकार की जरूरतों के अनुरूप प्रभावी सॉल्यूशन देने में सक्षम हैं।'

ईवीगेटवे इंडिया के प्रमुख उदय चागरी ने कहा, 'इस उत्पाद का बड़ा हिस्सा भारत स्थित डेवलपमेंट सेंटर में विकसित किया गाय है और हम यहां के अनुरूप अपने उत्पादों को बेहतर करने में लगे हैं। अपनी अमेरिका स्थित टीम के साथ हम 24 घंटे सपोर्ट देने में सक्षम हैं। भारत में यह शुरुआत हमारे लिए गर्व की बात है।' ईवीगेटवे के टेक्नोलॉजी वीपी निशांत कालीदिंदी ने कहा, 'ईवीगेटवे के एसएएएस ईवी चार्जिंग सॉल्यूशंस को भारत के स्थानीय क्लाउड से होस्ट और मैंटेन किया जाता है।

50वें दिन भी बदस्तूर जारी रही आंगनबाड़ी वर्कर्स की हड़ताल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 12 लघु सचिवालय के बाहर धरना देती आंगनबाडी वर्कर।

आंगनबाड़ी वर्कर और हेल्पर यूनियन की हड़ताल 50वें दिन भी बदस्तूर जारी रही। काफी सर्दी के बावजूद भी सैकड़ों की संख्या में वर्कर व हेल्पर उपायुक्त कार्यालय के सम्मुख सेक्टर 12 में पहुंची। वहां पर जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व जिले की वरिष्ठ उपप्रधान सुरेंद्री ने किया। जबकि संचालन संतोष कर रही थी। इस मौके पर सीटू के जिला प्रधान निरंतर पाराशर, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल उपस्थित रहे।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए सीटू के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने जिला कार्यक्रम अधिकारी पर हड़ताली आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर्स को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अधिकारी हड़ताली कर्मचारियों पर सेवाएं बर्खास्तगी का डर पैदा करके हड़ताल को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन अधिकारियों के इस रवैया से कर्मचारियों में किसी भी प्रकार का दबाव नहीं है। उन्होंने बताया कि बताया की दमनकारी नीतियों को अपनाने से आंदोलन और तेज होते हैं। समाप्त नहीं होते हैं। इसलिए सरकार को हठधर्मिता का रास्ता छोड़कर कर्मचारियों की मांगों को लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दमन और उत्पीड़न की कार्रवाई का डटकर विरोध किया जाएगा। इसको किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जब तक कर्मचारियों की मांगों को लागू नहीं किया जाता है। तब तक हड़ताल निरंतर जारी रहेगी। इन्हीं मांगों को लेकर आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स 8 दिसंबर से हड़ताल पर हैं। यूनियन ने इन मांगों को लेकर 5 जनवरी को करनाल में राज्य सत्रीय रैली भी कर ली। इसके बाद 12 जनवरी को जेल भरो आंदोलन भी सफलतापूर्वक पूरा किया है। इन दोनों कार्यक्रमों में पूरे प्रदेश से हजारों आंगनवाड़ी वर्करों और हेल्परों ने भाग लिया। फिर भी सरकार अड़ियल रवैया अपना रही है। यूनियन की मुख्य मांग है, कि मुख्यमंत्री के द्वारा 29 दिसंबर को की गई घोषणा को ज्यों का त्यों लागू किया जाए।

आयकर का विकल्प खर्च पर टैक्स

यदि आयकर समाप्त कर केवल कार्पोरेट टैक्स जारी रखा जाए, जैसा कि कुछ देशों में है तो इससे बड़े पैमाने पर हेराफेरी की संभावना पैदा होगी।

सुभाष चंद्र पांडेय
(लेखक केंद्र सरकार के पूर्व विशेष सचिव हैं)

अगले वित्त वर्ष का बजट आने वाला है और गुलाबी प्रेस इस समय टिप्पणियों व सुझावों से भरा है। वैश्विक महामारी के बाद आर्थिक बेहतरी की उम्मीदें बहुत हैं। कुछ लोगों के लिए बजट का अर्थ टैक्स लगाने, खासकर व्यक्तिगत आयकर से है। आम शिकायत है कि निश्चित आय वाले वेतनभोगी व पेंशनधारक वर्ग को आयकर का बोझ उठाना पड़ता है, जबकि अनिश्चित आय वाले पेशेवरों व बिजनेसों को काफी कानूनी लूपहोल मिलते हैं जिससे वे आयकर अदा करने से बच जाते हैं। कुछ ऐसे लोग भी हैं जो आय पर टैक्स लगाने के विचार के ही खिलाफ हैं क्योंकि इससे कम खर्च करने और अधिक खर्च करने वालों पर समान रूप से बोझ पड़ता है और वास्तव में बचत हतोत्साहित होती है। इस दिलचस्प बहस को विभिन्न प्रकार से देखा जा सकता है। 10 जनवरी, 2021 की विस्तारित अंतिम सीमा तक वित्त वर्ष 2019-20 में 5.95 करोड़ रिटर्न फाइल किए गए। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 29 दिसंबर, 2021 तक पांच करोड़ से अधिक आईटीआर फाइल हुए थे। इस प्रकार 130 करोड़ की कुल जनसंख्या में से केवल 1.46 करोड़ ही वास्तव में 2019-20 वित्त वर्ष के लिए टैक्स दे रहे थे। 2017-18 में फाइल 5.87 करोड़ आईटीआर में से 5.53 करोड़ व्यक्तिगत करदाता, 11.3 अविभाजित हिंदू परिवार, 12.7 लाख फर्म तथा 8.4 लाख कंपनियों से थे। 51.33 लाख करोड़ की सकल आय में बिजनेस का हिस्सा 24.37 लाख करोड़ तथा वेतन-पेंशन आय का 20.04 करोड़ था।

कर योग्य वेतन व पेंशन के रिटर्न 15.55 लाख करोड़ थे जिनका कर दायित्व लगभग 3.95 लाख करोड़ था। वेतन-पेंशन आय आयकर का एक बड़ा हिस्सा है, पर इसका वर्चस्व नहीं है। 2018-19 में कुल आयकर प्राप्ति 11.37 लाख करोड़ थी जिसमें से केवल कंपनियों ने 6.64 लाख करोड़ का भुगतान किया था। ऐसे में यह तर्क सही नहीं ठहरता कि वेतन-पेंशन आय की तुलना में बिजनेस व पेशेवर आय से ज्यादा करापवंचन होता है। बड़े खर्च की निगरानी कर करापवंचन रोकने के प्रयास जारी हैं और विदेश यात्रा, बिजली उपभोग, आदि से उच्च उपभोग का पता चलता है। पैन- आधार जोड़ने के बाद कर अधिकारी ज्यादा उपभोग और निवेश का पता आसानी से लगा लेते हैं। क्या खर्च पर टैक्स से 11 लाख करोड़ से अधिक धनराशि मिल सकती है जिससे खर्च पर टैक्स लगाया जा सके? वर्तमान मासिक जीएसटी संग्रह 1.3 लाख करोड़ है जो वार्षिक संग्रह के रूप में 15.6 लाख करोड़ से अधिक हो सकता है।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि कर संग्रह को ज्यादा सक्षम व समतापूर्ण बनाने के लिए आय पर कर लगाया जाए या खर्च पर लगाया जाए? एक व्यक्ति का खर्च दूसरे की आय होता है और इसका उलट भी सही है। चाहे आप कर्मचारी के वेतन पर टैक्स लगाएं या सेवायोजक के वेतन खर्च पर, इसका प्रभाव समान होगा। जैसे कि कर अधिकारियों के लिए कुछ आय का पता लगाना कठिन होता है, उसकी तरह कुछ खर्च भी हैं। कुछ लोगों की आय बड़े हिस्सों में होती है, जबकि अन्य की छोटे-छोटे टुकड़ों में। कुछ खर्च बड़े होते हैं, जबकि अन्य छोटे-छोटे भुगतानों के रूप में। ऐसे में यह तय करना होगा कि खर्च पर टैक्स खर्च के किस वर्ग पर लगाया जाए।

थामस हाब्स ने सत्रहवीं शताब्दी में ही आय के बजाय खर्च पर टैक्स लगाने का सिद्धान्त पेश किया था। उनका विचार था कि कम खर्च करने वालों और अधिक खर्च करने वालों पर समान आय कर लगाना अनुचित है। कुछ अर्थशास्त्रियों ने बचत को टैक्स से बाहर रखने का प्रस्ताव किया है, पर किसी औद्योगिक देश ने कभी खर्च पर टैक्स लागू नहीं किया। कैंब्रिज विश्वविद्यालय के प्रोफेसर निकोलस कालडर ने 1955 में खर्च पर टैक्स की मजबूत पैरवी की। उनका प्रस्ताव था कि ब्रिटेन में ज्यादा आयकर देताओं पर लगने वाले सरटैक्स की जगह खर्च पर टैक्स हो सकता है। भारत और सीलोन ने कुछ साल तक खर्च पर टैक्स का कालडर का सुझाव कुछ साल लागू किया, पर अंततः इसे 1966 में छोड़ दिया गया। यह टैक्स कालडर के सुझावों से अलग था और इससे मिलने वाले थोड़े राजस्व पर प्रक्रिया व प्रशासन का खर्च अधिक था। भारत में बहुत सीमित क्षेत्र में 1987 में खर्च पर टैक्स पुनः शुरू करने पर कालडर पर फिर ध्यान गया। खर्च टैक्स कानून के अनुसार, उच्चस्तरीय होटल को किए जाने वाले भुगतान पर 10 प्रतिशत खर्च टैक्स लिया गया जिनके कमरे का किराया 3,000 रुपये प्रतिदिन से अधिक था। खर्च पर टैक्स के पैरोकारों का मानना है कि आयकर का बोझ वेतनभोगी-पेंशनर वर्ग पर अधिक पड़ता है और आयकर समाप्त होने से उनको बहुत राहत मिलेगी। उनको टैक्स रिटर्न भरने से मुक्ति मिलेगी, लेकिन इससे चार्टर्ड एकाउंटेंटों को बहुत नुकसान होगा तथा राष्ट्रीय आय में कमी आएगी।

आयकर विभाग लाखों रिटर्न की जांच करता है जिसके बाद पूछताछ, स्पष्टीकरण, रिफंड तथा लंबे पत्र व्यवहार का सिलसिला शुरू होता है। लेकिन इस बात की क्या गारंटी है कि खर्च पर टैक्स से ज्यादा रिकार्ड नहीं रखने पड़ेंगे। अधिकांश आय एकसाथ होती है, जबकि खर्च ज्यादा बिखरे होते हैं। खासकर नकद में होने पर बिक्री-खरीद के करोड़ों अनुबंधों का पता लगाना आसान नहीं है। नकद में ज्यादा आय प्राप्त करना नकद में खर्च की तुलना में ज्यादा कठिन है। छोटा कर आधार खर्च पर टैक्स को आयकर समाप्त होने पर नुकसान होने वाले राजस्व की भरपाई नहीं कर सकेगा। इसी प्रकार यदि जीएसटी जैसे उपाय न किए जाएं तो व्यापक खर्च पर टैक्स ज्यादा प्रतिगामी होगा तथा उसके प्रभाव नकारात्मक होंगे।

पैसे का हर बार हस्तांतरण तथा हर हस्तांतरण या भुगतान हमेशा खर्च नहीं होता है। जब कोई बैंक वेतन या पेंशन या डिविडेंट बांटने के लिए पैसा देता है तो खर्च केवल सेवायोजक या कंपनी करती है और बैंक मध्यस्थ होता है। पैसा बैंक का नहीं होता है। नकद पैसा देने वाला पोस्टमैन कोई खर्च नहीं करता है। इस प्रकार सभी भुगतान खर्च पर टैक्स के दायरे में नहीं हैं। हम खर्च पर टैक्स की बात कर रहे हैं, लेनदेन पर टैक्स की नहीं। यदि हम वेतन, पेंशन, ब्याज, किराया भुगतान को खर्च पर टैक्स में शामिल कर दें तो प्राप्तकर्ता को न केवल प्रभावी आयकर देना पड़ेगा, बल्कि प्राप्त आय को खर्च करने पर फिर टैक्स देना पड़ेगा। विभिन्न प्रकार के खर्च पर विभिन्न दरों से टैक्स लगाना ज्यादा जटिल काम होगा। ऐसे में कर विवाद निपटाना भी जटिल होगा।

यदि आयकर समाप्त कर केवल कार्पोरेट टैक्स जारी रखा जाए, जैसा कि कुछ देशों में है तो इससे बड़े पैमाने पर हेराफेरी की संभावना पैदा होगी। इससे शेयरधारकों और कर्मचारियों के व्यक्तिगत खर्च कार्पोरेट व प्रमोटरों के खर्च में शामिल हो जाएंगे तथा कार्पोरेट का मुनाफा कम होगा क्योंकि वह उसके कर्जदाताओं, भूस्वामियों व कर्मचारियों को चला जाएगा। बड़े देशों ने खर्च पर टैक्स इसलिए भी पसंद नहीं किया है क्योंकि इससे खर्च हतोत्साहित होगा तथा प्रगति में बाधा आएगी। कर विभाग को बताने वाले खर्च के हतोत्साहित होने के कारण समग्र आर्थिक विकास पर और बुरा प्रभाव पड़ेगा। इससे लोग सरकार के इन प्रयासों का भी विरोध करेंगे जो उनकी आय जांचने के बारे में होते हैं। सरकार द्वारा खर्च का पता लगाने का प्रयास करने पर लोग उत्पीड़ित अनुभव करेंगे तथा सरकार का विरोध करेंगे। इस प्रकार मेरे विचार से खर्च पर टैक्स का विचार करने का समय बीत गया है।

चुंबन पर विवाद

शेट्टी-गेरे मामला

आज जब हम भारतीय गणतंत्र की 73वीं वर्षगांठ मना चुके हैं, क्या हम स्वतंत्रता और नायकत्व से थोड़ा अलग हट कर स्वयं से यह सवाल पूछ सकते हैं कि चुंबन के मामले में हमारा क्या दृष्टिकोण है? यह बात मुंबई की एक अदालत ने पूछी जब उसने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी व हालीवुड अभिनेता रिचर्ड गेरे के चुंबन संबंधी एक मामले का निपटारा किया। 2007 में एड्स जागरूकता प्रोत्साहित करने वाले एक आयोजन में गेरे ने अचानक शेट्टी का हाथ चूम लिया था। इसके बाद उन्होंने जल्दी से उनको गले लगा लिया और उनको पीछे की ओर थोड़ा झुका दिया। बाद में उन्होंने बताया कि यह उनकी मूवी 'शैल वी डांस' का एक डांस है और उनको गाल पर चूम लिया। इस पर बहुत से भारतीय गुस्सा थे। उन्होंने इसे अशोभनीय बताया। उन्होंने शेट्टी पर भी आरोप लगाया कि उन्होंने चुंबन पर आपत्ति नहीं की। उन्होंने दोनों के खिलाफमामला दर्ज करा दिया। उनके खिलाफमामला फौरन खारिज हो गया। गेरे ने यह कहते हुए माफी मांग ली कि उनका कोई बुरा इरादा बिल्कुल नहीं था। लेकिन शेट्टी के खिलाफमामला चलता रहा और यह उनके गले में लटके पत्थर जैसा हो गया। चुंबन पर आपत्ति न करने के कारण उनको षडयंत्रकारी या अपराध उकसाने वाला कहा गया। भारी बोझ से लदी भारतीय न्यायिक प्रणाली को यह मामला 'निपटाने' में इतने साल लग गए। उसने कहा कि यह 2007 में ही स्पष्ट था कि उनको बरी कर दिया गया है। इस मामले को उसी दिन खारिज कर दिया जाना चाहिए था, लेकिन यह इतने साल चलता रहा। पीछे की ओर नजर डालें तो सवाल उठता है कि हम 2007 में किस चीज से चिन्तित थे? इसका जवाब देना आसान नहीं है क्योंकि हम प्रेम संबंधी वास्तविक व आभासी घटनाओं पर विचार करते समय अपनी संवेदनशीलताओं को उनमें मिला देते हैं। पहले हम इनका विरोध करते हैं, और बाद में आनन्द उठाते हैं।

याद करें जब अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे ने मुंबई में 1980 में प्रिंस चार्ल्स को चूम लिया था? इस पर कट्टरपंथियों ने कई दिन शोर मचाया था। क्या शबाना आजमी को कट्टरपंथी मुसलमानों का गुस्सा उस समय नहीं झेलना पड़ा था जब नस्लवाद-विरोधी नायक नेल्सन मंडेला ने केपटाउन के एक आयोजन में 1993 में उनको चूम लिया था? उस समय कोई सोशल मीडिया नहीं था नहीं तो इसके विजुअल उसी तरह वाइरल हो जाते जिस प्रकार 2016 में गिरिजा श्रीनिवास के वीडियो वाइरल हुए थे। इस पंचायत सदस्य ने कर्नाटक के तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को चूम लिया था। क्या हम व्यावहारिक या कट्टरपंथी हैं कि चुंबन के ये मामले हमें झकझोर देते हैं। याद करें कि 1930 के दशक में भारतीय सिनेमा की प्रथम महिला देविका रानी द्वारा कर्मा में हिमांशु राय के साथ गहन चुंबन दृश्य देने पर क्या प्रतिक्रिया हुई थी। बालीवुड ने सुनिश्चित किया कि हमारी बातचीत आधुनिकता के नाम पर इस सीमा तक न गिरे कि फिल्मों में चुंबन के दृश्य नियमित रूप से दिखें। बॉबी ने दर्शकों को उत्तेजित किया, सत्यम शिवम् सुंदरम ने उनको उत्तेजित किया और यही काम धूम2 ने किया। राजा हिंदुस्तानी ने पारिवारिक फिल्मों में चुंबन की शुरुआत की। हे राम नामक फिल्म में भी ऐसा दृश्य था। यदि अधिकांश भारतीय दर्शकों ने नहीं तो भी बालीवुड ने निश्चित रूप से लगातार बदलते संबंधों पर ध्यान दिया है। शबाना आजमी और नंदिता दास ने फायर में लेस्बियन प्रेम प्रदर्शित किया था। साकिब सलीम ने बांबे टाकीज़ में रणदीप हुड्डा के ओठों पर चुंबन किया था। चुंबन प्रेम की अभिव्यक्ति है। प्रत्येक चुंबन का संबध यौनिकता से होना जरूरी नहीं है, यह सभ्य व सहज भी हो सकता है। यदि फिल्मों की हर बात पर गुस्सा होने वाला सेंसर बोर्ड चुंबन दृश्यों की अनुमति दे सकता है तो हमें पूर्वाग्रही या अत्यधिक आलोचनात्मक होना उचित नहीं है।

लोकतांत्रिक राज्य बनाम तानाशाही हुकूमतें

भूपिंदर सिंह
(लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हैं)

सरकारी रीढ़ की परवाह किए बिना, ऑस्ट्रेलिया में लोकप्रिय मनोदशा अजीब पहेली का सार है : चीन के साथ संघर्ष के लिए कोई भूख नहीं है। इंडो-पैसिफिक जल में चीन के डराने वाले विस्तारवाद के साथ, ऑस्ट्रेलिया ने कोविड - 19 की उत्पत्ति की एक स्वतंत्र जांच के सुझावों के साथ वापसी की थी - एक उग्र बीजिंग ने आर्थिक संबंधों को समाप्त करके तुरंत जवाब दिया, और कैनबरा ने परमाणु पनडुब्बियों की मांग करके और गठन किया। एयूकेयूएस (ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और ब्रिटेन के बीच साझेदारी)। ऑस्ट्रेलिया के शांतिवाद और परमाणु प्रौद्योगिकी की चेतावनी को देखते हुए, आधिकारिक रुख का यह परिवर्तन महत्वपूर्ण था, हालांकि सामाजिक उदासीनता के अनुरूप नहीं, क्योंकि चीन के साथ किसी भी संभावित संघर्ष में ऑस्ट्रेलिया के लिए भागीदारी शुल्क व्यापक रूप से बहुत अधिक होने की कल्पना की जाती है। चीनी समाज को अपने विस्तारवादी शासन के विपरीत विचारों को रखने की अनुमति नहीं है, इसलिए ताइवान, जापान, ऑस्ट्रेलिया या यहां तक ??कि भारत की ओर निर्देशित युद्ध के ड्रम हमेशा के लिए धड़क रहे हैं। यदि अशांत मध्य पूर्वी रंगमंच में अमेरिका के लिए संघर्ष की भूख स्पष्ट रूप से आईएसआईएस के कब्जे वाले क्षेत्रों को पुनः प्राप्त करने के लिए निर्णायक लड़ाई में ईरानी-सीरियाई विजय की अनकही स्वीकृति के साथ कम हो गई थी, तो अफगानिस्तान से नम्र उड़ान ने तस्वीर को पूरा किया। कार्यालय में एक वर्ष, जो बिडेन ने खुले तौर पर स्वीकार किया है कि दुनिया भर में ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें हम हल नहीं कर सकते हैं - हाथ पर मुद्दा तथाकथित दुनिया में सबसे शक्तिशाली सेना की क्षमता थी। अफगानिस्तान में तालिबान मुजाहिदीन को हराने के लिए।

इससे पहले भी, 2020 में खूनी भारत-चीनी सीमा गतिरोध के दौरान, डोनाल्ड ट्रम्प की स्पष्ट रूप से मांसपेशी राजनीति के कारण पोटस ने केवल मध्यस्थता या मध्यस्थता की पेशकश की थी क्योंकि वह तैयार, इच्छुक और सक्षम थे! वास्तविक नियंत्रण रेखा पर मौजूदा मानदंडों और यथास्थिति को बदलने के लिए लगातार चीनी प्रयास भारत को रोकने के लिए छोड़ दिया गया था। आज, ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में नियमित रूप से घुसपैठ करने वाले चीनी लड़ाकू विमानों की एक रिकॉर्ड संख्या के रूप में, सावधान ताइवानी वास्तव में विचार करते हैं- क्या अमेरिका दिखाएगा? मामले में शी जिनपिंग पूर्ण एकीकरण के ऐतिहासिक कार्य के अपने खतरे को अच्छा रखने का फैसला करते हैं। भले ही बाइडेन प्रशासन ने आधिकारिक स्थिति के साथ अपनी पारंपरिक रणनीतिक अस्पष्टता को स्पष्ट रूप से छोड़ दिया है और ताइवान की सैन्य रूप से रक्षा करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया है, चीन द्वारा हमला किया जाना चाहिए, उस प्रतिबद्धता की विश्वसनीयता थोड़ी संदिग्ध है, हाल के इतिहास को देखते हुए और संघर्ष के लिए भूख की स्पष्ट कमी। हाल ही में, कजाकिस्तान के मध्य एशियाई गणराज्य में दंगे भड़क उठे, और दुनिया ने सांस रोककर देखा कि कौन सी अंतरराष्ट्रीय शक्ति कदम रखेगी। एक दूसरे के खिलाफ अलोकतांत्रिक, दमनकारी और अनुदार कजाख शासन था (अपने स्वयं के सत्ता संघर्षों को दिया गया था और अभिजात वर्ग के बीच साज़िश) पीड़ित जनता के खिलाफ जिन्होंने सुधार और आर्थिक कठिनाइयों से राहत की सख्त मांग की। अपेक्षित रूप से, सुरक्षा बलों ने 100 से अधिक प्रदर्शनकारियों को मारकर क्रूरता और अनुपातहीन रूप से जवाब दिया, यहां तक कि 20,000 डाकुओं, अच्छी तरह से समन्वित आतंकवादी समूहों द्वारा सशस्त्र आक्रमण, कट्टरपंथी इस्लामी समूहों आदि के बेजोड़ दावों को सरकार द्वारा बेतरतीब ढंग से पोस्ट किया गया था। बेशर्म शूट टू किल ऑर्डर। अमेरिका, जिसका वास्तव में इस क्षेत्र में कोई लाभ नहीं है, को गहराई से चिंतित जैसे बयानबाजी के लिए छोड़ दिया गया था, जबकि सामूहिक सुरक्षा खतरा संगठन (सीएसटीओ) के तत्वावधान में रूसियों ने 2500 सैनिकों को स्थिति को स्थिर करने के लिए भेजा था। यहां तक कि चीनियों ने भी रंग क्रांति (पश्चिम समर्थित लोकतंत्र समर्थक आंदोलनों के लिए व्यंजना) के अंशों को दूर करने के लिए आतंकवाद का विरोध के लिए समर्थन की पेशकश की। मूल रूप से, व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग के निरंकुश शासन ने एक इरादे का प्रदर्शन किया और एक अचूक संदेश भेजा कि जब भी निरंकुश संकट में हों, तो वे साथी निरंकुश लोगों से मदद मांग सकते हैं क्योंकि वे थके हुए मुक्त दुनिया के विपरीत संघर्ष की भूख को बनाए रखेंगे।

पड़ोसी यूक्रेन में बुद्धि का समवर्ती युद्ध तेज हो रहा है, रूसी सैनिकों ने संभावित आक्रमण के लिए तैयारी करते हुए, सीमाओं पर खतरनाक रूप से जमा किया है। इससे पहले 2014 में भी, रूस ने यूक्रेन से क्रीमिया को जबरन कब्जा कर लिया था और अमेरिका के नेतृत्व वाले वेस्ट ने तब से प्रतिबंधों के साथ बदतमीजी की, कोई फायदा नहीं हुआ। अब भी, बिडेन ने स्वीकार किया है कि यूक्रेन पर हमला करने से रूस का सामना करने के लिए अमेरिका एकतरफा बल का उपयोग करने जा रहा है ... अभी कार्ड पर नहीं है, असंबद्ध रूप से जोड़ा कि गंभीर परिणाम होंगे। फिर भी, यूक्रेन में किसी को भी उस तरह की बैक-अप योजना के बारे में आश्वस्त नहीं किया जाएगा क्योंकि वे जानते हैं कि रूस को रोल करना चाहिए, कुछ भी नहीं और कोई भी इसे रोक नहीं पाएगा। बिडेन ने यह स्वीकार करते हुए प्रकाशिकी को खराब कर दिया कि उनके सहयोगी रूस द्वारा यूक्रेन की एक मामूली घुसपैठ का जवाब कैसे दें, इस पर विभाजित थे, अकेले पूर्ण आक्रमण को छोड़ दें।

इस बीच, रूस (या चीन) जैसे अर्ध-तानाशाही शासन अपने कथित हितों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय निंदा के बारे में दो हूट परवाह करते हैं; इस मामले में, नाटो में शामिल होने के लिए यूक्रेन की बोली को रोकना।

असुरक्षित एक-पक्षीय शासन, चीन की तरह, अपनी सीमा पार आक्रामकता के साथ एक अमूल्य संदेश एम्बेड करते हैं, जिसका उद्देश्य उनके अपने घरेलू दर्शकों के लिए उतना ही है जितना कि उन देशों के लिए है जिन पर हमला किया गया है। महामारी के युग ने पहले से ही मुक्त दुनिया की आर्थिक स्थिति को खराब कर दिया है, और लोकतंत्र में मतदाताओं की सभी महत्वपूर्ण राय किसी बाहरी हस्तक्षेप के लिए नहीं हैं। हालांकि, चीनी या रूसी शासन जो अपने नैतिक आचरण के लिए किसी के प्रति जवाबदेह नहीं हैं, और आर्थिक रूप से अपेक्षाकृत अच्छी तरह से स्थापित हैं, संघर्ष के लिए एक बड़ी भूख बनाए रखते हैं। वन-एगेंस्ट-वन (अमेरिका बनाम चीन), प्लस एक और (रूस) के त्रिकोणीय तनाव का विकास, अंततः, सभी संघर्षों की भूख के बारे में होगा।

आप की बात

कठिन है भाजपा की डगर

इतना तो दिख रहा है। इस बार यूपी विधान सभा चुनाव, सत्तारूढ़ भाजपा को नाको चने चबवा देने वाला है। क्योंकि कुछ सप्ताह पहले तक, ये लोग कह रहे थे, हम एक तरफ़ा रूप से यूपी जीत रहे हैं। 350 से ऊपर हमारी सीटें आ रही हैं। 26 जनवरी को भी जब कुछ जाट नेताओं के साथ, गृह मंत्री अमित शाह ने, दिल्ली स्थित जाट सांसद परवेश वर्मा के घर बैठक करते हैं। उसके बाद भी ये लोग पुरे आशावादी भाव के साथ दावा करते हैं की जाट भाई बहन शुरू से बीजेपी के साथ थे,हैं और रहेंगे। मगर थोड़ी ही देर में परवेश वर्मा को संवादाताओं से, न सिर्फ, ये कहते हुए सुना बल्कि करवद्ध हो कर आरएलडी के श्री जयंत चौधरी को याचना के मुदा में वापस बीजेपी के साथ आ जाने के लिए गिड़गिड़ाते हुए देख कर लगा। इस बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इनका हालत एकदम खस्ता है। किसानों से पंगा लेकर इनलोगों ने अपने लिए मुसीबत मोल लिया है। इसीलिए तो शायद इस बार साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का खेल भी फ्लॉप साबित होने जा रहा है। पूरी देश की तरह यूपी के लोगों का भी केवल कागजी विकास हुआ है। तभी तो उप मुख्यमंत्री जैसे हस्तियों को भी गांवों से खदेड़ा जा रहा है।

\- **जंग बहादुर सिंह**, जमशेदपुर

लोकलुभावन वादे

सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर ऐसे राजनीतिक दलो पर कार्रवाई करनी की मांग की गई है। जो सत्ता में आने पर तरह तरह की सुविधाएं देने का वादा करते है। याचिका में निर्वाचन आयोग को यह अधिकार देने की मांग की गई है जो दल वादा करे ।उनका चुनाव चिन्ह जब्त कर लिया जाए। आज देश मे सत्ता में आने के लिये दलों द्वारा मतदाताओं को आकर्षित करने के लिये रेवड़ियां बाटने की बातें करते है। चुनाव जीतने के लिये मुफ्त उपहार देकर राजनीतिक दलों की प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिये बड़ा खतरा होने के साथ संविधान की भावना को ठेस पहुंचाने वाला भी है ।अक्सर किये गए वादे सरकार आने पर भी पूरे नही होते ।आज राजनीतिक दलों को देश के सबसे बड़े मुद्दे लचर प्रशासनतन्त्र को सुधारने और आजाद भारत मे लोगो तक सुशासन पहुचाने का वादा करना चाहिये ।आजादी के दीवानों ने बलिदान लोगो को अंत्योदय और सर्वोदय के लिये किया था ।लेकिन आज लोकतंत्र में जनता सुशासन के लिये तरस रही है ।निम्नश्रेणी का कर्मी जनता का अपमान कर रही है। अधिकारीवर्ग अपने को शासक समझ कर जनता के साथ व्यवहार करते हैं।

\- **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव, उन्नाव

सीमा पर सजगता जरूरी

बर्फबारी भले ही पर्यटकों को लुभाए मगर सीमा पार घात लगाने वालों के लिए यह एक बड़ा उत्तम अवसर होता है जब उन्हें घुसपैठ करने का मौका मिलता है। ताजे हालतों में इस बार भी बड़ी संख्या में आतंकवादी टकटकी लगाए सीमा के पार बैठे हैं। सेना की चौकसी के चलते आतंकवादियों के मंसूबों का पूरा हो पाना संभव नहीं लगता। हर साल बर्फबारी का सीजन हमारे लिए सजगता बरतने का संदेश लेकर आता है। इसी समय पाकिस्तान से प्रशिक्षित आतंकवादी भारत में घुसने की फिराक में रहते हैं। इस वर्ष भी लगभग 135 आतंकवादी भारतीय सीमा के पास घात लगाकर बैठे हैं ताकि मौका मिलते ही वे अंदर प्रविष्ट हो जाएं और अपने मंसूबों को अंजाम दे लेकिन भारतीय सेना की कड़ी चौकसी उनके लिए अवसर नहीं छोड़ रही है। पिछले सालों में इस सीजन में घुसपैठ में घटनाओं में कमी हमारी सजगता का ही परिणाम है। इस तरह की घटनाओं को पूरी तरह खत्म करने के लिए सेना के हाथ पूरी तरह खुले रहना चाहिए।

\- **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

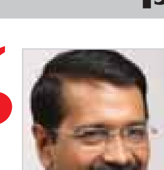

दिल्ली सरकार के अच्छे कामों पर वीडियो बनाएं और सोशल मीडिया पर शेयर करें, लोगों से केजरीवाल को मौका देने की अपील करें।

\- **अरविंद केजरीवाल**
दिल्ली के मुख्यमंत्री

हमारे देश की संप्रभुता की रक्षा करने के लिए महत्वपूर्ण है कि यूरोपीय संघ के सभी सदस्यों के बीच एकता का संरक्षण हो।

\- **वोलोदीमिर जेलेंस्की**
यूक्रेन के राष्ट्रपति

पीएम नरेंद्र मोदी जी ने मेरी तबीयत जानने के लिए फोन किया। मैं उनकी चिंता और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं।

\- **शरद पवार**
राकांपा प्रमुख

फार्मूला वही पर साथ नया

● मतदाताओं को कितनी पसंद भाएगी यह युगलबंदी?

सतीश सिंह। लखनऊ

2017 के यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा को पटखनी देने के लिए अखिलेश यादव और राहुल गांधी गठबंधन करके साथ मैदान में उतरे थे। इसे यूपी के लड़कों से लेकर यूपी को ये साथ पसंद है तक ले जाया गया। नतीजे आये तो पता चला कि 2017 के चुनाव में सपा 232 सीट से घटकर 47 पर और कांग्रेस सात सीटों पर सिमट गई। इस बार 2022 के यूपी विधानसभा के पहले चरण के मतदान में कुछ ही दिन शेष बचे हैं। इस बार भी दो युवाओं की जोड़ी साथ है। फर्क इतना है कि इस बार अखिलेश तो हैं पर उनके साथ राहुल गांधी की जगह जयंत चौधरी ने ले ली है।

पश्चिमी यूपी के जाटलैंड में सियासी आधार माने जाने वाली आरएलडी के सितारे भले ही आज गर्दिश में हों लेकिन एक दौर में किंगमेकर की भूमिका अदा करती रही है। मुजफ्फरनगर दंगे से बिगड़े जाट-मुस्लिम समीकरण के किसान आंदोलन से फिर एक बार साथ आने के कयास लगाए जा रहे हैं। यह बात दीगर है कि यह कयास सार्थक साबित होगा या फिर दंगों की टीस चुनावी बेला में फिर उभर जाएगी। इसके बारे में सिर्फ नतीजे ही बयां कर सकेंगे। फिलहाल जाट-मुस्लिम समीकरण को साथ लेकर आरएलडी के साथ सपा ने गठबंधन कर चुनाव में उतरने का फैसला किया है। जयंत-अखिलेश एक साथ मिलकर पश्चिमी यूपी में माहौल बनाने का प्रयास भी कर चुके हैं। कई चुनावी जनसभाएं दोनो नेताओं ने अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में साथ साथ की हैं।

अखिलेश को यकीन है कि किसान आंदोलन के बाद जाट-मुस्लिम समीकरण पार्टी के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। जिसको लेकर गठबंधन में अभी तक आरएलडी के खाते में 33 सीटें आई हैं। सभी दलों ने पहले

और दूसरे चरण को लेकर अपने अपने पत्ते भी खोल दिये हैं। कोरोना के चलते वर्चुअल प्रचार का दौर जारी है। हर प्रत्याशी अपने अपने हिसाब से सोशल मीडिया के माध्यम से जनता के बीच अपनी बात रख रहा है। डोर टू डोर कैम्पेनिंग भी चल रही है। अब यह तो चुनावी नतीजे ही बता पाएंगे कि इस बार दो युवाओं की जोड़ी कितना करिश्मा कर पाती है।

2012 के विधानसभा चुनाव में सपा को 21 व रालोद को नौ सीटें

2012 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो पहले चरण के अंतर्गत आने वाली 58 सीटों में से सपा के खाते में 21 सीटें आई थीं। जबकि 10 ऐसी सीटें रहीं जिन पर सपा दूसरे स्थान पर रही। वहीं 2012 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और आरएलडी मिलकर मैदान में उतरी लेकिन कोई बड़ा सियासी करिश्मा नहीं दिखा सकी। 2012 चुनाव में आरएलडी ने नौ सीटें जीती जबकि कांग्रेस ने पांच सीटें जीती थी। वहीं दो सीटों पर दूसरे स्थान पर रही। आरएलडी नौ सीटों दूसरे नंबर पर रही।

2017 के विधानसभा चुनाव में सपा को एक, आरएलडी को भी एक सीट

यूपी के लड़कों की जोड़ी जिस अंदाज में मैदान फतेह करने उतरीं थी कुछ उसी अंदाज में सिमट भी गई। पहले चरण की 58 सीटों में से समाजवादी पार्टी के खाते महज एक सीट कैराना की आई जबकि पार्टी 14 सीटों पर दूसरे स्थान पर रही। वहीं कांग्रेस की स्थिति यह रही कि वह 5 सीटों पर दूसरे स्थान पर रही। यानी पार्टी के खाते में एक भी सीट नही आई। बात अगर आरएलडी की करें तो इस चुनाव में घर की सीट छपरौली को ही बचा पाई। दो सीटों पर पार्टी उपविजेता की भूमिका में नजर आई।

पशि्चमी उत्तर प्रदेश से सपा को है बड़ी उम्मीद

शिव विजय सिंह। लखनऊ

विधानसभा चुनाव 2022 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश से समाजवादी पार्टी को बड़ी उम्मीदें हैं। सही मायने में सपा की यह उम्मीदें किसान आंदोलन के बाद से जगी हैं। यह वही पश्चिमी उत्तर प्रदेश है जिसने वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को काफी बुरी तरह से नकार दिया था और भाजपा को जीत के रथ पर चढ़ाने का काम किया।

वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पश्चिमी यूपी की 80 फीसदी यानि 109 सीटें जीती थीं। समाजवादी पार्टी के हिस्से मात्र 21 सीटें आई थीं। कांग्रेस को सिर्फ दो सीटें मिली थीं। बीएसपी को तीन सीटें मिली थीं जबकि आरएलडी को सिर्फ एक सीट से संतोष करना पड़ा था। दो साल बाद 2019 में लोकसभा चुनाव हुए तो इस बार भी पश्चिमी यूपी ने बीजेपी को निराश नहीं किया। 27 लोकसभा सीटों में से 19 सीटें बीजेपी की झोली में डाल दी थीं।

दरअसल बीजेपी के लिए पश्चिमी यूपी का समीकरण काम कर रहा था लेकिन किसान आंदोलन से शुरू हुई नाराजगी से ये समीकरण बिगड़ता दिख रहा है और बदले हुए हालात का फायदा उठाने के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने हाथ मिला लिया है। यदि हम पश्चिमी यूपी के मतदाताओं पर नजर डालें तो देखने को मिलेगा की पश्चिमी यूपी में करीब 27 फीसदी मुस्लिम हैं। 17 फीसदी जाट हैं। दलितों की संख्या 25 फीसदी है। गुर्जर करीब चार और राजपूत आठ फीसदी हैं।

पश्चिमी यूपी में 26 जिले आते हैं जहां विधानसभा की 136 सीटें हैं। पहले चरण में 10 फरवरी को 11 जिलों की 58 और दूसरे चरण में 14 फरवरी को नौ जिलों में 55 सीटों पर वोटिंग होनी है। बाकी के जो छह जिले हैं उनमें तीसरे चरण में चुनाव है। समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल की नजर

मुस्लिम और जाट वोटों पर है जो कुल वोटों का करीब 44 फीसदी है। पश्चिमी यूपी में 25 फीसदी अनुसूचित जाति के वोटर हैं जिन पर मायावती की पार्टी बीएसपी की नजर है। बीजेपी को घेरने के लिए इन्हीं जातियों के गणित के हिसाब से समाजवादी पार्टी गठबंधन और मायावती की पार्टी ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। समाजवादी पार्टी ने उम्मीदवारों की जो पहली लिस्ट जारी की उसमें से कुछ नामों को लेकर माहौल गर्म है और बीजेपी उन्हीं नामों के सहारे समाजवादी पार्टी को हिंदू विरोधी बताने की कोशिश कर रही है। अखिलेश यादव को शायद पहले से मालूम था कि उनके टिकट बंटवारे पर सवाल उठेंगे और हो सकता है इसीलिए इस विवाद से अलग समाजवादी पार्टी और आरएलडी के गठबंधन ने एक अलग समीकरण बनाने की कोशिश भी की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पहले व दूसरे चरण में जिन सीटों पर चुनाव होना है। उनमें से प्रथम चरण के अंतर्गत आने वाली सीटों में मात्र कैराना व मेरठ सीट ही मौजूदा समय में समाजवादी पार्टी के पास हैं जबकि दूसरे चरण के अंतर्गत आने वाली 55 सीटों में से नजीबाबाद,नगीना, ठाकुरद्वार,मुरादाबाद, ग्रामीण, बिलारी, सहारनपुर, कुंदरकी, असमोली, संभल, चमरौआ,अमरोहा, जलालाबाद, सहसवान,रामपुर व नूरपुर कुल 15 विधानसभा सीट ही 2017 में समाजवादी पार्टी के खाते में आई थी शेष पर उसे हार का सामना करना पड़ा था। इस दृष्टि से देखा जाए तो पश्चिम उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को जबरदस्त तरीके से मेहनत करनी पड़ेगी।

गेम चेन्जर की भूमिका में छोटे दल

कमल दुबे। लखनऊ

देश के सबसे बड़े राज्य की चुनावी जंग में बड़ी पार्टियों की कामयाबी बहुत कुछ छोटे दलों पर निर्भर रहती है। यही वजह है कि शीर्ष पार्टियां जातीय तथा सामाजिक दायरे में खास असर रखने वाली छोटी पार्टियों की अहमियत को अनदेखा नहीं कर पाती। ये छोटे-छोटे दल अपने दम पर पूरे नतीजों पर तो बहुत असर नहीं डालते लेकिन किसी बड़ी पार्टी के साथ जुड़ जाएं तो सारे गेम चेन्जर बन जाते हैं। यही वजह है कि मुख्य लड़ाई में नजर आ रहीं भाजपा और सपा जाति और समाज के हिसाब से प्रभावशाली छोटे दलों को अपने साथ जोड़ने की मुहिम में लगातार जुटी हैं। रालोद, अपना दल, सुभासपा, पीस पार्टी व निषाद पार्टी जैसे दल पिछले चुनावों में अपना प्रभाव दिखाते आए हैं। विधानसभा चुनाव की बढ़ती सरगर्मी के बीच बड़े दल छोटे दलों को साध रहे हैं तो छोटे दलों ने बड़ों से सौदेबाजी चल रही है।

विधानसभा चुनाव में भाजपा, सपा, बसपा व कांग्रेस पूरी ताकत से तैयारी के दावे कर रही हैं लेकिन मुख्य लड़ाई भाजपा और सपा के बीच नजर आ रही है। ये दोनों ही दल क्षेत्रीय व सामाजिक समीकरण साधने के लिए अपनी-अपनी जाति व समाज में काम करने वाले अलग-अलग क्षेत्रों के प्रभावशाली छोटे दलों को अपने साथ जोड़ने की मुहिम में पूरी ताकत से लगे हुए हैं। जिस भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद दो वर्ष तक एनडीए की

पुरानी सहयोगी पार्टीअपना दल की मुखिया अनुप्रिया पटेल को मंत्री नहीं बनाया, उसी ने विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही न सिर्फ अनुप्रिया को केंद्र में राज्यमंत्री बनाया बल्कि महत्वपूर्ण वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में जिम्मेदारी भी दी। इसी तरह 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए के सहयोगी बने निषाद पार्टी के नेता संजय निषाद के पुत्र प्रवीण निषाद भाजपा के टिकट पर सांसद बन गए। भाजपा ने विधानसभा चुनाव की गहमागहमी बढ़ते ही संजय निषाद को भी एमएलसी बना दिया। संजय ने अपनी ताकत दिखाने के लिए रैली की तो मुख्यमंत्री योगी व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ गृहमंत्री अमित शाह तक पहुंचे। इसी तरह हिस्सेदारी मोर्चा के घटक दलों भारतीय मानव समाज पार्टी, मुसहर आंदोलन (गरीब पार्टी), शोषित समाज पार्टी, मानवहित पार्टी, भारतीय सुहेलदेव जनता पार्टी, पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी, भारतीय समता समाज पार्टी और प्रगतिशील समाज पार्टी को जोड़ने का काम किया है। इन पार्टियों ने भाजपा के समर्थन में चुनाव में काम करने का एलान किया है।

छोटे दलों को जोड़ने की जंग में सपा भी पीछे नहीं है। अखिलेश अब तक रालोद, सुभासपा, महान दल, प्रगतिशील समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनवादी पार्टी, गोंडवाना पाटी, अपना दल कमेरावादी तथा कांशीराम बहुजन मूल निवास पार्टी से हाथ मिला चुकी है। अखिलेश यादव रालोद, सुभासपा तथा कांशीराम बहुजन मूल निवास पार्टी की रैलियों में शामिल होकर उनकी ताकत की थाह ले चुके हैं। चुनावी विशेषज्ञों का मानना हैं कि छोटे दलों के लिए चुनाव केवल जीतने के लिए नहीं अपने वर्गों की भावना की अभिव्यक्ति का माध्यम भी है। इन्हें लगता है कि बड़े दल उनके हितों से जुड़े मुद्दों को महत्व नहीं दे रहे हैं इसलिए चुनाव में अपने मुद्दों के साथ सामने आते हैं। इनका ऐसा आधार नहीं होता कि ये खुद के बलबूते राजनीतिक ताकत हासिल कर लें। इसके लिए ये बड़े दलों से जुड़ने की कोशिश करते हैं और फिर सौदेबाजी शुरू हो जाती है। भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटी निषाद पार्टी के लिए सीटों का निर्धारण भले ही न हुआ हो, लेकिन पार्टी अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद कम से कम 24 सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर चुके हैं। मछुआरा समाज में शामिल सभी जातियों को अनुसूचित जातियों में आरक्षण दिए जाने के मुद्दे पर भाजपा के साथ आए संजय को इस बात का भरोसा है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनने पर सभी मांगों का समाधान होगा।

पिछले दो विधानसभा और दो लोकसभा चुनाव में बुरी तरह से मात खाए रालोद की चाहत इस बार आसमान छूने की है। जाटों के प्रभाव वाली 136 सीटों पर रालोद का असर है। मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, आगरा, अलीगढ़ यानी छह मंडल के 26 जिलों में रालोद का प्रभाव है। माना जा रहा है सपा के साथ रालोद की 37 सीटों पर बात बन चुकी है। वर्ष 2017 के चुनाव की बात करें तो 277 सीटों पर रालोद ने उम्मीदवार उतारे थे लेकिन महज छपरौली का दुर्ग ही बच पाया। हालांकि छपरौली से जीते विधायक सहेंद्र रमाला भी भाजपा में चले गए। यही हाल लोकसभा चुनाव 2014 और 2019 में रहा। दोनों ही बार रालोद का खाता ही नहीं खुला।

सपा से अलग होने के बाद पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया बनाई। उन्होंने पूरे प्रदेश में संगठनात्मक ढांचा तैयार किया। अपनी ताकत का एहसास भी कराया। पार्टी सभी विधानसभा क्षेत्र में संगठन तैयार कर चुकी थी। इसी बीच सपा से गठबंधन हो गया। प्रसपा को कितनी सीटें मिलेंगी अभी तय नहीं है। कुर्मी जाति पर खासा प्रभाव रखने वाले अपना दल का गठन 1995 में हुआ था। 2002 में तीन विधानसभा सीटों पर जीत के साथ खाता खोला था। हालांकि पार्टी का गठन करने वाले डॉ. सोनेलाल पटेल ने कभी चुनाव नहीं जीता। वर्ष 2007 के विस चुनाव में भाजपा के साथ चुनाव लड़ने पर भी उसे एक भी सीट पर जीत नहीं मिली था। अलबत्ता 2012 के चुनाव में वाराणसी की रोहनिया सीट पर ही सफलता मिल पाई थी। वर्ष 2017 के विस चुनाव में भाजपा गठबंधन के साथ 9 सीटें जीतीं। लोकसभा चुनाव पहली बार अपना दल को 2014 में दो सीटों पर जीत मिली थी। 2019 में इन दोनों सीटों पर पार्टी कब्जा बरकरार रखा है। प्रदेश की करीब 203 सीटों पर कुर्मी जाति का अच्छा खासा प्रभाव है। पार्टी ने पूर्वांचल और बुंदेलखंड के 32 जिलों की करीब 76 सीटें ऐसी चिह्नित की हैं जिन पर कुर्मी और इनकी उपजातियों की संख्या एक लाख से लेकर दो लाख तक है।

पश्चिम में बागियों की धार कुंद करेगी शाह की रणनीति

अभिषेक रंजन। लखनऊ

चुनाव में टिकट न मिलने से हर दल के लोग नाराज होते हैं लेकिन बीजेपी इस चिरपरिचित समस्या से निपटने के लिए अपनी पुरानी रणनीति के अनुसार ही काम कर रही है। 2017 के विधान सभा चुनाव में पार्टी के चाणक्य कहे जाने वाले गृहमंत्री अमित शाह ने जिस तरह डेमेज कंट्रोल किया था उसी प्रकार शाह ने पश्चिम यूपी से प्रचार अभियान के साथ-साथ बागी तेवरों को शांत करने का काम भी शुरू कर दिया है। हालांकि बीजेपी को बागियों से भीतरघार की संभावना नजर आ रही है।

कमल खिलाने के लिए अपने चुनावी चाणक्य गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम यूपी के लिए मोर्चा संभाला है। वेस्ट यूपी में टिकट नहीं मिलने से बागी हुए अपनों को मनाकर अमित शाह फतह की रणनीति बनाने का काम कर रहे है। 21 जनवरी को अमित शाह मेरठ में वेस्ट यूपी की सभी 71 विधानसभा सीटों के भाजपा प्रत्याशियों से बात कर उन्हें जीत का मंत्र दिया। टिकट वितरण के बाद पार्टी में शुरू हुई अंदरुनी कलह को रोकने के लिए अमित शाह मैदान में उतरे हैं। 2017 की ही तरह अमित शाह ने अपनी रणनीति के तहत कुछ जाति के बड़े नेताओं से संवाद किया है और बागी प्रत्याशियों को अपने पाले में करने की कवायद भी तेज हो गई है। भाजपा कार्यकर्ताओं में अंदरुनी कलह काफी दिनों से चल रही है लेकिन टिकट वितरण के बाद कलह खुलकर सामने आ गई।

गृह मंत्री अमित शाह लगातार पिछले तीन चुनावों से यूपी में भाजपा के विकास की पटकथा लिख रहे हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव 2017 विधानसभा और 2019 के लोकसभा चुनाव में अमित शाह ने लगातार यूपी आकर मंथन किया। जनता से लेकर कार्यकर्ताओं को भाजपा की रणनीति की जानकारी देकर चुनाव में बीजेपी के लिए माहौल बनाया है। इस बार भी अमित शाह पर चुनाव की बड़ी जिम्मेदारी है। पश्चिम यूपी के इस चरण में चुनाव धीरे-धीरे गाढ़ा रंग ले रहा है और बीजेपी के कद्दावर नेताओं कैराना, मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ जैसे शहरों में घर-घर जनसर्पक तेज कर दिया है। इस बीच बीजेपी से जिन्हें टिकट नहीं मिला है वह अब अपनी ही पार्टी के खिलाफ ताल ठोंकने को तैयार है। पश्चिम की जिन सीटों पर बागी मैदान में उतर आए हैं वहां बीजेपी का प्लान बी काम कर रहा है।

विपक्षी दलों के साथ अपनों ने भी बढ़ाई मुश्किलें: मेरठ के हस्तिनापुर सीट पर बीजेपी से पूर्व विधायक गोपाल काली ने अपने बेटे को निर्दलीय चुनाव लड़ाने की घोषणा की थी लेकिन वह समय से पर्चा नहीं दाखिल कर पाए। अब वह खुलकर बीजेपी के खिलाफ सोशल मीडियाा पर प्रचार कर रहे हैं। गोपाल काली राज्यमंत्री दिनेश खटीक के खिलाफ हैं। हस्तिनापुर सीट पर गोपाल काली टिकट की दावेदारी में थे लेकिन टिकट न मिलने से नाराज हैं। जब दिनेश खटीक को राज्यमंत्री बनाया गया था तब भी गोपाल काली ने मंत्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर मोर्चा खोला था। गोपाल काली बीजेपी के पुराने नेता है और संघ में भी सक्रिय रहे हैं। गोपाल काली बीजेपी से 1991 में विधानसभा और 1994 में उपचुनाव लड़े थे। मेरठ की सिवालखास सीट पर बीजेपी ने मौजूदा विधायक जाट जितेंद्र

● कैराना से जनसपंर्क के जरिए जाट, ब्राह्मण, जाटव नेताओं से संवाद कर रहे केंद्रीय गृहमंत्री

सतवाई का टिकट काटकर जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष मनिंदर पाल सिंह को टिकट दिया है। उनको लेकर पार्टी में विरोध शुरू हो गया।

जितेंद्र सतवाई अब घर बैठे हैं और उनके करीबी जो बीजेपी के लिए काम रहे थे वह भी नाराज होकर घर बैठ गए हैं। मेरठ में बीजेपी की शहर सीट बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी की मानी जाती थी। 2017 में वाजपेयी हार गए थे। इस बार उहोंने खुद ही चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। इस बार पार्टी ने वाजपेयी के शिष्य कमलदत्त शर्मा को टिकट दिया है लेकिन कमलदत्त शर्मा के विरोध में राज्यमंत्री सुनील भराला के समर्थक आ गए। भराला ने भी चुनाव से किनारा कर लिया है। पश्चिम यूपी के प्रवक्ता राजेंद्र शर्मा का कहना है कि थोड़ी बहुत नाराजगी लोकतंत्र में हमेशा होती है। बीजेपी अनुशासित संगठन है। टिकट को लेकर कोई विरोध नहीं है। जल्द ही सभी एकजुट होकर चुनाव लड़ाएंगे और यूपी में फिर बीजेपी की सरकार बनाएंगे। अमरोहा से पूर्व मंत्री चेतन चौहान की पत्नी संगीता चौहान टिकट की दावेदार थीं लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया। वह मुरादाबाद मंडल में इकलौती बीजेपी विधायक हैं जिनका पार्टी ने टिकट काटा है। इस तरह बुलंदशहर की सदर सीट से पूर्व मंत्री वीरेंद्र सिरोही की पत्नी ऊषा चौहान का टिकट काट दिया गया। इसके साथ ही सिकंदराबाद सीट से मौजूदा विधायक विमला सोलंकी का भी टिकट उम्र की सीमा को देखते हुए नहीं दिया गया है। डिबाई से महिला विधायक डा अनीता लोधी राजपूत का टिकट काटने से भी नाराजगी हैं। उनकी जगह बीजेपी के पूर्व विधायक स्वर्गीय लोकेंद्र सिंह के बड़े भाई सीपी सिंह को टिकट दिया गया है। आगरा से पूर्व सांसद प्रभु दयाल कठेरिया ने प्रदेश उपाध्यक्ष और राष्ट्रीय परिषद के पदों से इस्तीफा देने की घोषणा की है। तीन बार के सांसद प्रभु दयाल कठेरिया अपने बेटे के लिए टिकट मांग रहे थे लेकिन टिकट नहीं मिलने से नाराज कठेरिया ने बागी सुर छेड़ा है। प्रभु दयाल कठेरिया के बेटे अरुण कांत ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। प्रभु दयाल कठेरिया ने साल 2012, 2014 और 2017 में अपने लिए टिकट मांगा था। इस सीट से बीजेपी ने बेबी रानी मौर्य को टिकट दिया है। बरेली में पूर्व मंत्री राजेश अग्रवाल के बेटे मनीष अग्रवाल को टिकट नहीं मिलने से नाराजगी है। मंत्री के बेटे ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहिर की है। मनीष ने ट्वीटर पर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। राजेश अग्रवाल वर्तमान में बीजेपी के कोषाध्यक्ष हैं। माना जा रहा था कि उनके बेटे को टिकट जरूर मिलेगा लेकिन बीजेपी ने टिकट के लिए दूसरा चेहरा चुना है। इस सीट से आरएसएस के करीबी संजीव अग्रवाल को टिकट मिला है। बरेली की बिथरी चैनपुर सीट से राजेश मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल को टिकट नहीं दिया है। बीजेपी ने इस सीट से आरएसएस के नजदीकी डॉक्टर राघवेंद्र शर्मा को टिकट दिया है। पप्पू भी घर बैठ गए हैं।

घोषित प्रत्याशियों के पाला बदलने से कांग्रेस हुई असहज

विवेक श्रीवास्तव। लखनऊ

प्रदेश में पिछले तीन दशक से अधिक समय से सत्ता का वनवास झेल रही कांग्रेस इस विधानसभा चुनाव में अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन तलाशने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी महासचिव प्रियंका वाड्रा जहां लगातार पार्टी संगठन को नए सिरे से खड़ा करने का दावा कर रही हैं वहीं दूसरी ओर एक के बाद एक पार्टी के घोषित प्रत्याशियों द्वारा टिकट मिलने के बाद पाला बदल लेने से कांग्रेस की स्थिति चुनाव से पूर्व ही असहज होती जा रही है। इतना ही नहीं कांग्रेस में चल रही उठापटक के बाद प्रियंका के नेतृत्व पर भी अंदर खाने से सवाल उठने शुरू हो गए हैं। पिछले छह महीने के भीतर कांग्रेस के कई दिग्गज नेता यूपी में पार्टी का साथ छोड़कर चले गए हैं और दूसरे दलों से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका उन नेताओं से लगा है जिनका टिकट पार्टी ने फइनल कर दिया था और टिकट मिलने के बाद उन्होंने दूसरे दलों की सदस्यता ली है। अब कार्यकर्ता भी कहने लगे हैं कि कांग्रेस के नीतिनिर्धारकों को उम्मीदवारों की पहचान नहीं है। जो नेता जमीन पर काम कर रहे हैं उन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया है। लिहाजा नेता पार्टी को अलविदा कह रहे हैं।

सबसे पहले रामपुर की चमरौआ विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी घोषित किए पूर्व विधायक युसूफअली ने पार्टी छोड़ दी। जिसके बाद वो सपा में शामिल हो गए थे लेकिन अखिलेश ने उन्हें टिकट नहीं दिया। इसके बाद रामपुर जिले की ही स्वार टांडा से कांग्रेस प्रत्याशी घोषित किए गए हैदर अली खान उर्फ हमजा मियां ने पार्टी छोड़ दी। हमजा रामपुर से सांसद रहीं बेगम नूरबानो के पोते हैं। काजिम अली रामपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी हैं और आजम खान के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। हमजा मियां ने कांग्रेस छोड़ अपना दल एस की सदस्यता ले ली है। अपना दल एस की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने

उन्हें स्वारटांडा से प्रत्याशी घोषित कर दिया है। इनके अलावा बरेली कैंट सीट से घोषित कांग्रेस उम्मीदवार सुप्रिया ऐरन और उनके पति और पूर्व सांसद प्रवीण ऐरन ने भी पार्टी छोड़ सपा की सदस्यता ले ली।

पूरब से पश्चिम तक असंतोष, दिग्गज भी कर रहे किनारा

पूर्वांचल में कांग्रेस की आवाज बुलंद करने वाले दिग्गज नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह ने भी पार्टी से किनारा कर लिया है। कांग्रेस छोड़ने वाले कुछ और ऐसे बड़े नाम हैं जिनका अपना जनाधार है। यह लोग न सिर्फ चुनाव जीतते रहे हैं बल्कि पार्टी को भी जिताते रहे हैं लेकिन अब इनका मानना है कि कांग्रेस पार्टी में फिलहाल दम नहीं है। इमरान मसूद सहारनपुर बेल्ट में प्रभावशाली नेता माने जाते हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव में जीते कांग्रेस के दो विधायक नरेश सैनी बेहट और मसूद अख्तर सहारनपुर की जीत में इमरान का ही प्रभाव माना जाता है। नरेश सैनी भाजपा और मसूद अख्तर अब सपा में जा चुके हैं।

पश्चिमी यूपी में कांग्रेस के दिग्गज नेता और जाट समुदाय का चेहरा माने जाने वाले पूर्व सांसद हरेंद्र मलिक और उनके बेटे पूर्व विधायक पंकज मलिक भी चुनाव से पहले ही कांग्रेस छोड़कर सपा में शामिल हो गए थे। प्रियंका के करीबी रहे ललितेशपति त्रिपाठी कांग्रेस को अलविदा कहकर टीएमसी में शामिल हो गए। प्रियंका बुंदेलखंड में जिन कांग्रेस नेताओं के दम पर पार्टी को मजबूत करने के लिए मशक्कत कर रही थीं उन सभी ने पार्टी छोड़ दी है। पूर्व विधायक व प्रियंका की सलाहकार समिति के सदस्य विनोद चतुर्वेदी, पूर्व विधायक गयादीन अनुरागी, महोबा के पुराने कांग्रेसी खानदान के मनोज तिवारी भी सपा में शामिल हो गए। कांग्रेस ने इन तीनों ही नेताओं को चुनावी मैदान में उतारने की तैयारी की थी। ऐसे ही कानपुर देहात में कांग्रेस के मजबूत चेहरा माने जाने वाले पूर्व सांसद राजाराम पाल भी पार्टी छोड़कर साइकिल पर सवार हो गए हैं। कांग्रेस सरकार में केन्द्रीय मंत्री रहे जितिन प्रसाद ने भाजपा का दामन थामा। पूर्व केंद्रीय मंत्री व बदायूं से पूर्व सांसद सलीम शेरवानी उन्नाव की पूर्व सांसद अन्नू टंडन, मिर्जापुर के पूर्व सांसद बाल कुमार पटेल, सीतापुर की पूर्व सांसद कैसर जहां, अलीगढ़ के पूर्व सांसद विजेन्द्र सिंह पूर्व मंत्री चौधरी लियाकत पूर्व विधायक राम सिंह पटेल पूर्व विधायक जासमीन अंसारी, अंकित परिहार और रमेश राही जैसे नेता कांग्रेस छोड़ चुके हैं।

सात में चार विधायक भी छोड़ चुके हैं साथ

2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सात सीटों पर जीत हासिल की थी। इन सात विधायकों में चार कांग्रेस छोड़कर दूसरे दलों में शामिल हो चुके हैं। इनमें तीन विधायकोंने बीजेपी का दामन थामा है तो एक सपा में शामिल हुए हैं। रायबरेली से विधायक अदिति सिंह, हरचंदपुर विधायक राकेश सिंह और सहारनपुर के बेहट से विधायक नरेश सैनी बीजेपी में शामिल हो चुके हैं, जिन्हें बीजेपी ने प्रत्याशी बनाया है। सहारनपुर देहात से कांग्रेस विधायक मसूद अख्तर पार्टी के दिग्गज नेता इमरान मसूद के साथ सपा में चले गए हैं। अब केवल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और तमकुहीराज से विधायक अजय कुमार लल्लू व कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना और कानपुर कैंट से विधायक सोहिल अख्तर अंसारी ही बचे हैं।

राष्ट्रीय पुरस्कारों को लेकर दलगत आधार पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए: कर्ण सिंह

●आजाद को पद्मभूषण दिए जाने पर कहा कि अगर साथी सम्मानित हो तो सराहना कर बधाई देनी चाहिए

भाषा। नई दिल्ली

गुलाम नबी आजाद को पद्म भूषण दिए जाने की घोषणा के बाद से कांग्रेस के कुछ नेताओं के बीच हुई कलह की पृष्ठभूमि में पार्टी के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रीय पुरस्कारों को लेकर दलगत आधार पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए और अगर अपना कोई एक साथी सम्मानित हो रहा हो तो उस पर व्यंग्यात्मक टिप्पणियां करने की बजाय उसकी सराहना करते हुए बधाई देनी चाहिए। सिंह ने यह बयान उस वक्त दिया जब आजाद को पद्म भूषण दिए जाने की घोषणा के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने उन पर कटाक्ष किया था। कर्ण सिंह ने एक बयान में कहा, इन राष्ट्रीय पुरस्कारों को लेकर दलगत आधार पर विवाद नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मैं गुलाम नबी आजाद को उस वक्त से जानता हूं जब उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी और 1971 में ऊधमपुर संसदीय क्षेत्र से मेरे दूसरे चुनाव प्रचार में वह शामिल हुए थे। उनके अनुसार, आजाद अपनी कड़ी मेहनत से आगे बढ़ते गए और अपने समर्पण तथा प्रशासनिक योग्यता के दम पर पी वी नरसिंह राव और मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकारों में कैबिनेट मंत्री रहे। सिंह ने कहा कि सात वर्षों तक राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष रहते हुए आजाद ने एक सकारात्मक और रचनात्मक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि अगर अपना कोई एक साथी सम्मानित हो रहा हो तो उस पर व्यंग्यात्मक टिप्पणियां करने की बजाय उसकी सराहना करते हुए बधाई देनी चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद को पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने की घोषणा के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने उन पर कटाक्ष किया था, हालांकि पार्टी के जी 23 समूह में शामिल कई नेताओं ने आजाद को बधाई दी और कहा कि उनके योगदान को स्वीकार किया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने बुधवार को अपनी ही पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा था कि यह विडंबना है कि कांग्रेस को आजाद की सेवाओं की जरूरत नहीं है, जबकि राष्ट्र उनके योगदान को स्वीकार कर रहा है। पद्म सम्मानों की घोषणा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री आजाद को सार्वजनिक मामलों में उनके योगदान के लिए पद्म भूषण से नवाजा जाएगा। रमेश ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की ओर से पद्म भूषण सम्मान को अस्वीकार किए जाने को लेकर आजाद पर कटाक्ष करते हुए ट्वीट किया था, यही सही चीज थी करने के लिए। वह आजाद रहना चाहते हैं गुलाम नहीं।

आजाद को पद्म सम्मान देने का फैसला राजनीति पर आधारित: मोइली

भाषा। बेंगलुरु

वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली ने बृहस्पतिवार को कहा कि गुलाम नबी आजाद को पद्म भूषण देने का नरेंद्र मोदी सरकार का फैसला राजनीति पर आधारित है, न कि गुण-दोष पर आधारित। उन्होंने कहा कि यदि जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री समझते हैं कि इससे कांग्रेस पार्टी के हितों को नुकसान होगा तो उन्हें यह सम्मान स्वीकार नहीं करना चाहिए।

मोइली ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने एक राजनीतिक फैसला किया है। उन्होंने राजनीतिक तौर पर एक निर्णय लिया है, न कि गुण-दोष या किसी अन्य आधार पर। अब उन्हें (आजाद को इस सम्मान को ग्रहण करने या न करने के बारे में) फैसला करना है। उन्होंने कहा कि इसे स्वीकार करने से पहले आजाद को सोचना चाहिए कि क्या ऐसा करना पार्टी हित में है या नहीं।

राज्यपाल ने ममता पर लगाया संविधान का अतिक्रमण करने का आरोप

●मुख्यमंत्री के क्रियाकलाप से एनएचआरसी की शासक का कानून वाली टिप्पणी सही साबित होती है: धनखड़

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने ममता बनर्जी सरकार पर ताजा हमला करते हुए मुख्यमंत्री पर संविधान का अतिक्रमण करने का आरोप लगाया और दावा किया कि बनर्जी के क्रियाकलाप एनएचआरसी की समिति की उस टिप्पणी को सही ठहराते हैं कि राज्य में कानून का शासन नहीं बल्कि शासक का कानून है। राज्यपाल ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा की जांच के लिए गठित समिति का हवाला दिया।

बनर्जी को मंगलवार को लिखे पत्र में, धनखड़ ने राज्य सरकार पर, राज्यपाल को वांछित जानकारी उपलब्ध नहीं कराने का आरोप लगाया और कहा कि यह बनर्जी का संवैधानिक दायित्व है कि वह राज्य के प्रशासनिक मामलों से जुड़ी सूचनाएं मुहैया कराएं। धनखड़ का पत्र बृहस्पतिवार को सार्वजनिक किया गया जिसमें कहा गया, संविधान का लगातार अतिक्रमण किया जा रहा है जिससे राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की वह टिप्पणी सही साबित होती है कि राज्य में कानून का शासन नहीं बल्कि शासक का कानून चलता है। पत्र में उन्होंने कहा कि अगर राज्यपाल कोई सूचना मांगते हैं तो वह उनसे छुपाई नहीं जा सकती और ऐसा करना यह संकेत देता है कि राज्य सरकार संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार नहीं चल रही।

भाजपा विधायक को 10 दिन तक गिरफ्तार न करने का निर्देश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र पुलिस को सिंधुदुर्ग जिले में दर्ज हत्या की कोशिश के एक मामले में 10 दिन तक भारतीय जनता पार्टी के विधायक नितेश राणे को गिरफ्तार नहीं करने का नर्देश दिया। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने केन्द्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे नितेश राणे की अग्रिम जमानत याचिका का निस्तारण करते हुए उन्हे दस दिन के भीतर निचली अदालत में समर्पण करने का निर्देश दिया और इस मामले में नियमति जमानत के लिए याचिका दाखिल करें। बंबई उच्च न्यायालय ने 17 जनवरी को मामले में नितेश राणे को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने कहा था कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मामले की उचित जांच के बीच संतुलन की जरूरत है। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने नितेश राणे और अन्य आरोपी संदेश सावंत की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, लेकिन मामले के एक अन्य आरोपी मनीष दलवी की याचिका को स्वीकार कर लिया था।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the public at large, on behalf of our client, ICICI Bank Ltd., ("Bank"), that the original Allotment letter and other connected documents (hereinafter collectively referred as "Documents") listed herein below pertaining to the immovable property (More particularly described in "Schedule) of Mr. Ravi Chawla deposited with our client by way of security, have been misplaced from the custody of our client. "Allotment Letter dated June 27,1988, 5 Nos of Receipt issued by DDA dated Feb 14, 1984, Dec 22, 1984, Feb 16, 1985 , Jun 24, 1985. Jul 12, 1988, Possession slip dated Mar 13, 1989 and Demand letter dated Jan 15, 1984, executed by Delhi Development Authority in favour of Ved Prakash Chawla in respect of Flat No-B-1/1256, Sec-B, Pocket-I, Vasant Kunj, New Delhi - 110070. Any person(s) coming into possession of the aforesaid Documents and / or any person(s) who is/are having knowledge of the whereabouts of the Documents, are hereby requested to intimate the undersigned forthwith, about the same at the below address. Public are warned not to deal with the Documents and any person receiving or dealing with the said Documents would do so at their own risk and responsibility (including criminal liability) and our client shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person(s) on account of any such unauthorised dealing. In the event no information is received within 15 days from date hereof, our client will proceed to take such action including applying to concerned authorities for issue of duly Certified Copies of the Documents.

SCHEDULE

A residential Flat No. 1256, Pocket - I, Sector B, Floor No. 3rd in the layout plan of Housing Estate at Vasant Kunj , New Delhi - 110070.

Mittal & Mittal Co. Advocates
614, 6" Floor, R.G. Trade Tower,
Netaji Subhash Place, Pitampura,
Delhi - 110 034.
Ph.9811191761, 9891188839
E-mail: mittal782004@yahoo.co.in

मुंबई के विवेक कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होकर रचा इतिहास

मुंबई। विवेक कॉलेज ऑफ कॉमर्स, गोरेगांव, मुंबई के लिए 26 जनवरी 2022 का दिन ऐतिहासिक रहा। विवेक कॉलेज ऑफ कॉमर्स मुंबई टीम ने महाराष्ट्र प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए 26 जनवरी के दिन राजपथ नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड समारोह में वंदे भारतम सांस्कृतिक नृत्य उत्सव में हिस्सा लेकर इतिहास रच दिया। देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, अनेकों कैबिनेट मंत्रियों के साथ साथ वहां पर उपस्थित हजारों गणमान्य लोगों ने वंदे भारतम नृत्य प्रस्तुति की सराहना की तथा देश-विदेश के करोड़ों लोगों ने दूरदर्शन के माध्यम से इस सांस्कृतिक प्रस्तुति का सजीव प्रसारण देखा। विवेक कॉलेज की टीम संस्कृति और रक्षा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 75वें अमृत महोत्सव के राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया था और महाराष्ट्र प्रदेश से विजयी होने के पश्चात नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम वंदे भारतम में सम्मिलित होने का गौरव प्राप्त किया।

अश्विनी वैष्णव व मांडविया से मिले हिमाचल के मुख्यमंत्री

●हिमाचल में रेलवे विस्तार व स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए किया आग्रह, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी दिए महत्वपूर्ण सुझाव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश में रेल नेटवर्क के विस्तार व नई रेल लाइन के निर्माण व राज्य को बल्क ड्रग पार्क, पहाड़ी क्षेत्रों के लिए 50 से अधिक एंबुलेंस की मांग को लेकर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर गुरुवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया से मिले। इस अवसर पर केंद्रीय सूचना-प्रसारण और युवा कार्य एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी हिमाचल के विकास के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भानुपल्ली-बिलासपुर रेल लाईन सर्वेक्षण पूरा होने व कार्य पर चर्चा की। सीएम ने कहा कि बद्दी-चंडीगढ़ रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण हो चुका है जिसपर शीघ्र कार्य शुरू कराया जाए। उन्होंने जगाधरी-पांवटा साहिब रेल लाईन के सर्वेक्षण का भी आग्रह किया। उन्होंने रेल मंत्री से कालका-शिमला रेल ट्रैक को स्तरोन्नत करने का आग्रह किया। उन्होंने जोगिन्द्रनगर और ऊना-हमीरपुर रेल लाईन के बारे में भी चर्चा की।

रेल मंत्री ने मुख्यमंत्री को भानुपल्ली.बिलासपुर रेल लाइन को शीघ्र पूरा करने के लिए राशि बढ़ाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया से पहाड़ी क्षेत्रों के लिए 50 एम्बुलेंस स्वीकृत करने, राज्य में आशा कार्यकर्ताओं की कमी दूर करने को राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत 58 और राज्य के शहरी क्षेत्रों के लिए 176 आशा कार्यकर्ताओं के पद स्वीकृत करने का आग्रह किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने औद्योगिकरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य को बल्क ड्रग पार्क प्रदान करने का भी आग्रह किया।

गुमशुदा की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक महिला जिसका नाम **बबिता पत्नीः** ओमप्रकाश **निवासीः** म.नं. एफ-12, संजय कॉलोनी, भाटी माईन्स, नई दिल्ली है। जिसका ब्यौरा इस प्रकार है **उम्रः** 28 वर्ष, **कदः** 5'5'', **रंगः** साफ, **चेहराः** गोल, **शरीरः** सामान्य, जिसने लाल रंग का प्रिंटिड कुर्ता और सलवार पहना है, जो कि अपने बच्चों **पुत्री (1) मानसी, उम्रः** 4 वर्ष व **पुत्र (2) विकास, उम्रः** 6 वर्ष के साथ अपने घर से दिनांक 23.11.2021 से दोपहर 3:00 बजे से लापता है,। इस संदर्भ में **डीडी नं. 16ए, दिनांक 12.12.2021 को थाना मैदान गढ़ी, नई दिल्ली में दर्ज है।**

हर संभव कोशिश के बाद भी इस महिला व उसके बच्चों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। अगर किसी को इनके बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया निम्नलिखित फोन नम्बरों पर सूचित करें।

वेबसाईटः http://cbi.nic.in
ई-मेलः cic@cbi.gov.in
फैक्सः 011-24368639
फोन नं.: 011-24368638, 24368641

थानाध्यक्ष
थाना मैदान गढ़ी, नई दिल्ली
फोन नं.: 011-26653615, 8750870825

DP/04/SD/2022

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं विधानपरिषद सदस्य ने पार्टी छोड़ने का फैसला किया

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानपरिषद में विपक्ष का नेता नहीं बनाए जाने से नाखुश वरिष्ठ कांग्रेस नेता सी एम इब्राहिम ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने पार्टी और पद छोड़ने का फैसला किया है। कांग्रेस विधायक दल के नेता सिद्धरमैया पर बार बार निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वह शीघ्र ही अपने अगले राजनीतिक कदम की घोषणा करेंगे। वैसे वह लंबे समय तक सिद्धरमैया के करीबी रहे हैं। इब्राहिम ने कहा कि मैं खुश हूं कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मुझे उस बोझ से मुक्त कर दिया जो मेरे ऊपर था, अब मैं अपना निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हूं।

मैं शीघ्र ही राज्य में अपने शुभचिंतकों से बात करूंगा। यहां अब कांग्रेस मेरे लिए बंद अध्याय है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि वह सिद्धरमैया की खातिर और उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के लिए कांग्रेस से जुड़े थे। उन्होंने इस संबंध में अपने प्रयास गिनाए।

उन्होंने कहा कि बस इस व्यक्ति (सिद्धरमैया) की खातिर मैंने देवगौड़ जैसे नेता और जनता दल को छोड़ा, लेकिन उन्होंने मुझे क्या दिया?

पांच दंपती आजमा रहे हैं राजनीतिक तकदीर

गोवा विधानसभा चुनाव

भाषा। पणजी

गोवा विधानसभा चुनाव में कई राजनीतिक दलों के मैदान में उतरने से जहां मुकाबला बहुकोणीय हो गया है, वहीं पांच दंपतियों के किस्मत आजमाने से भी यह रोचक बन गया है। यदि वे सभी जीत जाते हैं तो गोवा की 40 सदस्ईय विधानसभा के एक चौथाई सदस्य पति-पत्नी होंगे।

फिलहाल सत्तासीन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दो दंपतियों को चुनाव मैदान में उतारा है, वहीं अपने एक ऐसे नेता को टिकट दिया है जिनकी पत्नी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनावी अखाड़े में होंगी। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने भी एक-एक दंपती को टिकट दिया है।

भाजपा नेता और स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे वालपोई निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं जबकि उनकी पत्नी देविया ने पोरिएम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर नामांकन पत्र भरा है। दिलचस्प बात यह है कि फिलहाल देविया के ससुर प्रतापसिंह राणे पोरिएम से कांग्रेस विधायक हैं। कांग्रेस ने इस निर्वाचन क्षेत्र से फिर उन्हें चुनाव मैदान में उतारा है। देविया राणे अपना पहला चुनाव लड़ रही हैं। भाजपा ने एटानासियो मोंसेरट्टे को पणजी विधानसभा सीट से एवं उनकी पत्नी जेनिफर को तालीगाव निर्वाचन क्षेत्र से अपना प्रत्याशी बनाया है। जेनिफर ने 2017 में कांग्रेस के टिकट पर तालीगाव से विधानसभा चुनाव जीता था जबकि उनके पति मोंसेरट्टे मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के निधन के बाद 2019 में पणजी में हुए उपचुनाव में कांग्रेस के टिकट पर विजई हुए थे। दोनों कांग्रेस के आठ अन्य विधायकों के साथ 2019 में भाजपा में शामिल हो गए थे।

उपमुख्यमंत्री चंद्रकांत कावलेकर और उनकी पत्नी सावित्री कावलेकर भी चुनाव मैदान में हैं। चंद्रकांत कावलेकर अपनी पारंपरिक क्वेपेम सीट से भाजपा प्रत्याशी हैं जबकि सावित्री पार्टी से टिकट नहीं मिलने पर सांग्वेम से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस ने माइकल लोबो तथा उनकी पत्नी डेलिया को क्रमशः कालनगुट और सियोलिम से प्रत्याशी बनाया है। पूर्व मंत्री माइकल अपनी पत्नी को भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर पार्टी छोड़कर कांग्रेस में आ गए थे।

भाजपा राजनीतिक लाभ के लिए हिंदुओं को कठपुतली के रूप में इस्तेमाल कर रही: टीएमसी नेता

पणजी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उपाध्यक्ष पवन वर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी असली हिंदुत्व के लिए खड़ी है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अल्पकालिक राजनीतिक लाभ पाने के लिए हिंदुओं का कठपुतली के रूप में इस्तेमाल करती है। वर्मा ने यहां पत्रकारों से कहा कि लोगों को बांटने के लिए धर्म का इस्तेमाल करना गोवा, गोवावासियों और गोवापन का अपमान है। वर्मा ने आरोप लगाया, मैं आपको संक्षेप में बताना चाहता हूं कि टीएमसी वास्तविक हिंदुत्व के लिए खड़ी है, जो समावेशिता, सहिष्णुता, बहुलवाद, मिलनसारिता और विविधता के पक्ष में है। दुर्भाग्य से भाजपा का हिंदुत्व विकृत रूप में है और वह नफरत, कट्टरता, बहिष्कार, विभाजन और हिंसा के लिए धर्म का इस्तेमाल करने का प्रयास करती है। वर्मा ने कहा कि टीएमसी संविधान के तहत सभी धर्मों के सम्मान के लिए खड़ी है और यह सम्मान भारत की विरासत है। उन्होंने कहा, जब टीएमसी जैसी राजनीतिक पार्टी कहती है कि वह वास्तविक हिंदुत्व के लिए खड़ी है, तो अर्थ यह है कि वह सद्भाव, समावेशिता, शांति और सामाजिक स्थिरता के लिए सभी धर्मों का सम्मान करने को लेकर प्रतिबद्ध है। वर्मा ने कहा कि टीएमसी की संस्थापक और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का विचार है कि चुने हुए प्रतिनिधियों को लोगों के हित के लिए काम करना चाहिए, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी का मतदान प्रतिशत पिछले विधानसभा चुनाव में 44 प्रतिशत से बढ़कर 49 प्रतिशत हो गया क्योंकि सभी धर्मों के लोगों ने पार्टी को वोट दिया था।

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय:** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर -23, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली -110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तिय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार/सह-कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	अमृत मान/ अंबिका गौतम/ तान्या ट्रेडर्स/ LBGUR00005053493	प्लॉट नंबर I/4417, खसरा नंबर 815- 556, पहली मंजिल, ग्राम सिकदरपुर मंडोली रोड राम नगर एक्सटेंशन शाहदरा, दिल्ली/ 25 जनवरी, 2022	जुलाई 26, 2021 ₹ 92,35,236/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	चंदर मोहन सेठी/ सेठी एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड/ मयंक सेठी/ सीमा सेठी/ सेठी बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड/ LBDEL00002006350	हाउस नंबर-ई 18 प्रीत विहार, दिल्ली/ 25 जनवरी, 2022	सितम्बर 25, 2021 ₹ 2,86,34,975/-	दिल्ली/ एनसीआर
3.	रघु नाथ मंडल/ राखी मंडल/ LBDEL00004636444	फ्लैट नंबर -115, पहली मंजिल, डीडीए जनता फ्लैट, साउथ एन्क्लेव डॉ अंबेडकर नगर, दक्षिण पुरी, दिल्ली/ 25 जनवरी, 2022	अक्टूबर 16, 2021 ₹ 17,43,364/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह-कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णतः नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: जनवरी 28, 2022
स्थान: दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

गिरिडीह में नक्सलियों ने रेल लाइन उड़ायी

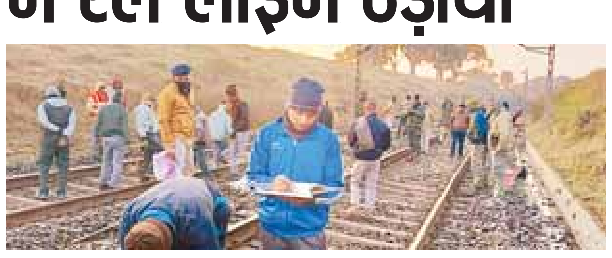

भाषा। गिरिडीह (झारखंड)

प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के उग्रवादियों ने 24 घंटे के अपने बिहार और झारखंड बंद के दौरान बुधवार रात गिरिडीह जिले में विस्फोट कर रेल लाइन के एक हिस्से को क्षतिग्रस्त कर दिया। इससे वहां रेल परिचालन करीब छह घंटे तक बंद रहा, जो बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े छह बजे बहाल किया गया।

रेलवे सुरक्षा बल के वरिष्ठ कमांडेंट हेमंत कुमार ने बताया कि चिचाकी और चौधरी बांध रेलवे स्टेशन के बीच बुधवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे विस्फोट की सूचना पर रेल परिचालन रोक दिया गया था। आज पटरी को ठीक करने के बाद सुबह करीब साढ़े छह बजे रेल परिचालन बहाल किया गया। हेमंत ने बताया कि विस्फोट के कारण पटरियों का पैनल क्लिप टूट गया था। नक्सलियों ने लाइन में विस्फोट किया था। हालांकि, रेल पटरी को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा था। प्रतिबंधित संगठन ने झारखंड पुलिस द्वारा अपने शीर्ष नेता प्रशांत बोस उर्फ किशन दा की गिरफ्तारी के विरोध में बुधवार को 24 घंटे के बंद का आह्वान किया था। बोस पर एक करोड़ रुपए का इनाम था। गिरिडीह के पुलिस अधीक्षक अमित रेणु देर रात ही घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने अपने अधीनस्थ अधिकारियों को मामले की जांच के निर्देश दिए। इस घटना के बाद नई दिल्ली-हावड़ा लाइन पर एक दर्जन ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों पर रोकना पड़ा।

मालेगांव से सभी 28 कांग्रेस पार्षद राकांपा में शामिल : मलिक

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने दावा किया है कि महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव शहर में महापौर सहित कांग्रेस के सभी 28 पार्षद बृहस्पतिवार को राकांपा में शामिल हो गए। राकांपा के प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा कि मालेगांव के महापौर सहित कांग्रेस के 28 पार्षद मुंबई में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और राकांपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हुए। हालांकि कांग्रेस ने कहा कि मालेगांव नगर निगम (एमएमसी) में पार्टी के 28 सदस्यों में से 27 राकांपा में शामिल हो गए हैं। राकांपा और कांग्रेस दोनों राज्य में शिवसेना के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार में सहयोगी हैं। 84 सदस्ईय निकाय में राकांपा के पहले से ही 20 पार्षद हैं। एमएमसी में शिवसेना के 13, भाजपा के 9, एआईएमआईएम के 7, जद (एस) के 6 और एक निर्दलीय सदस्य है। पाटिल और पवार दोनों ने कहा कि मालेगांव में अगले विधानसभा चुनाव में राकांपा का विधायक होगा और पार्टी शहर के विकास के लिए काम करेगी।

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय:** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर -23, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली -110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तिय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार/सह-कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	कंचन/ रोहित कुमार/ LBDEH00003562693	फ्लैट नंबर 606, छठी मंजिल, टॉवर-ए, द कैपिटल, आर3 और आर4, आवासीय सेक्टर II ई, आईआईटी पार्क, टचवुड स्कूल के सामने, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून, उत्तराखंड/ 25 जनवरी, 2022	अक्टूबर 13, 2021 ₹ 10,82,736/-	देहरादून/ गाज़ियाबाद/ दिल्ली

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह-कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णतः नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: जनवरी 28, 2022
स्थान: गाज़ियाबाद

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय:** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर -23, शाल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

सार्वजनिक सूचना - संरक्षित संपत्ति की बिक्री हेतु निविदा-सह-नीलामी

नियम 8 (6) का परंतुक देखें,

अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

अचल संपत्तियों के विक्रय के लिये ई-नीलामी विक्रय सूचना वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पून: निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत सहठित प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन नियम, 2002 की धारा 8(6) के साथ अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी की गई है।

सर्वजन तथा व्यक्तिगत रुप से कर्जदार एवं जमानतदार को इस सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे दर्शायी गई अचल संपत्ति के संरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/ अधिभारित है उनका भौतिक अधिग्रहण आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (संरक्षित ऋणदाता) के प्राधिकृरित अधिकारी द्वारा कर लिया गया है एंव दर्शाये विवरण अनुसार उनके द्वारा "जहाँ है, जैसी है" एवं जैसी है, वैसी है " एवं जिस भी स्थीत में है " के आधार पर अचल संपत्ति के विक्रय के लिये प्रस्ताव आमंत्रित किये जा रहे है :-

क्र. सं.	कर्जदार (रों)/ सह-कर्जदारों/ गारंटरों का नाम/ ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्ति का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई	बकाया राशि (रू. में)	सुरक्षित मूल्य (रू. में) / धरोहर राशि जमा (रू. में)	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	नीलामी की तिथि एवं समय
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)
1.	नरेश शर्मा (सह-कर्जदार), दिनेश कुमार शर्मा (सह-कर्जदार) LBBWD00001489600	फ्लैट नंबर 601, टॉवर सी, 6 मंजिल, स्काई व्यू अपार्टमेंट, प्लॉट नंबर जीएच -02 में स्थित, वसुंधरा नगर, भिवाड़ी राजस्थान. क्षेत्र 1638 वर्ग फीट	रू. 26,63,860/- (जनवरी 20, 2022 तक)	रू. 20,25,000/- / रू. 2,02,500/-	फरवरी 04, 2022 को दो. 12:00 बजे से दो. 01:00 बजे तक	फरवरी 19,2022 सु. 11:00 बजे से

ऑनलाइन नीलामी हमारी नीलामी संस्था मैसर्स नेक्सजेन सॉल्युशन्स प्राइवेट लिमिटेड की, वेबसाइट **(URL Link https://disposalhub.com)** पर संचालित होगी। बंधकदाताओं/ सूचना प्रेषितकर्ताओं को **फरवरी 18, 2022** को **शाम 05.00** बजे से पूर्व तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अतिंम अवसर दिया जाता है, जिससे विफल रहने पर यह संरक्षित सम्पतियों की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।

संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) को बयाना राशि (ईएमडी) डिमाण्ड ड्राफ्ट (डीडी) (सारणी **ई** संदर्भ करें) जो **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर -23, शाल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005** में जमा करना अनिवार्य है एवं इसके पश्चात् वे अपना प्रस्ताव उपरोक्त वर्णित वेबसाइट के माध्यम से ईएमडी के भुगतान साक्ष्य अर्थात बैंक डीडी पावति की स्कैन इमेज सहित दिनांक- **फरवरी 18, 2022** तक **शाम 05.00** बजे से पूर्व जमा करे। कृपया नोट करें कि संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) वेबसाइट के माध्यम से उनके प्रस्ताव को जमा कराने में विफल रहने पर वे **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर -23, शाल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005** में निविदा प्रलेखों की हस्तांक्षरित प्रति को दिनांक **फरवरी 18, 2022** को **शाम 05.00** बजे से पूर्व तक जमा करवा सकते हैं। बयाना राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट पे आर्डर किसी भी राष्ट्रीयकृत/ शैडूल्ड बैंक द्वारा **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** के पक्ष में **दिल्ली** शाखा में भुगतान हेतु होना चाहिए।

सम्पति अवलोकन, नीलामी के नियम एवं शर्तो तथा निविदा प्रक्रिया के संदर्भ में स्पष्टीकरण हेतु कृपया **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** को फोन नंबर **8657476284** या मैसर्स **नेक्सजेन साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड** को फोन नंबर **9710029933/ 9810029926/ 01244233933** पर संपर्क करे।

कृपया नोट करें कि मार्केटिंग एजेंसिया **1. नेक्सजेन साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड 2. ओजीओ असेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड** इस सम्पति की बिक्री में सुगमता हेतु सलंग्न है।

प्राधिकृत अधिकारी बिना किसी कारण दर्शाये किसी एक अथवा अधिक निविदा अथवा बोली को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखते है।

बिक्री की विस्तृत नियमो एवं शर्तो हेतु कृपया वेबसाइट **www.icicibank.com/n4p4s** पर संपर्क करे।

तिथि : जनवरी 28, 2022
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

वैश्विक बाजारों में गिरावट, सेंसेक्स 581 अंक टूटा

भाषा। मुंबई

वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 581 अंक लुढ़क गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मार्च से नीतिगत दर को सख्त किए जाने के संकेतों के बीच बाजार में गिरावट रही। कारोबारियों के अनुसार, डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर में गिरावट और विदेशी पूंजी की निकासी जारी रहने से भी धारणा पर प्रतिकूल असर पड़ा।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 581.21 अंक यानी एक प्रतिशत लुढ़ककर 57,276.94 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 167.80 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,110.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एचसीएल टेक का शेयर 4.17 प्रतिशत लुढ़ककर सर्वाधिक नुकसान में रहा। इसके अलावा टेक महिंद्रा, डॉ. रेड्डीज, विप्रो, टीसीएस, टाइटन और इन्फोसिस के शेयर भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में एक्सिस बैंक, एसबीआई, मारुति, कोटक बैंक, सन फार्मा और इंडसइंड बैंक शामिल हैं। इनमें 2.81 प्रतिशत की तेजी रही। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने बुधवार को नीतिगत दर में कोई बदलाव नहीं किया लेकिन मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिए ब्याज दर बढ़ाने के संकेत दिए। अमेरिकी केंद्रीय बैंक के चेयरमैन जेरोम पावेल ने कहा कि मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिए मार्च में ब्याज दर बढ़ाई जा सकती है और वृहत स्तर पर जारी बांड खरीद कार्यक्रम को समाप्त किया जा सकता है। निवेशकों के बीच इस बात की आशंका है कि नीतिगत दर में वृद्धि के बाद भारत जैसे उभरते देशों से विदेशी पूंजी निकासी बढ़ेगी।

एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा, फेडरल रिजर्व ने प्रमुख नीतिगत दर में बदलाव नहीं किया लेकिन आक्रामक रुख अपनाने के बयान से वैश्विक बाजारों में गिरावट आई जिसका प्रतिकूल असर घरेलू बाजार पर भी पड़ा। उन्होंने कहा, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारतीय शेयर बाजारों से लगातार मुनाफावसूली कर रहे हैं। कुछ शेयरों में तेजी रही। पीएसयू बैंक सूचकांक दोपहर के कारोबार में पांच प्रतिशत मजबूत हुए। वाहन शेयरों के समर्थन से बाजार में थोड़ा सुधार आया। आईटी और दवा शेयरों में मुनाफावसूली देखी गई, जबकि तिमाही परिणाम के बीच कपड़ा शेयरों की मांग रही।

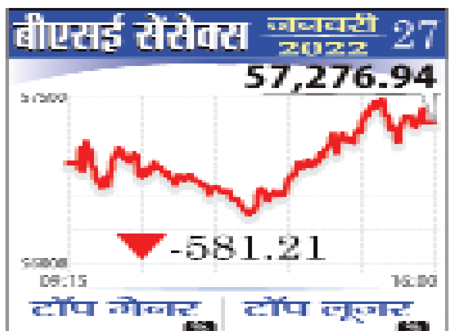

टॉप गेनर		टॉप लूजर	
एक्सिस बैंक	2.81	एचसीएल टेक	-4.17
स्टेट बैंक	2.75	टेक महिंद्रा	-3.66
मारुति सुजुकी	2.52	डॉ रेड्डीज लैब्स	-3.42
कोटक महिंद्रा	2.02	विप्रो	-3.22
सन फार्मा	0.64	टीसीएस	-3.18

टॉप गेनर		टॉप लूजर	
एक्सिस बैंक	3.28	एचसीएल टेक	-3.93
स्टेट बैंक	2.79	टेक महिंद्रा	-3.57
सिप्ला	2.31	डॉ रेड्डीज लैब्स	-3.38
मारुति सुजुकी	2.31	टीसीएस	-3.13
कोटक महिंद्रा	2.18	विप्रो	-3.09

पीटीआई ग्राफिक

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि वैश्विक बाजारों में अधिक उतार-चढ़ाव से घरेलू बाजार में गिरावट रही। उन्होंने कहा, एफओएमसी (फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) की बैठक का परिणाम आ चुका है, हम उम्मीद करते हैं कि बाजार में अब कुछ स्थिरता आएगी। हालांकि, कंपनियों के तिमाही परिणाम और आगामी बजट से बाजार को कुछ असर देखने को मिल सकता है। मिश्रा ने कहा, बैंक शेयरों में हाल की तेजी निश्चित रूप से उत्साहजनक है लेकिन अच्छी तेजी के लिए अन्य क्षेत्रों के समर्थन की जरूरत है...।

एशिया के अन्य बाजारों में चीन में शंघाई कंपोजिट सूचकांक, हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख था। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.16 प्रतिशत गिरकर 89.82 डॉलर प्रति बैरल रहा। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर 31 पैसे टूटकर 75.09 पर आ गई। शेयर बाजार में आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 7,094.48 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

क्विक न्यूज

हरित हाइड्रोजन नीति का अगले दस दिन में अनावरण किया जाएगा: आरके सिंह

नई दिल्ली (भाषा)। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगले 10 दिन में हरित हाइड्रोजन नीति का अनावरण किया जाएगा, जिसमें ऊर्जा के इस स्वच्छ स्रोत के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 25 वर्ष तक निःशुल्क पारेषण जैसे प्रोत्साहन शामिल है। उद्योग मंडल सीआईआई की ओर से स्मार्ट मीटरिंग विषय पर आयोजित ऑनलाइन सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, हम अगले दस दिन में हरित हाइड्रोजन नीति लेकर आएंगे। हम 25 वर्ष तक निःशुल्क पारेषण देंगे। आप राजस्थान में हाइड्रोजन बनाने के लिए बिजली पैदा कर सकते हैं या इसे गुवाहाटी में बरौनी रिफाइनरी (हाइड्रोजन बनाने के लिए) भेज सकते हैं। सिंह ने यह भी कहा कि नीति में डॉलर मूल्यवर्ग की बोलियां, अक्षय ऊर्जा पार्कों में भूमि की पेशकश और हरित हाइड्रोजन या अमोनिया की खातिर बंदर बनाने के लिए बंदरगाहों के पास भूमि आवंटन की सुविधा होगी। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि भारत हरित हाइड्रोजन के निर्यातक के रूप में उभरे।

हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा आईजेडए के कार्यकारी चेयरमैन चुने गए

नई दिल्ली (भाषा)। हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरुण मिश्रा को अंतरराष्ट्रीय जस्ता संघ (आईजेडए) का कार्यकारी चेयरमैन चुना गया है। एक बयान में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि मिश्रा यह पद संभालने वाले भारत और एशिया के पहले व्यक्ति है। वही मिश्रा ने कहा, आईजेडए के कार्यकारी चेयरमैन का पद संभालना मेरे लिए गौरव की बात है। मै अपने पूर्ववर्तियो की तरह उत्कृष्टता की परंपरा को जारी रखूंगा। उन्होंने कहा, आईजेडए के पास पेशेवरों की एक असाधारण टीम है और मै जिंक की वैश्विक मांग को बढ़ाने और मानव स्वास्थ्य, फसल पोषण, टिकाऊविकास और आधुनिक जीवन के लिए इसकी अनिवार्यता को बढ़ावा देने को मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। आईजेडए एक गैर-लाभकारी संगठन है जो वैश्विक जस्ता उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है। इसका मिशन शोध एवं विकास, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और विशिष्ट विशेषताओ के जरिए जिंक उत्पादो और बाजारो को प्रोत्साहन देना है।

भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में वर्ष 2030 तक दस लाख लोगों को रोजगार देने की क्षमता: रिपोर्ट

नई दिल्ली (भाषा)। भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 2030 तक लगभग 10 लाख लोगो को रोजगार देने की क्षमता है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस क्षेत्र मे सबसे अधिक नौकरियां लघु स्तर की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं से पैदा होंगी। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू), प्राकृतिक संसाधन रक्षा परिषद (एनआरडीसी) और हरित रोजगार के लिए कौशल परिषद (एससीजीजे) द्वारा बृहस्पतिवार को जारी स्वतंत्र अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र संभावित रूप से 2030 तक लगभग 10 लाख लोगों को रोजगार दे सकता है। यह इस क्षेत्र द्वारा पहले लगाए 1.1 लाख के अनुमान से दस गुना अधिक है। सीईईडब्ल्यू-एनआरडीसी-एससीजीजे विश्लेषण ने अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार पर महामारी के प्रतिकूल प्रभाव का भी जिक्र किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2020-21 में ज्यादातर नए कर्मचारी छत पर लगाने वाली सौर श्रेणी मे काम कर रहे थे। वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में इस क्षेत्र की क्षमता सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़ी है।

कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग के सीएमडी पार्थसारथी, सीएफओ हरि गिरफ्तार ईडी ने काले धन को सफेद करने के मामले में की कार्रवाई

नई दिल्ली (भाषा)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने काले धन को सफेद करने के मामले में कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड (केएसबीएल) के सीएमडी सी पार्थसारथी और ग्रुप सीएफओ जी कृष्णा हरि को गिरफ्तार किया है। ईडी के अनुसार यह मामला ग्राहकों से कथित तौर पर 2,873 करोड़ रुपए से अधिक की प्रतिभूतियों के हेर-फेर से जुड़ा है। ईडी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि एजेंसी ने 20 जनवरी और 25 जनवरी को हैदराबाद मे धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की एक विशेष अदालत के समक्ष पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद पहले से ही बेंगलुरु की केंद्रीय जेल में बंद दो लोगों को पेश किया था। अदालत ने उन्हे 27 से 30 जनवरी तक चार दिन की ईडी हिरासत में भेजा गया है। पीएमएलए के आपराधिक प्रावधानो के तहत दायर ईडी का यह मामला निजी क्षेत्र के एचडीएफसी समेत कई अन्य बैंकों द्वारा दर्ज की गई कई तेलंगाना पुलिस प्राथमिकी पर आधारित है। निवेशकों का आरोप है कि ग्राहकों की प्रतिभूतियों को कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड द्वारा अवैध रूप से डायवर्ट किया गया था। बाद में इन्हे बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के साथ ऋण के लिए गिरवी रखा गया था जो बाद मे डिफॉल्ट हो गए थे।

केनरा बैंक का तीसरी तिमाही शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 1,502 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली (भाषा)। सार्वजानिक क्षेत्र के केनरा बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही में एकल आधार पर दोगुना से अधिक होकर1,502 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। प्रावधान के लिए राशि कम होने से बैंक का शुद्ध लाभ बढ़ा है। केनरा बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बैंक ने 696 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। वही इससे पिछली जुलाई-सितंबर, 2021 की तिमाही के तुलना में 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 13 प्रतिशत बढ़ा है। जुलाई-सितंबर तिमाही मे बैंक का मुनाफा1,333 करोड़ रुपए रहा था। बैंक ने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर 2021 तिमाही के दौरान हालांकि उसकी कुल आय मामूली रूप से घटकर 21,312 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले की इसी अवधि मे यह 21,365 करोड़ रुपए थी।

गूगल मैप से अब उपयोगकर्ता आसानी से खोज सकेंगे पता

नई दिल्ली (भाषा)। गूगल ने गूगल मैप्स पर भारत के लिए अपनी तरह की पहली सुविधा की शुरुआत बृहस्पतिवार को की जिसमे उपयोगकर्ता अपने घरों का प्लस कोड्स पता जानने के लिए अपनी वर्तमान लोकेशन का इस्तेमाल कर सकते है। प्लस कोड्स मुक्त, खुले स्रोत से प्राप्त होने वाले डिजिटल पते होते है जो उन स्थानो की भी सटीक जानकारी बता सकते है जिनका सही-सही आपैचारिक पता नही होता। गली और इलाके के नाम के बजाए प्लस कोड अक्षांश और देशांतर पर आधारित होते हैं और इन्हें अक्षरों और संख्याओं की छोटी श्रृंखला के रूप मे प्रस्तुत किया जाता है। इस तरह, इससे सही जगह पर पहुंचा जा सकता है और यह दुकानों का पता लगाने और उनतक पहुंचने को भी आसान बनाते है। प्लस कोड्स की शुरुआत 2018 में हुई थी और तब से इसे देश में गैर सरकारी संगठनों और सरकारों ने बड़े पैमाने पर अपनाया है। गूगल मैप्स की प्रोडक्ट मैनेजर अमांडा बिशप ने कहा, हम उपयोगकर्ताओं को सशक्त बनाना चाहते हैं। इसी क्रम मे वे अपनी दैनिक जरूरतों के लिए प्लस कोड पतों का सीधे इस्तेमाल कर सकेंगे।

अब यूनिटधारकों की मंजूरी के बाद ही बंद की जा सकेगी कोई योजना

सेबी ने एमएफ नियमों को मजबूत किया

एजेंसी। नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने म्यूचुअल फंड निवेशकों के हितों की रक्षा के मकसद से म्यूचुअल फंड के न्यासियों के लिए किसी योजना को बंद करने का निर्णय करते समय यूनिटधारकों की सहमति लेने को अनिवार्य कर दिया है। उन्हें वैसे समय यूनिटधारकों से सहमति लेनने की जरूरत होगी जब न्यासी बहुमत के आधार पर किसी योजना को बंद करने का निर्णय करते हैं।नए नियमों के तहत म्यूचुअल फंड न्यासियों को उस समय बहुसंख्यक यूनिटधारकों की सहमति प्राप्त करने की आवश्यकता होगी, जब अधिकतर न्यासी किसी योजना को बंद करने या तय समय वाली योजना (क्लोज-एंडेड योजना) के यूनिट को समय से पहले भुनाने का निर्णय करते हैं।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मंगलवार को एक अधिसूचना में कहा कि न्यासियों को प्रति यूनिट एक वोट के आधार पर उपस्थित और मतदान करने वाले यूनिटधारकों के साधारण बहुमत से सहमति प्राप्त करनी होगी। योजना बंद करने की परिस्थिति को लेकर नोटिस के प्रकाशन के 45 दिनों के भीतर मतदान का परिणाम प्रकाशित करना होगा।सेबी ने कहा कि यदि न्यासी सहमति प्राप्त करने में विफल रहते हैं, संबंधित योजना मतदान के परिणाम के प्रकाशन के बाद दूसरे कारोबारी दिन से लेन-देन गतिविधियों के लिए खुली रहेगी।

सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों में संशोधन करते हुए कहा कि न्यासी निर्णय के एक दिन के भीतर नियामक को नोटिस देंगे। नोटिस में उन परिस्थितियों का ब्योरा होगा, जिसके कारण योजना को बंद करने का निर्णय किया गया। साथ ही अखिल भारतीय स्तर के दो दैनिक अखबारों और उस जगह पर क्षेत्रीय भाषा में छपने वाले अखबार में इसकी जानकारी देनी होगी, जहां म्यूचुअल फंड का गठन हुआ।

नियमों में संशोधन करने का फैसला जुलाई में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद आया है। न्यायालय ने फैसले में कहा था कि न्यासियों को योजनाओं को बंद करने के अपने फैसले के कारणों का खुलासा करने के लिए नोटिस प्रकाशित करने के बाद इस बारे में बहुसंख्यक यूनिटधारकों की सहमति लेने की आवश्यकता होगी।

न्यायालय का यह फैसला फ्रैंकलिन टेंपलटन म्यूचुअल फंड की छह योजनाओं को बंद करने के मामले में आया था।

बजट में अर्थव्यवस्था में व्यापक असमानता को पाटने व रोजगार सृजन पर होना चाहिए जोर : सुब्बाराव

भाषा। नई दिल्ली

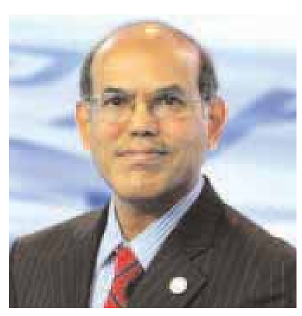

रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार को आगामी बजट में रोजगार सृजन और अर्थव्यवस्था में व्यापक असमानता को पाटने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने साथ ही कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाने की जरूरत को देखते हुए कर कटौती की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। सुब्बाराव ने यह भी कहा कि अनुभव से पता चलता है कि संरक्षणवादी दीवारों के साथ निर्यात को बढ़ावा देने की नीति शायद ही कभी प्रतिस्पर्धी होती है, इसलिए आयात शुल्कों को घटाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, वृद्धि को गति देना हर बजट का मकसद होता है और इस बजट का भी यह उद्देश्य होना चाहिए। लेकिन, इस बजट में अर्थव्यवस्था में व्यापक असमानता को पाटने पर खासतौर से ध्यान देना चाहिए। सुब्बाराव ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में काम करने वाले निम्न-आय वर्ग के लिए भारी संकट पैदा कर दिया है, जबकि दूसरी ओर उच्च-आयवर्ग न केवल अपनी आमदनी बढ़ाने में सक्षम है, बल्कि वास्तव में उनकी बचत और संपत्ति बढ़ी है। उन्होंने हाल में आई विश्व असमानता रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, इस तरह की व्यापक असमानता न केवल नैतिक रूप से गलत और राजनीतिक रूप से नुकसानदेह है, बल्कि इससे हमारी दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाएं भी प्रभावित होंगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को आम बजट 2022-23 संसद में पेश करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि वृद्धि को गति देना हर बजट का मकसद होता है और इस बजट का भी यह उद्देश्य होना चाहिए, लेकिन इस बार अर्थव्यवस्था में व्यापक असमानता को पाटने पर खासतौर से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें रोजगार आधारित वृद्धि की जरूरत है। अगर इस बजट के लिए कोई थीम है, तो वह रोजगार होनी चाहिए। पूर्व गवर्नर ने कहा कि मंदी के कारण नौकरियां कम हुई हैं। इसके अलावा आर्थिक गतिविधियों के श्रम प्रधान अनौपचारिक क्षेत्र से पूंजी प्रधान औपचारिक क्षेत्र की ओर केंद्रित होने से भी रोजगार का संकट पैदा हुआ। उन्होंने कहा कि रोजगार पैदा करने के लिए वृद्धि जरूरी है, लेकिन इतना ही पर्याप्त नहीं है। निर्यात बढ़ाने से न सिर्फ विदेशी मुद्रा मिलेगी, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इसके अलावा सुब्बाराव ने कहा कि इस साल देश के कर संग्रह में आया उछाल अगले साल खत्म हो जाएगा, क्योंकि अनौपचारिक क्षेत्र फिर से पटरी पर आने लगेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाने की लगातार जरूरत को देखते हुए कर कटौती की गुंजाइश बहुत कम है।

आईसीएआई ने संसदीय समिति के समक्ष सीए कानून संशोधन विधेयक पर चिंता जताई

नई दिल्ली(भाषा)। चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीएत्र की शीर्ष संस्था आईसीएआई ने एक संसदीय समिति को ज्ञापन सौंपकर देश में लेखाकारों को प्रशासित करने वाले कानून में संशोधन के लिए प्रस्तावित विधेयक के कुछ प्रावधानों के बारे में चिंता जताई है। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) ने भाजपा सांसद जयंत सिन्हा की अगुवाई वाली वित्त संबंधी संसद की स्थाई समिति को ज्ञापन सौंपा है, जो इस विधेयक पर विचार कर रही है। ज्ञापन में आईसीएआई ने अनुशासन समिति के गठन से संबंधित प्रावधानों पर भी अपने विचार व्यक्त किए हैं। लोकसभा ने 21 दिसंबर को चार्टर्ड अकाउंटेंट, लागत एवं संकर्म लेखाकार और कंपनी सचिव संशोधन विधेयक को समीक्षा के लिए स्थाई समिति के पास भेजा था। इस विधेयक के जरिए चार्टर्ड अकाउंटेंट, लागत लेखाकार और कंपनी सचिव को प्रशासित करने वाले कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव है। आईसीएआई के अध्यक्ष निहार एन जंबुसरिया ने बृहस्पतिवार को पीटीआई-भाषा से कहा, हमने वित्त संबंधी संसद की स्थाई समिति को अपना ज्ञापन सौंप दिया है। वे तीन फरवरी को हमारी सुनवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि अनुशासन समिति और आईसीएआई के साथ पंजीकृत सीए फर्मों के नामों की मंजूरी से संबंधित कुछ मुद्दे हैं।

सेबी ने नियमों में बदलाव किया, तत्कल संदेश सेवा से भेजेगा नोटिस, समन

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) अब प्रतिभूति बाजार के नियमों का उल्लंघन करने वालों को नोटिस और समन तत्काल संदेश सेवा (इंस्टैंट मैसेजिंग सर्विस) के जरिए भेजेगा। इस कदम से यह प्रक्रिया तेज हो सकेगी। अभी नियामक इस तरह के नोटिस या समन रजिस्टर्ड डाक, कूरियर या इलेक्ट्रॉनिक मेल के जरिए भेजता है। इसके अलावा नियामक ने प्रतिभूति बाजार के ऐसे लेनदेन जो जांच के घेरे में हैं, के मामले में जांच प्राधिकरण (आईए) द्वारा सूचना और दस्तावेज मांगने से संबंधित अधिकारों को लेकर नियमों में भी बदलाव किया है। सेबी की ओर से मंगलवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि इन बदलावों के लिए धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार व्यवहार प्रतिबंध (पीएफयूटीपी) नियमों में संशोधन किया गया है। पीएफयूटीपी के तहत सेबी द्वारा जारी समन या नोटिस संबंधित व्यक्ति या उसके अधिकृत एजेंट को दिए जाएंगे। ए नोटिस फैक्स या इलेक्ट्रॉनिक मेल या इलेक्ट्रॉनिक इंस्टैंट मैसेजिंग सेवा के साथ इलेक्ट्रॉनिक मेल या कूरियर या स्पीड पोस्ट अथवा रजिस्टर्ड डाक से भी भेजे जाएंगे। नियामक ने इस बारे में कुछ शर्तें भी तय की हैं। यदि इनमें से किसी तरीके से समन या नोटिस विफल हो जाता है, तो उसे संबंधित व्यक्ति के परिसर के बाहरी दरवाजे पर चिपकाया जाएगा। इसके अलावा इसे संबंधित व्यक्ति के परिसर के किसी अन्य हिस्से या ऐसे मकान पर भी नोटिस चस्पा किया जा सकता है जहां वह व्यक्ति रहा था या उसने वहां से कारोबार किया था। नोटिस या समन संबंधित व्यक्ति के परिसर के दरवाजे पर नहीं लगाए जाने की स्थिति में इसे कम से कम दो अखबारों में प्रकाशित करना होगा। इनमें एक अंग्रेजी अखबार होगा और दूसरा संबंधित क्षेत्र की भाषा का समाचार पत्र।

जांच प्राधिकरण (आईए) के अधिकारों के संबंध में नियामक ने कहा कि आईए को कुछ अधिकारों के इस्तेमाल के लिए सेबी के चेयरमैन या सदस्यों की उचित मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी। ए अधिकार किसी व्यक्ति या बैंक या किसी अन्य प्राधिकरण से रिकॉर्ड या सूचना मांगने से संबंधित हैं। यदि आईए को लगता है कि ऐसे दस्तावेजों को नष्ट किया जा सकता है या उनमें हेरफेर किया जा सकता है, तो आईए मुंबई की संबंधित अदालत के न्यायाधीश के समक्ष रिकॉर्ड या दस्तावेजों को जब्त करने की अपील कर सकता है।

एनटीपीसी ने देश में तीन हजार मेगावॉट क्षमता की ऊर्जा भंडारण इकाई लगाने के लिए बोलियां मांगीं

नई दिल्ली(भाषा)। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी की इकाई एनटपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लि. (एनआरईएल) ने नवीकरणीय ऊर्जा की चौबीसों घंटे की आवश्यकता को पूरा करने के लिए देश में किसी भी स्थान पर 3,000 मेगावॉट क्षमता की अंतर-राज्ईय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) से जुड़ी ऊर्जा भंडारण सुविधा स्थापित करने को कंपनियों के चयन हेतु बोलियां आमंत्रित की हैं। बोली दस्तावेज के अनुसार, एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी 24 घंटे नवीकरणीय ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए ऊर्जा भंडारण सुविधा स्थापित करने की इच्छुक है। एनटीपीसी ने पवनासौर ऊर्जा की न्यूनतम 500 मेगावॉट के साथ 3,000 मेगावॉट क्षमता की अंतरराज्ईय पारेषण प्रणाली से जुड़ी ऊर्जा भंडारण सुविधा को लेकर कंपनियों के चयन को बोलियां मांगी हैं। दस्तावेज के अनुसार, वैश्विक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के जरिए कैपेक्स माध्यम के तहत क्षमता स्थापित की जाएगी। बोली प्रक्रिया के बाद एनआरईएल 25 साल की अवधि के लिए चयनित बोलीदाताओं के साथ सालाना निश्चित शुल्क के आधार पर ऊर्जा भंडारण सेवा समझौता करेगी। एनटीपीसी/एनआरईएल की किसी भी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना से उत्पन्न बिजली का उपयोग ऊर्जा भंडारण सेवा (ईएसएस) परियोजना की चार्जिंग के लिए किया जाएगा। एनआरईएल 24 घंटे नवीकरणीय ऊर्जा की जरूरत को पूरा करने के लिए इस ऊर्जा भंडारण सुविधा का उपयोग मांग आधार पर करेगी।

पेज एक का शेष

अब ओमीक्रोन...

1,578 डेल्टा वैरिएंट शामिल हैं। मुख्य रूप से तीन राज्यों महाराष्ट्र, ओडिशा और पश्चिम बंगाल ने जीनोम सिक्वेंसिंग के आधार पर डेल्टा वैरिएंट की सूचना दी है। सिंह ने कहा, इसका मतलब यह नहीं है कि हर जगह केवल ओमीक्रोन संस्करण की सूचना दी जा रही है। कोविड से होने वाली मौत के बारे में उन्होंने कहा कि जिन लोगों का टीकाकरण नहीं हुआ है किसी अन्य बीमारी से पीड़ित हैं वो अधिक जोखिम वाले समूह में हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मरने वालों में लगभग 64 फीसदी लोग ऐसे समूह से थे, जिनका टीकाकरण नहीं हुआ था और वे दूसरी बीमारी भी थी। आईसीएमआर प्रमुख बलराम भार्गव ने कहा कि टीके भारत के लिए फायदेमंद रहे हैं। भार्गव ने कहा कि टीका लगाए गए लोगों की तुलना में टीके से होने वाली मौतों में काफी कमी आई है। देश में लगभग 95 फीसदी वयस्क आबादी ने पहली टीका खुराक प्राप्त की है, जबकि 74 फीसदी को पूरी तरह से टीका लगाया गया है।

राजधानी में...

आम जनजीवन को पटरी पर लाने के लिए वीकेंड कर्फ्यू खत्म किया गया है, जिससे लगभग 20 लाख व्यापारियों के चेहरे पर खुशी लौटी है। रेस्तरां व सिनेमा 50% क्षमता के साथ खुलेंगे: लगभग दो साल मंदी और बंदी की मार झेल रहे मनोरंजन उद्योग को राहत देते हुए 50 प्रतिशत क्षमता के साथ सिनेमा हाल खोलने का फैसला लिया गया है। शादी समारोह में भी 200 लोगों के शामिल होने की छूट मिल गई है। मालूम हो कि 15 जनवरी से ही शादी समेत सभी शुभ कामों की शुरुआत हो चुकी है। रेस्तरां भी 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खुलेंगे। अभी तक सिर्फ खाना पैक कराकर ले जाने की छूट थी। सरकारी कार्यालय 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खुलेंगे। बीते सोमवार से ही दिल्ली में प्राइवेट कार्यालय खोले गए हैं। स्कूल बंद रहेंगे, नाइट कर्फ्यू भी जारी रहेगा: राजधानी में अभी स्कूल नहीं खुलेंगे। डीडीएमए का मानना है कि कोरोना के मामलों में कमी आई है, लेकिन स्कूलों को खोलने के लिए हालात पर दोबारा समीक्षा की जाएगी। माना जा रहा है कि फरवरी की शुरुआत में स्कूलों को खोलने का ऐलान हो सकता है। डीडीएमए की बैठक में दिल्ली सरकार ने स्कूलों को फिर से खोलने का सुझाव दिया था। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा, भौतिक रूप से कक्षा में दी जाने वाली शिक्षा का विकल्प कभी नहीं बन सकती। डीडीएमए बैठक में कोरोना के मद्देनजर नाइट कर्फ्यू को जारी रखने का फैसला लिया गया है।

सीमा मुद्दे...

आविष्कारक है। चीन के रक्षा मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर वू कियान के हवाले से कहा गया है, चीन-भारत सीमा मुद्दा दोनों देशों के बीच का मामला है और दोनों पक्ष किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप का विरोध करते हैं।

अरुणाचल के...

चिकित्सकीय जांच सहित अन्य प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। उन्होंने ट्वीट किया, चीन के पीएलए ने अरुणाचल प्रदेश के मिराम तारोन को भारतीय सेना को सौंप दिया। चिकित्सकीय जांच सहित अन्य प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। बाद में एक अन्य ट्वीट में, उन्होंने पीएलए के साथ मामले को सावधानीपूर्वक आगे बढ़ाने और युवक को सुरक्षित वापस लाने के लिए सेना को धन्यवाद दिया। बाद में एक अन्य ट्वीट में, रिजिजू ने पीएलए के साथ मामले को सावधानीपूर्वक आगे बढ़ाने और युवाओं को सुरक्षित वापस लाने के लिए सेना को धन्यवाद दिया। उन्होंने सैनिकों का साथ खड़े युवक की तस्वीर भी साझा की। उन्होंने लिखा, चीन की पीएलए ने अरुणाचल प्रदेश के युवक श्री मिराम तारोन को आज अरुणाचल प्रदेश में वाचा-दमई इंटरेक्शन पॉइंट पर भारतीय सेना को सौंप दिया। मंत्री ने कहा, मैं पीएलए के साथ मामले पर सावधानीपूर्वक आगे बढ़ने और हमारे युवक को सुरक्षित घर वापस लाने के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद देता हूं। लोकसभा सांसद रिजिजू ने मंगलवार को बताया था कि चीन ने 20 जनवरी को भारतीय सेना को सूचित किया था कि उन्हें अपनी ओर एक लड़का मिला है और उसकी पहचान की पुष्टि के लिए और जानकारी मांगी थी। रिजिजू ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा था, पहचान की पुष्टि करने में चीन की मदद के लिए, भारतीय सेना ने उनके साथ उसका व्यक्तिगत विवरण और तस्वीर साझा की है। चीन के जवाब का इंतजार है। बयान में कहा गया था, कुछ लोगों ने बताया है कि चीन के पीएलए ने उसे हिरासत में लिया है। रिजिजू ने कहा था कि युवक के वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब एक क्षेत्र से लापता होने के बाद भारतीय सेना ने तुरंत 19 जनवरी को चीन से सम्पर्क किया। उसके गलती से चीन के क्षेत्र में दाखिल होने या पीएलए के उसको हिरासत में लेने पर उसका पता लगाने तथा उसकी वापसी के लिए सहयोग मांगा। मंत्री ने कहा कि चीन ने आश्वासन दिया था कि वे उसकी तलाश करेंगे और स्थापित नियमों के तहत उसे वापस सौंप देंगे।

पंजाब चुनाव...

वह कभी किसी पद के पीछे नहीं भागे हैं और जिनके नाम की घोषणा की जाएगी, वह पूरे दिल से फैसले का समर्थन करेंगे। राहुल गांधी शाम को अमृतसर से यहां पहुंचे। खराब मौसम के कारण तीन घंटे देरी से अमृतसर पहुंचने के कारण गांधी के यहां पहुंचने में विलंब हुआ।

जूही चावला...

कहा था कि ये केस अभिनेत्री की तरफ से पब्लिसिटी के लिए किया गया लगता है। इसके साथ ही कोर्ट ने जूही पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया था। इसके बाद हाईकोर्ट की डबल बेंच के पास ये मामला पहुंचा और उन्होंने जूही पर लगा जुर्माना दो लाख करने की बात कही लेकिन इसके लिए एक शर्त भी रखी। कोर्ट ने कहा कि जुर्माना कम किया जा सकता है लेकिन इसके लिए जूही को कुछ काम करने होंगे। कोर्ट ने कहा कि क्योंकि वे एक सेलिब्रिटी हैं और ऐसे में अब उन्हें सामाजिक कार्य करने होंगे। इसी शर्त पर जुर्माने को 20 लाख रुपये से घटाकार 2 लाख रुपये किया जा सकता है। इसके साथ ही कोर्ट ने दिल्ली की राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव को नोटिस जारी कर अपील पर जवाब भी मांगा था। सुनवाई के दौरान जूही के वरिष्ठ वकील सलमान खुर्शीद ने भी सामाजिक कार्य करने की बात पर सहमति व्यक्त की थी।

भारत और...

हानि पर भी संवेदना प्रकट की। ईंधन की कीमतों को लेकर वहां हाल ही में प्रदर्शन हुआ था, उसने हिंसात्मक रुख अख्तियार कर लिया था। उन्होंने कहा, किर्गिस्तान के साथ हमारी शिक्षा और उच्च स्तरीय शोध के क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी है। हजारों भारतीय छात्र वहां पढ़ रहे हैं जबकि ताजिकिस्तान के साथ हमारा सुरक्षा के क्षेत्र में पुराना सहयोग है और हम इसे निरंतर और अधिक सुदृढ़ कर रहे हैं। इसी प्रकार, तुर्कमेनिस्तान क्षेत्रीय संपर्क के क्षेत्र में भारतीय विजन का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो अश्गाबात समझौते में हमारी भागीदारी से स्पष्ट है। सम्मेलन के तीन प्रमुख उद्देश्यों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पहला उद्देश्य स्पष्ट करता है कि भारत और मध्य एशिया का आपसी सहयोग क्षेत्रीय सुरक्षा और समृद्धि के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा, भारत की तरफ से मैं यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि मध्य एशिया भारत के एक समन्वित और स्थिर विस्तारित पड़ोस के लिए भारत के विजन का केंद्र है। उन्होंने कहा कि दूसरा उद्देश्य आपसी सहयोग को एक प्रभावी ढांचा देना है। उन्होंने कहा, इससे विभिन्न स्तरों पर और विभिन्न हितधारकों के बीच नियमित संवाद का एक ढांचा स्थापित होगा। मोदी ने कहा कि तीसरा उद्देश्य आपसी सहयोग के लिए एक महत्वकांक्षी रूपरेखा तैयार करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इनके माध्यम से ही हम अगले तीन सालों में क्षेत्रीय संपर्क और सहयोग के लिए एक समन्वित रुख अपना सकेंगे। इस अवसर पर सम्मेलन में शामिल पांच राष्ट्रपतियों ने सम्मेलन की मेजबानी के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की और कहा कि कूटनीतिक संबंधों की 30वीं वर्षगांठ पर आयोजित यह वार्ता कूटनीतिक रिश्तों को नई ऊंचाई पर ले जाएगा। भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच शीर्ष नेताओं के स्तर पर इस तरह का यह पहला संवाद था। विदेश मंत्रालय के मुताबिक यह सम्मेलन मध्य एशियाई देशों के साथ भारत के बढ़ते संपर्क को प्रतिबिंबित करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 में मध्य एशियाई देशों का पहला ऐतिहासिक दौरा किया था। इसके बाद द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मंचों पर संवाद होता रहा है। पिछले साल 18-21 दिसंबर को विदेश मंत्रियों के स्तर पर भारत-मध्य एशिया संवाद का आयोजन नई दिल्ली में हुआ जिससे भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच संबंधों को गति मिली। इससे पहले, 10 नवंबर, 2021 को नई दिल्ली में अफगानिस्तान के संदर्भ में क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद का आयोजन हुआ जिसमें मध्य एशियाई देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषदों के सचिवों ने भाग लिया।

यूक्रेन संकट से निपटने को तैयार है अमेरिका

● विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने किया दावा

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को रूस से कहा कि उनका देश यूक्रेन संकट से निपटने के लिए किसी भी तरह से तैयार है।

रूस में अमेरिका के राजदूत जॉन सुलिवन के मॉस्को में रूस की सरकार को कुछ दस्तावेज सौंपने के तुरंत बाद विदेश मंत्रालय के फोगी बॉटम मुख्यालय में ब्लिंकन ने पत्रकारों से कहा, सब बता दिया गया है, इससे एक गंभीर कूटनीतिक रास्ता खुलता है...रूस को इसे चुनना चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा, हमारे द्वारा दिए गए दस्तावेजों में अमेरिका, हमारे सहयोगियों तथा भागीदारों की रूस के उन कदमों को लेकर चिंताएं शामिल हैं, जिनसे सुरक्षा कमजोर होती है। इनमें रूस द्वारा उठाई गई चिंताओं का एक सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक मूल्यांकन और उन क्षेत्रों के लिए हमारे अपने प्रस्ताव जहां हम साझा आधार खोजने में सक्षम हो सकते हैं आदि भी शामिल हैं। ब्लिंकन ने कहा, हम यह स्पष्ट करते हैं कि ऐसे मूल सिद्धांत हैं, जिन्हें हम बनाए रखने और जिनकी रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें यूक्रेन की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने और देशों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था तथा गठबंधन के संबंध में फैसला लेने का अधिकार शामिल है। हमने यूक्रेन में बलों की तैनाती की स्थिति के संबंध में संभावित पारस्परिक पारदर्शी उपायों के साथ-साथ यूरोप में सैन्य अभ्यास तथा युद्धाभ्यास के संबंध में विश्वास बढ़ाने को लेकर भी अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका बातचीत को तैयार है। ब्लिंकन ने कहा, हम कूटनीति को प्राथमिकता देते हैं और यदि रूस, यूक्रेन के प्रति अपनी आक्रामकता को कम करता है, भड़काऊ बयानबाजी को रोकता है और पारस्परिक भावना से यूरोप में सुरक्षा के भविष्य के बारे में चर्चा करता है, तो हम आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं जहां संचार एवं सहयोग की संभावना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की प्रतिक्रिया यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों एवं भागीदारों के साथ पूरी तरह से समन्वित है, जिनके साथ वह कई हफ्तों से लगातार परामर्श कर रहा है। विदेश मंत्री ने कहा, हमने उनकी राय मांगी और उसे रूस को सौंपे गए अंतिम दस्तावेज में शामिल किया गया है। ब्लिंकन के बयान के कुछ देर बाद ही नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने ब्रसेल्स में कहा कि गठबंधन ने रूस को संचार में सुधार, सैन्य घटनाओं या हादसों से बचने के तरीकों की जांच करने और हथियार नियंत्रण पर चर्चा करने के प्रस्ताव के साथ एक अलग जवाब भेजा है। उन्होंने कहा, हम उन सिद्धांतों से समझौता नहीं कर सकते हैं और ना ही करेंगे, जिन पर हमारे गठबंधन की सुरक्षा और यूरोप तथा उत्तरी अमेरिका की सुरक्षा टिकी हुई है। यह राष्ट्रों का सम्मान करने और अपना रास्ता चुनने के उनके अधिकार के बारे में है।

यूक्रेन पर अमेरिका के जवाब से आशावाद की बहुत कम गुंजाइश बचती है : रूस

मास्को। रूस ने बृहस्पतिवार को कहा कि यूक्रेन संकट को हल करने के लिए रूस की मुख्य मांगों पर अमेरिका के इनकार से आशावाद के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है। साथ ही कहा कि बातचीत अभी भी मुमकिन है। रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास 1,00,000 से अधिक सैनिकों का जमावड़ा कर रखा है जिससे इस क्षेत्र में युद्ध की आशंका तेज हो गई है। रूस ने लगातार इस बात से इनकार किया है कि वह हमले की योजना बना रहा है, लेकिन अमेरिका और उसके नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सहयोगियों का मानना है कि रूस युद्ध की ओर बढ़ रहा है तथा इसके लिए तैयारी कर रहा है। रूस ने कई मांगें रखी हैं जिसके बारे में उसका कहना है इससे यूरोप में सुरक्षा की स्थिति में सुधार होगा। जैसा कि अपेक्षित था, अमेरिका और पश्चिमी गठबंधन ने बुधवार को मास्को के मुख्य बिंदुओं पर किसी भी तरह की रियायत को दृढ़ता से खारिज कर दिया। अमेरिका ने यूक्रेन को नाटो में शामिल होने से स्थाई रूप से प्रतिबंधित करने से इनकार कर दिया और कहा कि पूर्वी यूरोप में सैनिकों और सैन्य उपकरणों की संबद्ध तैनाती के मुद्दे पर कोई वार्ता नहीं होगी। हालांकि, तनाव घटाने के मकसद से अमेरिका ने उन क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार की है जहां रूस की कुछ चिंताओं का समाधान किया जा सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा, रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है, न कोई बदलाव होगा। उन्होंने फिर से आगाह किया कि यूक्रेन में रूस के किसी भी घुसपैठ के बड़े परिणाम होंगे और उसे गंभीर आर्थिक नुकसान झेलना होगा। क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति कार्यालय) के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका की प्रतिक्रिया और नाटो से इसी तरह की प्रतिक्रिया के बाद आशावाद के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है। साथ ही, उन्होंने कहा कि बातचीत जारी रखने की संभावनाएं बरकरार हैं, यह हमारे और अमेरिकियों, दोनों के हित में है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि अमेरिकी प्रतिक्रिया में ऐसे कुछ तत्व शामिल हैं जिससे कम महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर बातचीत की शुरुआत हो सकती है। लेकिन इस बात पर जोर दिया कि अमेरिकी जवाब वाले दस्तावेज में रूस की मुख्य मांगों पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं है। रूस की मुख्य मांगों में नाटो का विस्तार रोकने और क्षेत्र से ऐसे हथियारों को हटाने से है, जिससे रूस को खतरा हो सकता है। लावरोव ने संवाददाताओं से कहा कि शीर्ष अधिकारी अब अमेरिकी जवाब के बाद अपने प्रस्ताव राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सौंपेंगे। पेसकोव ने कहा कि रूस का जवाब जल्द सामने आएगा। पेसकोव ने यह भी कहा कि पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन तय करेंगे कि पिछले महीने दो बार की बातचीत के बाद उन्हें एक और वार्ता करने की आवश्यकता है या नहीं।

जेरूसलम के पुराने शहर में स्थित अल अक्सा मस्जिद के परिसर में बर्फबारी के बाद माहौल का मजा लेते हुए फिलिस्तीनी

यूरोपीय संघ ने फाइजर की कोविड रोधी दवा के इस्तेमाल का सुझाव दिया

एम्स्टर्डम। यूरोपीय संघ की औषधि नियामक संस्था द यूरोपियन मेडिसिन्स एजेंसी (ईएमए) ने सुझाव दिया है कि कोविड-19 के इलाज के लिए फाइजर द्वारा निर्मित दवा को यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देशों में इस्तेमाल की अनुमति दी जाए। एजेंसी ने पहली बार कोविड के उपचार के लिए किसी दवा के इस्तेमाल का सुझाव दिया है।

क्विक न्यूज

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने अफगानिस्तान की सम्पत्ति पर रोक हटाने का आग्रह किया

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने बुधवार को अफगानिस्तान के लोगों के लिए मानवीय सहायता को बढ़ावा देने और देश की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाने के लिए प्रतिबंधित नौ अरब डॉलर की सम्पत्ति पर से रोक हटाने का आग्रह किया। गुतारेस ने सुरक्षा परिषद से कहा, अपना कर्तव्य पूरा करने का समय आ गया है। कोई कदम नहीं उठाया गया तो कई लोगों की जिंदगी खतरे में आ जाएगी और निराशा तथा अतिवाद बढ़ेगा। गुतारेस ने कहा कि अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था में तत्काल निवेश किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि देश की रोकी गई राशि को जारी किया जाए, उसके सेंट्रल बैंक के साथ फिर से जुड़ना और निवेश करने के अन्य तरीके खोजना, जिसमें चिकित्सकों, शिक्षकों, सफाई कर्मचारियों, बिजली का काम करने वालों और अन्य सिविल सेवकों के वेतन का भुगतान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कोष जारी करना शामिल है। चीन और रूस ने अफगानिस्तान की प्रतिबंधित सम्पत्ति पर से रोक हटाने की अपनी मांग दोहराई, जबकि अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन कोष की कमी से निपटने के लिए विभिन्न विकल्पों पर गौर कर रहा है। ग्रीनफील्ड ने कहा कि अमेरिका ने अफगानिस्तान की सबसे अधिक मदद की है। अमेरिका ने 11 जनवरी को अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के लिए 30.8 करोड़ डॉलर की शुरुआती मदद देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान के लोगों को जिस स्तर पर मदद की जरूरत है, उसे प्रदान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बहुत अधिक समर्थन की आवश्यकता होगी। अफगानिस्तान पर तालिबान के नियंत्रण के बाद से सहायता राशि पर निर्भर देश की अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही है। तालिबान के 1996-2001 के शासन के दौरान क्रूरता और लड़कियों को शिक्षित करने तथा महिलाओं को काम करने की अनुमति देने से इनकार करने जैसे कदमों पर गौर करने के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने विदेश में अफगानिस्तान की सम्पत्ति पर रोक लगा दी थी।

अफगानिस्तान को लेकर भारत का दृष्टिकोण वहां के लोगों के साथ विशेष संबंध पर आधारितः तिरुमूर्ति

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने कहा है कि अफगानिस्तान के प्रति उसका दृष्टिकोण हमेशा अफगान लोगों के साथ उसके विशेष संबंध द्वारा निर्देशित रहा है और नई दिल्ली संघर्षग्रस्त देश के लोगों के लिए बहुत जरूरी मानवीय सहायता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने बुधवार को अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन पर सुरक्षा परिषद की ब्रीफिंग में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के सबसे बड़े क्षेत्रीय विकास भागीदार के रूप में भारत अन्य हितधारकों के साथ समन्वय करने के लिए इच्छुक है ताकि अफगान लोगों को अति आवश्यक मानवीय सहायता के त्वरित प्रावधान को सक्षम बनाया जा सके। तिरुमूर्ति ने कहा, अफगान लोगों के साथ हमारे विशेष संबंध और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) प्रस्ताव 2593 में वर्णित निर्देश अफगानिस्तान के प्रति भारत के दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करना जारी रखेंगे। हम अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय सहायता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर कायम हैं।

आतंकी संगठनों को अफगान की सरजमी से कोई समर्थन नही मिलना चाहिए : भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा प्रतिबंधित आतंकी संगठनों को अफगान सरजमीं या क्षेत्र में मौजूद अन्य पनाहगाह से कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहयोग न मिले, यह सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस प्रगति होनी चाहिए। भारत की इस टिप्पणी को पाकिस्तान के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने बुधवार को कहा, आतंकवाद अफगानिस्तान और पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2593 कई महत्वपूर्ण और तात्कालिक मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अपेक्षाओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के सहायता मिशन से जुड़ी सुरक्षा परिषद की बैठक में तिरुमूर्ति ने कहा, यूएनएससी का प्रस्ताव आतंकवाद के खिलाफ जंग के संबंध में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अपेक्षाओं को बयां करता है। इसमें अफगान सरजमीं का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के संचालन के लिए न होने देने की तालिबान की प्रतिबद्धता भी शामिल है।

सीरिया से जॉर्डन में प्रवेश करते 27 मादक पदार्थ तस्करों को मार गिराया

अम्मान। जॉर्डन की सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि सैनिकों ने पड़ोसी सीरिया से देश (जॉर्डन) में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे 27 संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करों को मार गिराया है। सेना की वेबसाइट पर प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि उसने सीरिया से जॉर्डन मे मादक पदार्थों की अवैध तस्करी की कई संदिग्ध कोशिशो को नाकाम कर भारी मात्रा मे मादक पदार्थ जब्त किए है। इस दौरान कई लोग घायल भी हुए है। इस महीने की शुरुआत मे सेना ने कहा था कि सीरिया से लगी सीमा पर तस्करो के साथ मुठभेड़ मे सेना के एक अधिकारी की मौत हो गई थी।

अमेरिका में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद की दौड़ में तीन जज

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन देश की सर्वोच्च अदालत मे पहली अश्वेत महिला न्यायाधीश की नियुक्ति करने के अपने चुनावी वादे पर अमल के लिए तैयार है। उच्चतम न्यायालय मे संभावित एक रिक्ति को भरने के लिए वह कम से कम तीन अश्वेत महिला न्यायाधीशो के नामो पर विचार कर रहे है। बाइडन के करीबी सहयोगियो ने बुधवार को यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस के चार अधिकारियो ने नाम जाहिर नही करने की शर्त पर बताया, न्यायमूर्ति स्टीफन ब्रेयर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त होने की तैयारी कर रहे है। उनके उत्तराधिकारी के चयन के लिए जारी शुरुआती चर्चा सर्किट जज केटंजी ब्राउन जैक्सन, डिस्ट्रिक्ट जज जे मिशेल चाइल्ड्स और कैलिफोर्निया के उच्चतम न्यायालय की न्यायमूर्ति लियोनंड्रा क्रूगर पर केंद्रित है। जैक्सन और क्रूगर को लंबे अरसे से संभावित दावेदार के रूप मे देखा जाता रहा है। बाइडन जनवरी 2021 मे राष्ट्रपति पद पर काबिज होने के बाद से ही संघीय पीठो के लिए अलग-अलग समुदायो के न्यायाधीशो को नामित करने की कवायद मे जुटे है। वह संघीय अपीली अदालत मे पांच अश्वेत महिला न्यायाधीशो की नियुक्ति कराने मे सफल रहे है, जबकि तीन अतिरिक्त नामांकन सीनेट मे लंबित है।

डब्ल्यूएचओ कर्मियों ने एशिया में नस्लभेद का शिकार होने के आरोप लगाए

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के कुछ पूर्व और मौजूदा कर्मचारियों ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में संगठन के शीर्ष निदेशक पर नस्लभेदी, अनैतिक और अपमानजनक व्यवहार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि इससे कोरोना वायरस महामारी पर लगाम लगाने के डब्ल्यूएचओ के प्रयास प्रभावित हो रहे हैं। अक्तूबर 2021 में दायर एक आंतरिक शिकायत के बाद बीते हफ्ते दो गुमनाम कर्मचारियो की ओर से वरिष्ठ अधिकारियों और कार्यकारी बोर्ड को भेजे गए ईमेल मे भी इस तरह के आरोप लगाए गए है। ईमेल की एक प्रति एसोसिएटेड प्रेस के हाथ लगी है। शिकायतकर्ताओ ने दावा किया कि इस ईमेल को तैयार करने मे डब्ल्यूएचओ के 30 से ज्यादा कर्मचारी शामिल है और यह 50 से अधिक लोगों के अनुभवो को बयां करता है।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने रूस के साथ वार्ता पर जोर दिया

भाषा। पेरिस

यूक्रेन संकट में अब भी कूटनीति के लिए गुंजाइश बची रहने का जिक्र करते हुए फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने एक संभावित युद्ध के संकेतों के बावजूद वार्ता पर जोर देना जारी रखा है। उनका रुख, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के फ्रांस के खुद के भू-राजनीतिक राह पर चलने की परंपरा की पुष्टि करता है,

जिसके तहत पेरिस ने अमेरिका के पीछे आंख मूंद कर चलने से इनकार कर दिया। यह अप्रैल में फ्रांस में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार अभियान के बीच यह मैक्रों की घरेलू राजनीतिक रणनीति का भी हिस्सा है। मैक्रों शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वार्ता करने की तैयारी कर रहे हैं और उनके आवास पर बुधवार को रूसी एवं यूक्रेनियाई सलाहकारों के बीच लंबी वार्ता हुई। यूक्रेन की सीमा के पास हाल के हफ्तों में रूस के भारी संख्या में अपने सैनिक जमा करने के बाद से दोनों पक्षों के बीच यह पहली वार्ता थी। रूसी और यूक्रेनियाई, फ्रांसीसी और जर्मन सलाहकारों के बीच बुधवार की वार्ता का उद्देश्य सभी पक्षों द्वारा संकट के समाधान के लिए और अधिक समय लेना था। वे दो हफ्तों में फिर से बैठक करने के लिए सहमत हुए। हालांकि, विशेषज्ञों ने सवाल किया है कि क्या यह यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को रोकने के लिए पर्याप्त होगा। फ्रांसीसी सरकार के प्रवक्ता गेब्रियल अत्ताल ने कहा कि शुक्रवार सुबह पुतिन के साथ मैक्रों की वार्ता के दो लक्ष्य हैं, वार्ता जारी रखना और रूस पर अपना रुख एवं सैन्य गतिविधि को स्पष्ट करने के लिए दबाव बनाना। मास्को ने हमले की योजना की बात से इनकार किया है, जबकि उसने हाल के हफ्तों में यूक्रेन की सीमा के पास अपने करीब एक लाख सैनिक जमा कर दिए हैं।

यूक्रेन के सैनिक ने गोलीबारी कर चार सहकर्मियों, एक आम नागरिक की जान ली

भाषा। कीव

यूक्रेन के नेशनल गार्ड के एक सदस्य ने बृहस्पतिवार को अपने सहकर्मियों पर गोलीबारी कर दी, जिसमें पांच लोग मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के गृह मंत्रालय ने यह जानकारी दी। गोलीबारी की घटना को अंजाम देने वाले सैनिक को पुलिस ने पकड़ लिया है लेकिन उसकी मंशा के बारे में अब तक पता नहीं चल पाया है। यह घटना कीव से 500 किलोमीटर दक्षिणपूर्व में बृहस्पतिवार सुबह दनिप्रो शहर में हुई। हमलावर सैनिक की पहचान आर्तेमी रयाबचुक (20) के रूप में की गई है, जो ड्यूटी पर था और अपने सहकर्मियों पर गोलीबारी करने के फौरन बाद मौके से भाग गया था। इस घटना में चार सैनिक और एक आम आदमी की जान चली गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने गोलीबारी के शीघ्र बाद रयाबचुक को हिरासत में ले लिया। राष्ट्रपति वोलोदमायर जेलेंस्की ने अधिकारियों से घटना की गहन जांच करने को कहा है। गोलीबारी की यह घटना, यूक्रेन की सीमा रूस द्वारा करीब एक लाख सैनिक जमा करने की पृष्ठभूमि में हुई है।

उत्तर कोरिया ने दो संदिग्ध मिसाइलों का परीक्षण किया

● बाइडन प्रशासन पर दबाव बनाने की रणनीति

भाषा। सियोल

उत्तर कोरिया ने इस महीने छठी बार अपने हथियारों का परीक्षण करते हुए बृहस्पतिवार को दो संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल समुद्र में दागीं। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। विशेषज्ञों का कहना है कि परीक्षण गतिविधि में उत्तर कोरिया की असामान्य रूप से तेजी उस पर और उसके परमाणु निरस्त्रीकरण कार्यक्रमों के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रतिबंधों को कम करने के उद्देश्य से लंबे समय से रुकी वार्ता को लेकर बाइडन प्रशासन पर दबाव बनाना है। उत्तर कोरिया पर अमेरिका के नए सिरे से प्रतिबंध लगाने से स्थिति और बिगड़ चुकी है क्योंकि महामारी ने देश की अर्थव्यवस्था को हिला दिया है, जो पहले से ही अपने परमाणु हथियार कार्यक्रमों और अपनी ही सरकार द्वारा दशकों के कुप्रबंधन तथा अमेरिकी नेतृत्व द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण बिगड़ी हुई थी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि ए परमाणु हथियार संभवतः कम दूरी तक मारक क्षमता वाले थे। इन्हें पूर्वी तटीय क्षेत्र से पांच मिनट के अंतराल पर छोड़ा गया और समुद्र में गिरने से पहले मिसाइल ने जमीन से अधिकतम 20 किलोमीटर की उंचाई पर 190 किलोमीटर की रफ्तार से उड़ान भरी।

अमेरिका : तटरक्षकों ने फ्लोरिडा तट से लापता 38 लोगों की तलाश शुरू की

भाषा। मियामी बीच (अमेरिका)

अमेरिका में तटरक्षक बल, उसके विमान और जहाज फ्लोरिडा तट के आसपास लापता 38 लोगों की तलाश में बुधवार को जुटे रहे। चार दिन पहले संदिग्ध मानव तस्करी नौका समुद्र में आए तूफान में डूब गई थी जिस पर ए लोग सवार थे। दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक व्यक्ति के जीवित होने का पता चला है। मामले में अमेरिकी अधिकारियों ने आपराधिक जांच शुरू की। कैप्टन जो-एन एफ. बर्डियन ने कहा कि जीवित बचे व्यक्ति ने बचाव दल को बताया कि बहामास से नौका के चलने के तुरंत बाद यह तूफान की चपेट में आ गई जिससे शनिवार शाम को यह पलट गई। एक व्यापारी जहाज के चालक दल ने 25 फुट की नौका की उलटी पतवार पर बैठे व्यक्ति को देखा, उसके बाद मंगलवार सुबह तटरक्षक बल को सतर्क किया गया। व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया और गृह सुरक्षा अधिकारियों को सौंप दिया गया, जिन्होंने कहा कि वह स्वस्थ है। बर्डियन ने कहा कि जीवित बचे अन्य प्रवासियों को खोजना अत्यावश्यक है।

पाकिस्तान में जिहाद के लिए किसी को कोष जुटाने की इजाजत नहीं : लाहौर उच्च न्यायालय

● जनता को भड़काने की अनुमति नहीं है और यह राजद्रोह

भाषा। लाहौर

लाहौर उच्च न्यायालय ने एक फैसले में कहा है कि पाकिस्तान में व्यक्तियों या किसी भी संगठन को जिहाद के लिए धन जुटाने को लेकर जनता को भड़काने की अनुमति नहीं है और इसे राजद्रोह माना जाता है। प्रतिबंधित आतंकी संगठन के लिए धन जुटाने के जुर्म में दोषी ठहराए गए दो आतंकवादियों की अपील ठुकराते हुए अदालत ने यह टिप्पणी की। अदालत ने यह फैसला बुधवार को तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों मुहम्मद इब्राहिम और

उबैदुर रहमान की अपील पर सुनाया, जिन्हें लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर सरगोधा में गिरफ्तार किया गया था। इस महीने की शुरुआत में आतंकवाद रोधी अदालत ने दोनों को आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए पांच-पांच साल की कैद की सजा सुनाई थी। न्यायमूर्ति अली बकर नजफी की अध्यक्षता वाली दो न्यायाधीशों की पीठ ने अपील को खारिज करते हुए कहा, इस्लामिक राष्ट्र (पाकिस्तान) में व्यक्तियों या किसी संगठन को जिहाद (पवित्र युद्ध) के लिए धन जुटाने को लेकर जनता को उकसाने की इजाजत नहीं है क्योंकि इसे राजद्रोह माना जाता है। पीठ ने कहा, यदि जरूरी हो तो घोषित युद्ध के लिए जनता से धन एकत्र करना सरकार का काम है। यह किसी व्यक्ति या किसी संगठन द्वारा नहीं किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि टीटीपी एक निष्क्रिय और प्रतिबंधित संगठन है जिसने न केवल सरकारी संस्थानों को नुकसान पहुंचाया और उच्च पदाधिकारियों को निशाना बनाया बल्कि उसने अतीत में देश में आतंकवादी गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जो वित्तीय सहायता के बिना संभव नहीं होता। मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड जमात-उद-दावा (जेयूडी) के हाफिज सईद को भी कई वर्षों तक आतंकवाद के वित्तपोषण लिए दोषी ठहराया गया और वह लाहौर की कोट लखपत जेल में सजा काट रहा है।

चीन की शिन्हुआ समाचार एजेंसी द्वारा जारी इस तस्वीर में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग उत्तर पश्चिमी चीन के शांक्सी प्रांत के हुओझोउ शहर के फेंग्गुनयुआन गांव में एक निवासी के घर में केक काटते हुए

कर्म और भाग्य
की गतिशीलता

हिंगोरी का कहना है कि जब हम अपनी तृष्णाओं और आसक्तियों के साथ संसार का निर्माण करते हैं, तो ये स्पष्ट रूप से हमारे जरिए हमारी नियति लिख रहे हैं

कर्म और नियति- ये शब्द काफी परिचित हैं और हमारी रोजमर्रा की बातचीत का हिस्सा हैं। हालांकि, जब हम इनके सही अर्थ में गहराई से उतरते हैं, तो हमें पता चलता है कि जो सरल लगता है वो वैसा होता नहीं है यदि हम उसे द्वैत के लेंस से देखते हैं।

तो, कर्म और भाग्य क्या हैं? यह बहुत गलत नहीं होगा, अगर हम कहें कि स्मृति और गुप्त प्रवृत्ति (मन की कंडीशनिंग) 'भाग्य' है और स्मृति और गुप्त प्रवृत्तियों के इस संयोजन द्वारा बनाई गई परिस्थितियों के परिणामस्वरूप 'कथित क्रिया' कर्म है।

आइए देखें कि यह स्मृति क्या है, और क्रिया को 'कथित' के रूप में क्यों वर्णित किया गया है। जब कर्म कथित अवचेतन में जमा हो जाते हैं, तो प्रवृत्ति और स्मृति एक ऐसी स्थिति पैदा करने के लिए एक साथ आती हैं जहां कार्रवाई को अंजाम देने की आवश्यकता होती है। संचित कर्म फल की प्रतीक्षा में नियति है और फल स्वयं कर्म है। जब हम इसे द्वैत के चश्मे से देखते हैं, तो हम यह सब मन के भीतर अनुभव करते हैं।

हमारे शास्त्र कहते हैं, जो कुछ भी बनाया गया है वह अनंत चेतना या सर्वोच्च चेतना से है। जैसे जब हम सपने देखते हैं तो हम रूप, अनुभव, परिणाम और भावनाएं बनाते हैं, लेकिन जब हम सपने से जागते हैं, तो हमें पता चलता है कि यह सब असत्य था। जो लोग प्रबुद्ध या जागृत अवस्था में हैं, वे स्वयं को इस सर्वोच्च चेतना से अलग नहीं देखते हैं, और कार्य, और जो कुछ भी मौजूद है, वे सपने का एक हिस्सा हैं और इसलिए, असत्य है कि हम वास्तविक के रूप में देखते हैं, केवल अपनी अनुभूति में।

जैसे-जैसे हम अपनी तृष्णाओं और आसक्तियों के साथ संसार का निर्माण करते हैं, वैसे-वैसे ये हमारे द्वारा हमारे भाग्य को लिख रहे हैं। हालांकि, वास्तव में लिखे जाने के बजाय, इसकी कल्पना की जा रही है। चूंकि अतीत, भूत वर्तमान और भविष्य भी, मन के उपाय हैं और इसे सादगी के नाम पर, रैखिक प्रगति के विपरीत एक स्तरित किस्म के ढेर के रूप में देखा जा सकता है, फल बाद की तारीख की प्रतीक्षा नहीं कर रहा है, लेकिन यह भी उसी पल में घटित हो रहा है। यह काफी हद तक घर पर फिल्म देखने जैसा है, व्यक्ति में फिल्म में आगे बढ़ने, रिवाइंड करने, छोड़ने और कल्पना करने की क्षमता होती है कि फिल्म में क्या होने वाला है। अब कल्पना करें कि फिल्म के निर्देशक ने इसकी अपने दिमाग में सोच रखा है - सभी भागों, वार्डरोब, सेट, दृश्य संकेत और प्रत्येक दृश्य को एक दूसरे से स्वतंत्र रूप से शूट किया जा रहा है ताकि बाद में उन्हें फिट होने पर एक साथ घुमाया जा सके। जैसा कि आप देखना शुरू करते हैं कि यह कैसे चलता है, वैसे ही कर्म और भाग्य के संदर्भ में अपने जीवन को भी करें।

जब हम अपने आप को अनंत चेतना से अलग के रूप में पहचानते हैं, तो हम मन और अहंकार के परिणामस्वरूप द्वैत पैदा करते हैं, हालांकि वास्तव में शाश्वत सत्य केवल एक है - सरलतम ढंग से कहा गया है कि हम सर्वोच्च चेतना के विचार या कल्पना की रचना हैं। इसलिए, जो कुछ भी मौजूद है, सभी प्राणी, उनके मन, उनके फल, परम चेतना में मौजूद हैं।

ऋषि भृगु और नास्त्रेदमस जैसे कुछ लोगों ने इस फिल्म को भाग्य कहा है क्योंकि वे अनंत चेतना देखते हैं, और सभी यादें, प्रवृत्तियां, चरित्र और क्रियाएं अंततः इस चेतना का एक हिस्सा हैं। इसे सरल शब्दों में समझाने के लिए - यदि हम अपने द्वारा देखे गए सपने के प्रत्येक विवरण को जगा सकते हैं, उसका विवरण दे सकते हैं और उसका दस्तावेजीकरण कर सकते हैं, तो हम एक कथित भविष्यवाणी लिखने में सक्षम होंगे, क्योंकि प्रत्येक सपने में प्राणी, वातावरण, तत्व क्रियाएं और परिणाम होते हैं। एक सपने की तरह, एक प्रबुद्ध अवस्था में हम समय से आगे निकल जाते हैं क्योंकि हम एक ही समय में सब कुछ देखने में सक्षम होते हैं। किसी भी स्थिति में, जहां से हम इसे देख रहे हैं, समय युगों का माप है न कि वर्षों का।

> जब हम अपने आप को अनंत चेतना से अलग के रूप में पहचानते हैं, तो हम मन और अहंकार के परिणामस्वरूप द्वैत पैदा करते हैं, हालांकि वास्तव में शाश्वत सत्य केवल एक है - सरलतम ढंग से कहा गया है कि हम सर्वोच्च चेतना के विचार या कल्पना की रचना हैं। इसलिए, जो कुछ भी मौजूद है, सभी प्राणी, उनके मन, उनके फल, परम चेतना में मौजूद हैं।

तो, स्वतंत्र इच्छा के बारे में क्या कहेंगे? क्या यह भी एक भ्रम है? जब किसी ऐसी चीज की कल्पना की जा रही है जो अपने आप में असत्य है, तो स्वतंत्र इच्छा कैसे हो सकती है? क्रिया भी हमारे मन में मौजूद है और हमारी स्मृति और प्रवृत्तियों द्वारा निर्धारित की गई है - यह भी एक सपने की तरह बनाई जा रही है जहां हम मौजूदा के साथ व्यवहार करते हुए नई चीजों की कल्पना कर रहे हैं। हमारी व्यक्तिगत चेतना उन स्मृतियों को प्राप्त करने वाली होती है जो लंबित फलित होती हैं, और फिर हम इनका एक हिस्सा जीते हैं, और फिर फलने-फूलने के लिए कुछ और यादें निर्मित करते हैं। यही कारण है कि ऐसा कहा जाता है कि जब तक हम अपने सबकों को सीख नहीं लेते हैं, तब तक परिदृश्य दोहराते हैं। कार्रवाई इस तरह से होती है जिसे हम गलत समझते हैं, हम इससे अलग स्क्रिप्ट बनाते हैं, दूसरी बार फलने के लिए। हालांकि, जब हमारी अंतर्निहित यादें यह मानती हैं कि क्रिया फलीभूत हो गई है, तो स्मृति को त्याग दिया जाता है क्योंकि यह आगे कोई क्रिया नहीं करती है और हमें संसार से मुक्ति के मार्ग पर ले जाती है। यह सब भी असत्य है, बहुत कुछ अनुकरण की तरह या मैट्रिक्स या इंसेप्शन जैसी फिल्मों की तरह। हालांकि, फिल्मों के विपरीत आपको सच्चाई का अनुमान लगाने के लिए 'सॉफ्टवेयर कोड' या 'स्पिनिंग टॉप्स' की आवश्यकता नहीं होती है।

एक बार जब आप इसे महसूस कर लेते हैं, तो आप फिल्म को अभिनेता के बजाय निर्देशक के रूप में देखते हैं और भूमिका में इतनी गहराई से डूब जाते हैं कि वह 'वास्तविक' और 'रील' के बीच का अंतर नहीं देख पाता है।

क्या नियति बदली जा सकती है? केवल एक सिद्ध गुरु ही भाग्य बदल सकता है। प्रबुद्ध होने के कारण, वह वास्तविकता के वास्तविक स्वरूप को जानता है क्योंकि वह वास्तविकता के साथ 'एकाकार' है। उसके लिए वास्तविक और असत्य के बीच अंतर करना आसान है। वह एक साधारण विचार से असत्य को बदल सकता है। एक सिद्ध गुरु वो मार्गदर्शक होता है जो आपको आत्म-मंथन की यात्रा में ले जा सकता है और मन की लालसा से उत्पन्न होने वाली आंतरिक उथल-पुथल को दूर करने में आपकी सहायता कर सकता है।

हालांकि उपरोक्त व्याख्याएं शायद आध्यात्मिक यात्रा में 'स्कूल स्तर' पर हैं, पर आपको अपनी 'आध्यात्मिक पीएचडी' में तेजी लाने के लिए एक सिद्ध गुरु की आवश्यकता होगी। यह अनुभवों के जरिए अनुभव और अहसास की यात्रा है। और जैसा कि आप इससे होकर गुजरते हैं, आपको पता चल जाएगा कि दुनिया में ऐसी कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है जिससे हम परिचित हैं ताकि आपको वहां पहुंचने में मदद मिल सके। इसलिए धैर्य रखें और अपने अनुभवों से अवगत रहें।

- लेखक आध्यात्मिक पुस्तकों की हिंगोरी सूत्र श्रृंखला के लेखक हैं

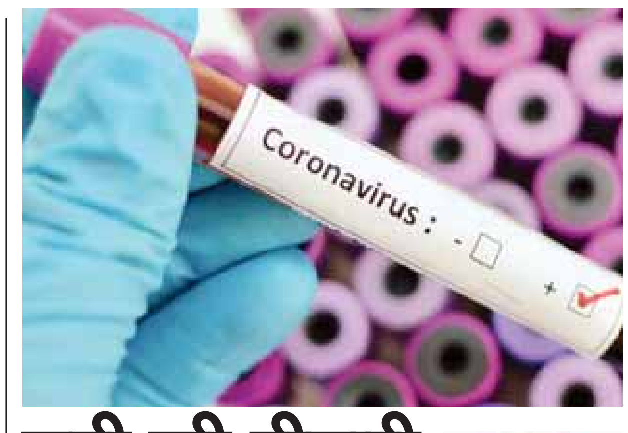

सदी की बीमारी

प्रमोद पाठक

अगर हम किसी से पूछें कि वर्तमान सदी की बीमारी क्या है तो हमें इसका उत्तर कोविड-19 ही मिल सकता है। कितनी विडंबना और दुख की बात है कि पिछली सदी की बीमारी भी कुछ इसी तरह की थी, हालांकि इसे एक अलग नाम से पुकारा जाता था - स्पेनिश फ्लू। दो निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं। पहला, यह साबित करने के लिए कि प्रकृति की शक्ति और साजिशों के मेल होने की बात आती है, हमने यह साबित करने के लिए शायद ही कुछ महत्वपूर्ण हासिल किया है। सच है, हमने मानव को कम असुरक्षित बनाने के लिए तथाकथित अनुसंधान व प्रौद्योगिकी पर अरबों खर्च किए हैं। लेकिन इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में न तो शोध और न ही तकनीक हमारे बचाव में आई। हां, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी ने कुछ को अमीर और कई को गरीब बना दिया है। दूसरा निष्कर्ष जो हम निकाल सकते हैं, वो यह है कि जब मनुष्य बनाम प्रकृति की बात आती है तो हमारी स्थिति अब से सौ साल तक बेहतर नहीं होगी। लेकिन इस वास्तविकता के बावजूद, आइए सदी की बीमारी के बारे में प्रारंभिक प्रश्न पर वापस आते हैं। लेकिन क्या वाकई कोविड-19 सदी की बीमारी है? बिल्कुल नहीं। और कारणों की तलाश बहुत लंबी नहीं है। बेशक, हाल ही में कोरोना वायरस महामारी दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोगों की जान लेने के लिए जिम्मेदार थी। लेकिन कई अन्य बीमारियां भी हैं। फिर और भी कई कारण हैं कि लोग क्यों मरते हैं। दुर्घटनाएं, आत्महत्याएं और क्या क्या नहीं। इसके अलावा, कई मामलों में मौतों को एक ही कारण के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है क्योंकि इस तथ्य के कारण कि कई कारणों से इंकार नहीं किया जा सकता है।

इसके अलावा, सांख्यिकीय डेटा शायद ही विश्वसनीय है, उनकी रिकॉर्डिंग, सटीकता और निश्चित रूप से, गणनाकर्ताओं की क्षमता और वांछनीयता में समस्याओं को देखते हुए। इन्हीं कारणों से कई लोग कहते हैं कि कोविड-19 के कारण होने वाली मौतों की सही सूचना नहीं दी गई। न केवल भारत में, यहां तक कि अमेरिका जैसे अधिक उन्नत देशों में, मृत्यु आमतौर पर अवक्षेपण के कारण दर्ज की जाती है। संयोग से, इसका भी बहुत सटीक निदान नहीं किया गया है। इस प्रकार, कई मामलों में मृत्यु का सही कारण बताना मुश्किल होता है। इन दिनों, भ्रम को और अधिक उलझाने के लिए एक नए शब्द - सह-रुग्णता ने लोकप्रिय प्रवचन में अपना रास्ता खोज लिया है। इसलिए यह सुनिश्चित करना मुश्किल है कि कोरोना ने सह-रुग्ण स्थितियों को बढ़ा दिया या सह-रुग्ण स्थितियों ने कोरोना को खराब कर दिया। हालांकि, मौतों की रिपोर्ट करने में, रोगजनक के इर्दगिर्द अत्यधिक शोर को देखते हुए, कोरोना अधिक बार जगह पाता है, जो उपलब्धता पूर्वाग्रह की ओर ले जाता है। यह एक मनोवैज्ञानिक परिघटना है, एक मानसिक शॉर्टकट है जिसका लोग विषय संबंधित अत्यधिक जानकारी के कारण मूल्यांकन करते समय सहारा लेते हैं। इन दिनों हमने पाया कि सब कुछ कोरोना के इर्द-गिर्द घूमता है जिससे मौजूदा पूर्वाग्रह की संभावना बढ़ जाती है। और अन्य हित भी मौजूद थे। वास्तव में, उन अन्य हितों ने संकट को तेज करने में प्रमुख भूमिका निभाई। उन हितों का अनुमान लगाने के लिए कोई चिन्ह नहीं है। हम उस बात पर थोड़ी देर बाद आ सकते हैं, लेकिन देखें कि इन हितों के कारण क्या हुआ। सैकड़ों तथाकथित वैज्ञानिक शोध पत्र दुनिया भर में प्रतिदिन प्रकाशित और प्रसारित किए जा रहे हैं, और वो भी बिना किसी ठोस सबूत या निष्कर्ष के। ऐसा लग रहा था कि भ्रम कुछ इच्छुक तिमाहियों के लक्ष्य की मदद कर रहा है। हम अजीब दौर में हैं जिसे गलत ढंग से ज्ञान युग कहा जाता है। यह विशुद्ध रूप से व्यापारिक युग है। सब कुछ व्यापार है, व्यापार ही सब कुछ है। स्वास्थ्य व्यवसाय है। शिक्षा व्यवसाय है। धर्म व्यापार है। रिश्ते भी व्यापार है। यह वाणिज्य युग है। स्वभावतः इस युग में लोभ सबसे बड़ा रोग है।

-लेखक प्रबंधन-प्रोफेसर, लेखक और एक प्रशंसित सार्वजनिक वक्ता हैं।

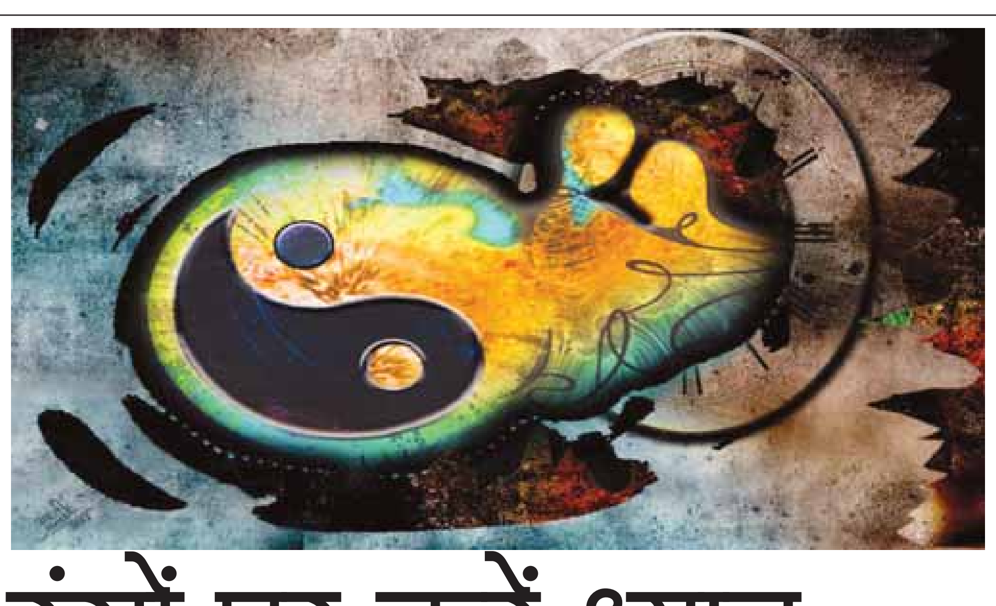

रंगों पर करें ध्यान

आरती जवेरिक कहती हैं कि रंग ध्यान के लिए आवश्यक है कि आप एक आदर्श संतुलन बनाए रखने के लिए चक्रों और उनके रंगों पर ध्यान दें

रंग हमारे दैनिक जीवन का एक अभिन्न और अनिवार्य हिस्सा हैं। हमारे जीवन में उनकी भूमिका कभी नाटकीय और कभी सूक्ष्म होती है। उनका उपयोग व्यक्त करने, प्रभावित करने और बहुत कुछ करने के लिए किया जा सकता है। दुनिया भर में कई प्राचीन संस्कृतियां हैं जो रंगों की उपचार शक्तियों में विश्वास करती हैं। क्रोमो थेरेपी जिसे लाइट थेरेपी के रूप में भी जाना जाता है, एक लोकप्रिय समग्र उपचार और ध्यान उपचार है। मनोवैज्ञानिकों व चिकित्सा शोधकर्ताओं ने कई वर्षों से मानस पर रंगों के प्रभाव पर अनेक अध्ययन किए हैं। विज्ञापन उत्पादों व स्थानों के बारे में कुछ भावनाएं उत्पन्न करने के लिए रंग के सचेत उपयोग को शामिल किया जाता है। उसी कारण से, हम मानते हैं कि आपका दैनिक ध्यान के दौरान रंगों पर ध्यान केंद्रित करना आपके दैनिक ध्यान पर महत्वपूर्ण प्रभाव साबित होगा।

इससे पहले कि हम इस पर ध्यान दें, आइए रंगों और चक्रों के बीच के संबंध को समझते हैं। पहिया के लिए संस्कृत शब्द, 'चक्र' आपकी रीढ़ के साथ एक सीधी रेखा में स्थित होने के लिए जाना जाता है। शरीर के सात चक्र आपके सिर के ऊपर से आपकी रीढ़ के आधार तक, केंद्र से नीचे की ओर चलते हैं। प्रत्येक चक्र एक व्यक्तिगत ऊर्जा केंद्र है और इसका एक अनूठा रंग है जो इसका प्रतिनिधित्व करता है। रंग ध्यान के लिए आवश्यक है कि आप अपने शरीर और मन के बीच एक आदर्श संतुलन बनाए रखने के लिए अपने प्रत्येक चक्र और उनके संबंधित रंगों पर ध्यान केंद्रित करें। यह संतुलन इस प्रकार उपचार और मन की शांति को बढ़ावा देगा। चक्र पृथ्वी के तत्वों से संबंधित हो सकते हैं - वायु, अग्नि, जल, आकाश, आध्यात्मिक जागरण और ज्ञानोदय। सात चक्र और उनसे जुड़े रंग हैं :

- **लाल :** यह रंग आपकी रीढ़ की जड़ में स्थित चक्र का प्रतिनिधित्व करता है। यह आपकी जीवन शक्ति के रूप में जाना जाता है और स्थिरता का प्रतिनिधित्व करता है। लाल रंग पर ध्यान केंद्रित करने से आपको निराशा और क्रोध की भावनाओं को साधने में मदद मिलेगी। लाल वो रंग है जो आपके शरीर और दिमाग को उत्तेजित करता है जिससे आपकी उत्तेजना बढ़ती है।
- **नारंगी :** यह नौसैनिक क्षेत्र में स्थित चक्र का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे त्रिक चक्र के रूप में भी जाना जाता है। नारंगी रंग पर ध्यान केंद्रित करने से आपको कामुकता, रिश्तों, शारीरिक दबाव, भावनात्मक आत्म अभिव्यक्ति और रचनात्मकता के मसलों को कम करने में मदद मिलेगी। संतरा आपके तंत्रिका तंत्र को सक्रिय करने और उत्तेजना को सक्रिय करने के लिए जाना जाता है।
- **पीला:** आपकी छाती के ठीक नीचे, आपका सौर जाल चक्र स्थित है। पीला आपके सौर जाल चक्र पर केंद्रित है और आपके आशावाद, खुशी और विचार प्रक्रियाओं पर प्रभाव डालता है। पीला वो रंग है जो आपकी शारीरिक जीवन शक्ति, मानसिक जागरुकता और विश्लेषणात्मक रूप से सोचने और संसाधित करने की क्षमता को प्रभावित करता है।
- **हरा:** हृदय चक्र आपकी छाती के केंद्र में स्थित होता है। हरा रंग आपके हृदय चक्र पर ध्यान केंद्रित करता है और शांति, प्रेम और पोषण की भावनाओं को पैदा करता है। यह शारीरिक उपचार शुरू करता है। यही कारण है कि ज्यादातर अस्पताल हरे रंग में रंगे हुए हैं।
- **नीला :** आपके स्वरयंत्र के आधार पर स्थित है कंठ चक्र और नीला उस पर केंद्रित है। ध्यान करते समय, अपने कंठ चक्र पर ध्यान केंद्रित करने से आपको अपने आत्मविश्वास और आत्म अभिव्यक्ति में मदद मिलेगी। शारीरिक रूप से नीला आपके थायरॉयड ग्रंथि और लसीका तंत्र को नियंत्रित करता है।
- **इंडिगो :** यह तीसरे नेत्र चक्र का प्रतिनिधित्व करता है, यानी आपके माथे के बीच में स्थित है। ध्यान करते समय रंग पर ध्यान केंद्रित करने से आपके अंतर्ज्ञान और मन की शांति में मदद मिलेगी।
- **बैंगनी :** आपकी खोपड़ी के शीर्ष पर स्थित मुकुट चक्र को बैंगनी रंग द्वारा दर्शाया जाता है। रंग पर ध्यान करने से आपको सार्वभौमिक चेतना के साथ तालमेल बिठाने में मदद मिलेगी और आप स्वयं को अधिक जागरूक और स्वयं के साथ शांति बना पाएंगे।

क्या आप सुरक्षित हैं?

अजीत कुमार बिश्नोई का कहना है कि भगवान की शरण लेना कठिन है, क्योंकि अहंकार को छोड़ना पड़ता है, जो हममें गहरे धंसा होता है

मेरा ईमानदार जवाब है, नहीं, मैं कभी कभार स्वीकार नहीं करता हूं। जैसा कि मैं एक विचारशील व्यक्ति हूं, मैं हमेशा सुरक्षित महसूस करने के तरीकों की तलाश में रहता हूं। बहुत सारे तरीके नहीं हैं, सिर्फ एक है। मुझे भगवान, काल की शरण लेनी है। जैसा कि आपने अनुमान लगाया होगा, मैंने हर तरह से कोशिश की है, लेकिन, और कुछ भी मुझे सुरक्षित महसूस नहीं करा सका। ईश्वर की शरण लेना कठिन है, बहुत कठिन है, क्योंकि हमें अहंकार का त्याग करना पड़ता है - जो कि हमारा एक आंतरिक हिस्सा है। यह सृष्टिगत विधान है।

वही सृष्टि गत विधान, जो हमें बताता है कि हम दो दुनियाओं में रहते हैं। हां, सिर्फ एक दुनिया नहीं, बल्कि दो हैं। एक है भौतिक संसार, जिसके बारे में हम सभी जानते हैं, और दूसरा है आध्यात्मिक संसार। इस दुनिया में भगवान है और जिन्होंने अपनी पहचान को आत्मा के रूप में महसूस किया है, यानी 'अहं ब्रह्म अस्मि'। ये दोनों दुनियाएं 'कमफल' सिद्धांत द्वारा शासित हैं, जिसका संक्षेप में अर्थ है कि हम जो बोते हैं वही काटते हैं। हमारे सभी कार्य, चाहे हमारे मन, शब्द या हमारे शरीर के बाकी हिस्सों से किए गए हों, फल अच्छे और बुरे दोनों तरह के होते हैं, जो इस पर निर्भर करता है कि वे अच्छे कार्य थे या बुरे कार्य।

सौभाग्य से, आध्यात्मिक दुनिया में केवल अच्छे कार्य होते हैं, अर्थात आध्यात्मिक कार्य, एक बच्चे की मूक प्रार्थना से शुरू होते हैं, जो अपने माता-पिता की भलाई के लिए करता है। इस तरह के प्रत्येक कार्य को भविष्य में पुरस्कार के लिए विधिवत दर्ज किया जाता है। भगवद गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, "न तो यहां प्रयास की बर्बादी है और न ही विपरीत प्रभाव है। इस गतिविधि का एक छोटा सा हिस्सा भी बड़े भय से बचाता है।" (2.40) यह जीवन भर चलता रहता है। सभी कार्य जुड़ते हैं और दर्ज होते रहते हैं। प्रश्न यह है : क्या हमने पर्याप्त आध्यात्मिक कार्य किए हैं, विशेषकर जब तक हम वृद्धावस्था तक पहुंचते हैं, जब हमें उनकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है? क्योंकि जाने-अनजाने हम अतीत में भी बुरे भौतिक कार्यों को जमा करते रहे हैं, जिनमें पूर्व जन्म भी शामिल हैं, जो उनके नियत समय पर फलित होते हैं। वर्ना हम यहां क्यों हैं?

अगर हम आध्यात्मिक कार्य भी करते रहे हैं, तो भगवान उसमें शामिल हो जाते हैं, वे प्रसन्न होते हैं। वह संबंधित व्यक्ति/भक्त के सामने प्रकट होता है। वह उस भाग्यशाली आत्मा के जीवन की जिम्मेदारी लेना शुरू कर देता है। मार्गदर्शन और मदद का आना शुरू हो जाता है। ईश्वर सर्वज्ञ होने के कारण ऐसा करने की उत्तम स्थिति में है। यह कुछ लोगों को आश्चर्यजनक लग सकता है, कि भगवान हर चीज के बारे में भौतिक व आध्यात्मिक मार्गदर्शन करते हैं। यहां तक कि वह लोगों के दिलों को हमारे पक्ष में बदलने में भी मदद करता है, अगर भगवान ऐसा ठान लेते हैं। ईश्वर हमें इस भौतिक संसार के अपरिहार्य दुखों को सहन करने की शक्ति भी देते हैं। हमारी वर्तमान गतिविधियां, यानी 'क्रियामन' अत्यधिक उत्पादक और कुशल हो जाती हैं। हमारा अहंकार सिकुड़ने लगता है। व्यक्ति भौतिक और आध्यात्मिक दोनों रूप से अधिक से अधिक कर्तव्यपरायण होता जाता है।

व्यक्तिगत रूप से, मुझे बहुत खुशी होती है जब भगवान मुझे किसी दंड से मुक्त करते हैं, जो कि पहले किए गए बुरे कार्यों हेतु मेरे लिए सुनिश्चित थे, भगवान कर्मफल् सिद्धांत का उल्लंघन किए बिना ऐसा करने का प्रबंधन करते हैं। वह पहले किए गए बुरे कार्य को ध्यान में रखता है, जो सजा का कारण है। वह इस बात पर भी विचार करता है कि कौन से आध्यात्मिक कार्य संचित हुए हैं, जिनका उपयोग दुख को कम करने के लिए किया जा सकता है। भगवान को यह सुनिश्चित करना है कि उनके भक्त कभी नष्ट न हों, जैसा कि गीता के श्लोक 9.31 में उनके द्वारा वचन दिया गया है। इसका मतलब है कि परिणामी पीड़ा सहनीय होनी चाहिए।

भगवान हम भक्तों के लिए क्या करते हैं, यह समझने के बाद, मैं बेहद चकित हूं। मैं न केवल अब पहले से कहीं अधिक सुरक्षित महसूस करता हूं, बल्कि मैं अपने मन और इंद्रियों को बेहतर ढंग से नियंत्रित करने में सक्षम हूं।

- बिश्नोई एक आध्यात्मिक लेखक हैं

शीर्ष वरीय ऐश बार्टी फाइनल में

सेमीफाइनल में एकतरफा मुकाबले में अमेरिका की मेडिसन कीज को हराया

●फाइनल में कोलिन्स से होगी भिड़ंत

भाषा । मेलबर्न

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ऐश बार्टी ने आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में जगह बनाकर गुरुवार को 42 साल के सूखे को खत्म किया। बार्टी ने सेमीफाइनल में एकतरफा मुकाबले में अमेरिका की मेडिसन कीज को 6-1, 6-3 से हराया और अब उनकी नजरें एक और मुकाबला जीतकर 1978 के बाद आस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने वाली मेजबान देश की पहली खिलाड़ी बनने पर टिकी हैं।

बार्टी की राह में डेनियल कोलिन्स खड़ी हैं। अमेरिका की इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में 2020 फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वियाटेक को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। महिला एकल फाइनल शनिवार को खेल जाएगा। कोलिन्स ने कहा कि बार्टी के घरेलू ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में खिताबी मुकाबले में उनसे भिड़ने का मौका शानदार होगा। बार्टी 1980 में वेंडी टर्नबुल के बाद अपने घरेलू ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने वाली आस्ट्रेलिया की पहली महिला खिलाड़ी हैं। आस्ट्रेलिया की कोई खिलाड़ी 1978 में क्रिस ओ नील के बाद आस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब नहीं जीत पाई है।

शीर्ष रैंकिंग वाली बार्टी ने सेमीफाइनल तक के अपने सफर के दौरान सिर्फ 17 गेम गंवाए और उन्होंने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए 2017 अमेरिकी ओपन उप विजेता कीज के खिलाफ दबदबा बनाया। बार्टी ने विंबलडन में घसियाले कोर्ट और फ्रेंच ओपन में क्ले कोर्ट पर ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं और वह हार्ड कोर्ट पर खिताब जीतने से एक जीत दूर हैं। कोलिन्स ने पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के फाइनल में जगह बनाई है। गुरुवार को दोनों ही सेमीफाइनल सीधे सेट में खत्म हुए। बार्टी ने कीज के आठ के मुकाबले 20 विनर लगाए। उन्होंने छह ब्रेक प्वाइंट में से चार पर अंक जुटाए और अपनी सर्विस पर दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए। टूर्नामेंट में अब तक छह मैचों में बार्टी ने सिर्फ एक बार अपनी सर्विस गंवाई है। बार्टी ने जीत दर्ज करने के बाद कहा कि यह अवास्तविक लगता है, यह शानदार है। मुझे यहां आस्ट्रेलिया में खेलना पसंद है।

उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी होने के नाते हमें अपने सरजमीं पर खेलने का मौका मिला है। अब हमारे पास खिताब के लिए चुनौती पेश करने का मौका है। यह अवास्तविक लगता है। 27वीं वरीय कोलिन्स ने सातवीं वरीय स्वियाटेक के खिलाफ सिर्फ 78 मिनट में जीत दर्ज की। कोलिन्स ने 27 विनर लगाए जबकि सिर्फ 13 सहज गलतियां की।

कोलिन्स ने दोनों सेट में विरोधी की सर्विस तोड़कर शुरुआत की और दोनों ही सेट में 4-0 की बढ़त बनाकर दबदबा बनाया। इससे पहले 2019 में सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली कोलिन्स का किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। कोलिन्स ने बार्टी के संदर्भ में कहा कि हमारे बीच कुछ शानदार मुकाबले हुए हैं। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ उसी की सरजमीं पर खेलना बेहतरीन होगा। बार्टी मेजबान देश को खिताब दिलाने से एक कदम दूर हैं लेकिन पुरुष युगल में आस्ट्रेलिया का खिताब पक्का हो गया है। निक किर्गियोस और थनासी कोकिनाकिस ने खचाखच भरे रोड लीवर एरेना में पुरुष युगल सेमीफाइनल में मार्सेल ग्रेनोलर्स और होरासियो जेबालोस की तीसरी वरीय जोड़ी को 7-6(4) 6-4 से हराकर आल आस्ट्रेलियन फाइनल सुनिश्चित किया। इससे पहले मैथ्यू एबडेन और मैक्स पुर्सेल ने लगभग खाली मारग्रेट कोर्ट एरेना में राजीव राम और जो सालिसबरी की दूसरी वरीय जोड़ी को सीधे सेट में 6-3 7-6(9) से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। साथ ही डाइलन एल्कोट के विदाई टूर्नामेंट का अंत व्हीलचेयर क्वाड फाइनल में नीदरलैंड के सैम श्रोडर के खिलाफ शिकस्त के साथ हुआ। राष्ट्रीय दिवस के मौके पर एल्कोट को साल का सर्वश्रेष्ठ आस्ट्रेलियाई चुना गया था। उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल के बीच राजधानी कैनबरा में समारोह में हिस्सा लिया। एल्कोट ने व्हीलचेयर क्वाड में 15 ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। उन्होंने पिछले साल गोल्डन स्लैम पूरा करते हुए सभी चार मेजर खिताब जीतने के अलावा टोक्यो पैरालंपिक का स्वर्ण पदक जीता था।

मेडिसन कीज के खिलाफ खेलतीं ऐश बार्टी

इंग्लैंड के अल्फे हेविट और गार्डन रीड ने व्हीलचेयर पुरुष युगल का खिलाब जीता

रामकुमार को टाटा ओपन महाराष्ट्र में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश

पुणे। भारत के शीर्ष रैंकिंग के पुरुष टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन को 31 जनवरी से 6 फरवरी तक पुणे के बालेवाड़ी स्टेडियम में होने वाले 2022 टाटा ओपन महाराष्ट्र के एकल मुख्य ड्रॉ में वाइल्डकार्ड के जरिए प्रवेश दिया गया है। आयोजकों ने गुरुवार को इसकी घोषणा की।

रामकुमार ने पिछले साल नवंबर में बहरीन के मनामा में अपने करियर का पहला एटीपी चैलेंजर खिताब जीता था और शीर्ष 200 खिलाड़ियों में दोबारा जगह बनाई थी।

काहिरा विश्व कप के लिए मनु भाकर सहित कई ओलंपियन को जगह नहीं

भाषा । नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी के कारण चयन ट्रायल का आयोजन नहीं हो पाने के कारण 64वीं राष्ट्रीय चैंपियनशिप के अंतिम रैंकिंग अंक और क्वालीफिकेशन स्कोर के आधार पर काहिरा में होने वाले आगामी आईएसएसएफ विश्व कप के लिए भारतीय निशानेबाजी टीम का चयन किया गया। मनु भाकर, अपूर्वी चंदेला, अंजुम मोदगिल, अभिषेक वर्मा, दीपक कुमार और यशस्विनी देसवाल जैसे ओलंपियन को टीम में जगह नहीं मिली है क्योंकि वे चयन पात्रता को पूरा नहीं कर पाए।

काहिरा में विश्व कप का आयोजन 26 फरवरी से आठ मार्च तक होना है। टीम के साथ छह कोच जाएंगे जिसमें दीपाली देशपांडे, समरेश जंग, मनोज कुमार, डीएस चंदेल, रोनक पंडित और वेद प्रकाश शामिल हैं। दो फिजियो भी दल का हिस्सा होंगे।

रोच की वेस्टइंडीज टीम में वापसी

भाषा । सेंट जोंस (एंटीगा)

अनुभवी तेज गेंदबाज केमार रोच और युवा हरफनमौला एन बोनेर को भारत के खिलाफ छह फरवरी से शुरू हो रही तीन मैचों की श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की एक दिवसीय क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। रोच ने 2019 में आखिरी वनडे खेला था जिसके बाद कोई लिस्ट ए मैच नहीं खेला। वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज डेसमंड हैंस ने मुख्य चयनकर्ता का पदभार संभालने के बाद उनकी वापसी कराई है।

आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला हारने वाली कीरोन पोलार्ड की कप्तानी वाली कैरेबियाई टीम में छह बदलाव किए गए हैं। भारत के खिलाफ वनडे मैच छह, नौ और 11 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

टी-20 मैच कोलकाता के ईडन गार्डंस पर 16, 18 और 20 फरवरी को खेले जाएंगे। इसके लिए टीम की घोषणा शुक्रवार को होगी। रोच के अलावा मध्यक्रम के बल्लेबाज बोनेर और सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन किंग की टीम में वापसी हुई है। किंग ने आखरी वनडे 2020 में खेला था। रोच अब तक 92 वनडे में 124 विकेट ले चुके हैं।

हैंस ने एक बयान में कहा कि केमार रोच हमारे प्रमुख तेज गेंदबाजों में से है। हमें लगता है कि शुरूआती विकेट लेने के लिए ऐसे गेंदबाजों की जरूरत है। वहीं बोनेर को 50 ओवरों के प्रारूप में खेलने का मौका दिया जाना चाहिए। यह श्रृंखला आईसीसी वनडे सुपर लीग का हिस्सा है और वेस्टइंडीज को अंक लेकर शीर्ष सात में शामिल होने का मौका मिलेगा ताकि 2023 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई कर सके।

टीम : कीरोन पोलार्ड (कप्तान, फेबियन एलेन, एन बोनेर, डेरेन ब्रावो, शामार ब्रूक्स, जैसन होल्डर, शाइ होप, अकील हुसैन, अलजारी जोसेफ, ब्रेंडन किंग, निकोलस पूरन, केमार रोच, रोमारियो शेफर्ड, ओडियन स्मिथ, हेडन वॉल्श जूनियर।

दक्षिण अफ्रीका को छह विकेट से हराकर इंग्लैंड अंतिम चार में

अंडर 19 विश्व कप

●सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी इंग्लैंड

भाषा । नॉर्थ साउंड

जैकब बेथेल की शानदार बल्लेबाजी के दम पर इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को छह विकेट से हराकर आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। बेथेल ने पहले शानदार गेंदबाजी करके दक्षिण अफ्रीका को 209 रन पर आउट करने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद 88 रन बनाकर इंग्लैंड को सेमीफाइनल में पहुंचाया जहां उसका सामना श्रीलंका या अफगानिस्तान से होगा। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए धीमी शुरूआत की। पारी का पहला चौका चौथे ओवर की पहली गेंद पर लगा। अगली गेंद पर जोशुआ बॉयडेन ने वेलेंटाइन किटिमे को आउट किया। बॉयडेन ने सलामी बल्लेबाज एथान जॉन कनिंगघम के रूप में टूर्नामेंट का अपना 12वां विकेट लिया। दक्षिण अफ्रीका का स्कोर दो विकेट पर 21 रन था। इसके बाद डेवाल्ड ब्रेविस और गेहार्डस मारी ने पारी को संभालकर 55 रन जोड़े।

इंग्लैंड के जैकब बेथेल ने 88 रन की आकर्षक पारी खेली

ब्रेविस ने लगातार चौथे मैच में पचास से अधिक रन बनाए लेकिन शतक से तीन रन से चूक गए। उनके आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने एक रन के भीतर तीन विकेट गंवा दिए। रेहान अहमद ने 48 रन देकर चार विकेट लिए। इंग्लैंड की पारी का आकर्षण बेथेल रहे जिन्होंने अंडर 19 विश्व कप के इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 20 गेंद में 50 रन पूरे किए। वह 42 गेंद में 88 रन बनाकर आउट हुए तब तक इंग्लैंड की जीत लगभग तय हो चुकी थी। पांचवें नंबर पर उतरे विलियम लक्सटोन ने 41 गेंद में 47 रन बनाए। प्लेट वर्ग में जिम्बाब्वे ने स्कॉटलैंड को हराया।

अगले छह महीने तक टी-20 क्रिकेट से दूर रहेंगे तमीम इकबाल

ढाका। बांग्लादेश के अनुभवी सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल ने गुरुवार को कहा कि वह अपना करियर लंबा खींचने और युवाओं को मौका देने के लिए अगले छह महीने तक टी-20 क्रिकेट नहीं खेलेंगे जिससे उनका आस्ट्रेलिया में इस साल के आखिर में होने वाले टी-20 विश्व कप से भी बाहर रहना तय है। तमीम ने हालांकि अपने फैसले में वापसी की संभावना के लिए भी जगह रखी है कि अगर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड उनसे विश्व कप से पहले फिर से आग्रह करता है तो वह अपने फैसले पर पुनर्विचार कर सकते हैं।

तमीम ने बीसीबी अध्यक्ष नजमुल हसन सहित शीर्ष अधिकारियों से चर्चा के बाद यह फैसला किया। अधिकारियों ने उन्हें ऐसा कदम उठाने से मना किया था। तमीम ने संवाददाताओं से कहा कि टी-20 अंतरराष्ट्रीय में मेरे भविष्य को लेकर चर्चा हुई है।

मंजूनाथ उलटफेरकर ओडिशा ओपन के क्वार्टर फाइनल में

भाषा । कटक

गैर वरीय मिथुन मंजूनाथ ने गुरूवार को यहां मलेशिया के सातवीं वरीयता प्राप्त जून वेई चीम को सीधे गेम में हराकर ओडिशा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरूष एकल क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। मंजूनाथ ने चीम को 21-11, 21-18 से शिकस्त दी और अब उनका सामना प्रियांशु राजावत से होगा। पुरुष एकल में तीसरे वरीय भारतीय शुभंकर डे भी आसानी से अंतिम आठ में पहुंच गए। उन्होंने हमवतन राहुल यादव चिटाबोइना को 33 मिनट में 21-16, 21-14 से पराजित किया। किरण जॉर्ज भी हमवतन चिराग सेन पर 21-12 21-13 की आसान जीत से एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। शुभंकर का सामना अगले दौर में जॉर्ज से होगा। इससे पहले भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी मालविका बंसोड़ ने हमवतन और जूनियर नंबर एक खिलाड़ी तस्नीम मीर को सीधे गेम में शिकस्त देकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मालविका ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 टूर्नामेंट के महिला एकल प्रीक्वार्टर फाइनल में 16 वर्षीय तस्नीम को 21-13 21-15 से हराया। पिछले हफ्ते 20 वर्षीय मालविका सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पीवी सिंधू से हार गई थी। इससे पहले उन्होंने महीने के शुरू में इंडिया ओपन में अपनी आदर्श साइना नेहवाल को हराया था।

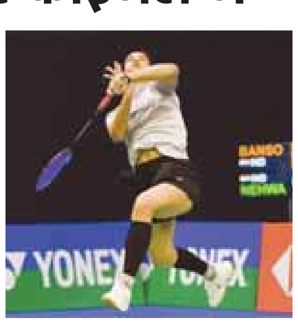

रणजी ट्राफी को दो चरणों में करने की योजना : धूमल

भाषा । नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने गुरुवार को कहा कि बोर्ड रणजी ट्राफी को दो चरणों में आयोजित करने की योजना बना रहा है। देश में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण बोर्ड को यह प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता स्थगित करनी पड़ी थी। रणजी ट्राफी में 38 टीम भाग लेती हैं। उसका आयोजन 13 जनवरी से किया जाना था लेकिन कोविड-19 की तीसरी लहर के कारण उसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। बीसीसीआई की योजना 27 मार्च से इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन करने की है और ऐसे में एक चरण में रणजी ट्राफी का आयोजन संभव नहीं लगता है लेकिन कई राज्य इकाईयों के आग्रह के बाद बोर्ड इसको लेकर बैठक में चर्चा की। धूमल ने बैठक के बाद कहा कि हम रणजी ट्राफी के आयोजन की संभावना तलाश रहे हैं। जब इसे स्थगित किया गया तब मामले बढ़ रहे थे। अब लगता है कि मामले कम हो रहे हैं। संचालन टीम इस पर काम कर रही है कि क्या हम अगले महीने लीग चरण का आयोजन कर सकते हैं और बाकी टूर्नामेंट बाद में पूरा कर सकते हैं।

बैठक में बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह ने भी हिस्सा लिया। अभी की योजना के अनुसार लीग चरण का आयोजन फरवरी से मार्च तक एक महीने करने की है जबकि अगला चरण जून जुलाई में आयोजित किया जाएगा जबकि देश के कुछ क्षेत्रों में मानसून शुरू हो जाता है जबकि कुछ हिस्सों में गर्मी अपने चरम पर होती है।

धूमल ने कहा कि संचालन टीम मौसम के अलावा स्थलों की उपलब्धता और खिलाड़ियों की उपलब्धता पर भी काम करेगी।

कुलदीप के लिए आगे की डगर मुश्किल: हरभजन

●भज्जी चाहते हैं कुलदीप पर भरोसा बनाए रखे टीम इंडिया

भाषा । नई दिल्ली

पिछले साल सितंबर में संयुक्त अरब अमीरात में कोलकाता नाइट राइडर्स के अभ्यास सत्र के दौरान जब कुलदीप यादव क्षेत्ररक्षण कर रहे थे तो वह नहीं जानते थे कि कुछ ही सेकेंड में घुटना मुड़ने से उन्हें इतने दिनों तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ेगा। दुबई में अभ्यास केंद्र पर मौजूद लोग उनकी हालत देखकर डर गए थे क्योंकि वह दर्द से कराह रहे थे और उन्हें स्ट्रेचर पर बाहर ले जाया गया।

एक हफ्ते के अंदर मुंबई में उनके घुटने की सर्जरी की गई जिसके बाद उनके प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी में लगने वाले समय का अंदाजा नहीं था। वह भारतीय टीम में अपनी वापसी के बाद प्रार्थना करने के लिए गुरूवार को अपने परिवार के साथ मथुरा गए। कुलदीप को भारतीय टीम में वापसी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता था क्योंकि बीसीसीआई ने कोरोना वायरस की तीसरी लहर के चलते रणजी ट्राफी को स्थगित कर दिया है जिसमें उन्हें उत्तर प्रदेश की अगुआई करनी थी। भारत के महान स्पिनरों में से एक हरभजन सिंह से जब कुलदीप से उनकी उम्मीदों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कुलदीप के लिए आगे की डगर काफी मुश्किल होगी। उसके पास चोट से वापसी के बाद कोई भी उचित घरेलू मैच नहीं है और ऐसे ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करना आसान नहीं है।

उन्होंने कहा कि वह सर्जरी से पहले भी नियमित रूप से नहीं खेल रहा था और जब आप सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी करते हो तो सबसे पहले आपके दिमाग में बस एक बात होती है, मेरी गेंद पर बल्लेबाज हिट नहीं करे। हरभजन ने कहा कि इसलिए यह एक संतुलन बनाने की बात है क्योंकि आप साफ तौर पर कई तरह की असुरक्षा से निपट रहे होते हो। यह मानसिक मजबूती और संयम का परीक्षण होता है।

उन्होंने कहा कि लेकिन मैं स्पष्ट कर दूं। अगर उसे शुरूआती एक दो विकेट मिल जाते हैं तो वह एक अलग ही गेंदबाज होगा लेकिन हो सकता है चीजें योजना के अनुसार नहीं चलें। उसे लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है। हरभजन ने कहा कि पर मेरा सुझाव यही होगा कि अगर आपने पिछले प्रदर्शन को देखकर उस पर भरोसा दिखाया है तो उसे काफी समय दीजिए और उस पर भरोसा दिखाइए। वह ऐसा गेंदबाज है जो भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने अपवाद स्वरूप कुलदीप को मैच फिटनेस साबित किए बिना ही टीम में शामिल कर लिया है क्योंकि इस समय कोई घरेलू क्रिकेट नहीं हो रहा है और ऐसा खिलाड़ियों के साथ कम ही होता है। कुलदीप के बचपन के कोच कपिल पांडे ने इस कलाई के स्पिनर को नौ साल की उम्र से तराशा है। उन्होंने कहा कि कुलदीप मानसिक रूप से काफी मजबूत है। उसके कौशल में मामूली सी भी कमी नहीं आई है। हां, वह जितनी गेंदबाजी करेगा, उतना ही सुधार करेगा।

यह पूछने पर कि सर्जरी के बाद वापसी के दौरान वह प्रत्एक दिन कितने ओवर गेंदबाजी कर रहा था तो उन्होंने कहा कि तीन अभ्यास मैचों में उसने एक दिन में 15 से 20 ओवर तक गेंदबाजी की।

पूर्व आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा

मुझे गेंदबाजों को आराम देना पसंद नहीं

भाषा । मस्कट

पूर्व आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली तेज गेंदबाजों के लिए कार्यभार प्रबंधन की नीति के पूरी तरह खिलाफ हैं जो व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर में एक चलन बन गया है। व्यस्त कार्यक्रम के अलावा कोविड-19 महामारी के बीच बायो-बबल की जिंदगी का असर भी क्रिकेटरों पर पड़ा है जिससे उन्हें खेल से दूर रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

ली ने यहां लीजेंड्स क्रिकेट लीग के मौके पर कहा कि मैं इस आराम देने के नियम के खिलाफ हूं। मुझे गेंदबाजों को आराम देना पसंद नहीं है, मैं गेंदबाजों को प्रत्येक मैच खेलते देखना पसंद करूंगा। मोहम्मद शमी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला में नहीं खेले, जिसमें भारत को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। चयनकर्ताओं ने शमी और जसप्रीत बुमराह की भारतीय तेज गेंदबाजी जोड़ी को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी घरेलू श्रृंखला के लिए भी आराम दिया है जिसमें तीन वनडे और तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल हैं, लेकिन पूर्व आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ली ने कहा कि एक तेज गेंदबाज को सिर्फ तभी आराम दिया जाना चाहिए, जब उसे कोई चोट हो।

ली ने कहा कि अगर वे चोट से जूझ रहे हों तभी आराम देना ठीक है। लेकिन मैं तेज गेंदबाजों को कड़ी मेहनत करते और हर वक्त खेलते हुए देखना चाहता हूं। दक्षिण अफ्रीका से भारत को टेस्ट में मिली हार के बारे में बात करते हुए ली ने कहा कि उन्हें लगता है कि यह उम्मीद के विपरीत रहा क्योंकि यह वही टीम थी जिसने आस्ट्रेलिया को उसकी मांद में हराया था और फिर इंग्लैंड के खिलाफ भी 2-1 से बढ़त बना ली थी। उन्होंने कहा कि देखिए, कभी कभार ऐसा होता है। वे काफी अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। आस्ट्रेलिया में वे जिस तरह से खेले, उसकी घरेलू सरजमीं पर उसे हरा दिया और फिर इंग्लैंड में।

ली ने कहा कि आस्ट्रेलियाई टीम इस समय दुनिया की नंबर एक टीम है। लेकिन भारत बहुत अच्छी टेस्ट टीम रही है। दक्षिण अफ्रीका में ऐसा हुआ कि मेजबान टीम ने अपनी सरजमीं पर वास्तव में काफी शानदार श्रृंखला खेली।

दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट और वनडे में लगातार श्रृंखला गंवाना विराट कोहली के सभी प्रारूपों की कप्तानी से हटने और बीसीसीआई के साथ टकराव के विवाद के बाद हुआ।

पॉवेल के आतिशी शतक की मदद से वेस्टइंडीज जीता

ब्रिजटाउन। रोवमैन पॉवेलके 53 गेंद में 107 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 20 रन से हराकर पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला में 2-1 से बढत बना ली। ओडियन स्मिथ की जगह खेल रहे पॉवेल ने अपनी पारी में 10 छक्के जड़े। उनके शतक की मदद से वेस्टइंडीज ने पांच विकेट पर 224 रन बनाए। निकोलस पूरन ने 43 गेंद में 70 रन का योगदान दिया।

जवाब में इंग्लैंड की टीम नौ विकेट पर 202 रन ही बना सकी। टॉम बेंटोन ने 39 गेंद में 73 रन बनाकर जीत की उम्मीद जगाई थी लेकिन उनके आउट होने के बाद इंग्लैंड को 45 गेंद में 96 रन की जरूरत थी। अपने कैरियर का पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे फिल सॉल्ट ने एक ओवर में 36 रन निकालकर वापसी की कोशिश की। उन्होंने 22 गेंद में 50 रन बनाए लेकिन अर्धशतक पूरा होते ही बोल्ड हो गए।

इयोन मोर्गन को मामूली चोट लगने के कारण इंग्लैंड की कप्तानी मोईन अली ने की।

जुगराज व अभिषेक टीम में दो नए चेहरे

●एफआईएच प्रो लीग के लिए भारतीय पुरुष हाकी दल घोषित

भाषा । नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका में मेजबान टीम और फ्रांस के खिलाफ होने वाले एफआईएच प्रो लीग मुकाबलों के लिए मनप्रीत सिंह की अगुआई में 20 सदस्यीय भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की जिसमें जुगराज सिंह और अभिषेक के रूप में दो नए चेहरों को शामिल किया गया है।

दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में आठ से 13 फरवरी के बीच होने वाले इन मुकाबलों के लिए हरमनप्रीत सिंह को भारतीय टीम का उप कप्तान बनाया गया है। अनुभवी खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम में तोक्यो ओलंपिक में एतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाली टीम के 14 खिलाड़ियों को जगह मिली है। भारतीय टीम बेंगलुरू से चार फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होगी। टीम को आठ फरवरी को पहले मैच में फ्रांस का सामना करना है जबकि अगले दिन उसकी भिड़ंत दक्षिण अफ्रीका से होगी। टीम 12 फरवरी को दोबारा फ्रांस से भिड़ेंगी जबकि अगले दिन मेजबान टीम का सामना करेगा। सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार रात साढ़े नौ बजे से खेले जाएंगे।

टीम में युवा ड्रैग फ्लिकर जुगराज और फारवर्ड अभिषेक के रूप में दो नए चेहरों को शामिल किया गया है। पंजाब के अमृतसर के अटारी के रहने वाले जुगराज को जनवरी 2022 में पहली बार सीनियर राष्ट्रीय शिविर में जगह मिली थी। स्ट्राइकर की भूमिका निभाने वाले अभिषेक भारत के जूनियर कार्यक्रम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2017 और 2018 में सुल्तान आफ जोहर कप में भारतीय की जूनियर टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। जुगराज की तरह हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले अभिषेक ने भी पंजाब नेशनल बैंक की ओर से अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहली बार सीनियर राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाई थी। भारत की 20 सदस्यीय टीम में पीआर श्रीजेश और कृष्ण बहादुर पाठक के रूप में दो गोलकीपर को शामिल किया गया है। मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा कि आगामी वर्ष बेहद व्यस्त और महत्वपूर्ण है और उसे देखते हुए भारतीय टीम विश्व मंच पर वापसी प्रो लीग के नवीनतम सत्र में हिस्सा लेने को लेकर रोमांचित है।

टीम

गोलकीपर : पीआर श्रीजेश और कृष्ण बहादुर पाठक। डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुरेंदर कुमार, वरूण कुमार, जरमनप्रीत सिंह और जुगराज सिंह। मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह, निलाकांत शर्मा, हार्दिक सिंह, जसकरण सिंह, शमशेर सिंह और विवेक सागर प्रसाद। स्ट्राइकर : मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, आकाशदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह और अभिषेक।

महान हॉकी खिलाड़ी चरणजीत सिंह का निधन

नई दिल्ली। भारत की 1964 टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हॉकी टीम के कप्तान रहे चरणजीत सिंह का हिमाचल प्रदेश के ऊना में उनके घर पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह लंबे समय से उम्र से जुड़ी बीमारियों से भी जूझ रहे थे। चरणजीत अगले महीने अपना 91वां जन्मदिन मनाने वाले थे। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी है। पांच साल पहले भी चरणजीत को स्ट्रोक हुआ था और तब से वह लकवाग्रस्त थे।

उनके बेटे वीपी सिंह ने बताया कि पांच साल पहले स्ट्रोक के बाद से वह लकवाग्रस्त थे। वह छड़ी से चलते थे लेकिन पिछले दो महीने से उनकी हालत और खराब हो गई। उन्होंने सुबह अंतिम सांस ली।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता टीम की कप्तानी के साथ वह 1960 रोम ओलंपिक की रजत पदक विजेता टीम में भी थे। इसके अलावा वह 1962 एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता टीम के भी सदस्य थे।